हिंदी दैनिक
कोयलांचल संवाद
www.ksnewsupdates.com
धनबाद, रविवार 10 अगस्त, 2025 , वर्षः 34 अंक : 136, मूल्यः 3 रूपए
धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित
You Tube Subscribe
Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

चुनाव आयोग ने 334 पार्टियों का रजिस्ट्रेशन रद्द किया

नई दिल्ली(ईएमएस)।चुनाव आयोग ने शनिवार को बताया कि 334 पंजीकृत लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया गया है। इन दलों ने 2019 से पिछले छह साल में एक भी चुनाव नहीं लड़ा था और इनके दफ्तर भी कहीं मौजूद नहीं मिले। ये 334 दल देश के अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के हैं। कुल 2,854 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों में से अब 2,520 ही बचे हैं। फिलहाल देश में 6 राष्ट्रीय और 67 राज्य स्तरीय पार्टियां हैं।

अस्पताल में आग, एक स्टाफ की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के कडक़डड़ूमा स्थित कॉसमॉस हॉस्पिटल में शनिवार दोपहर आग लग गई। आग की चेपेट में कुछ ऑक्सीजन सिलेंडर भी आ गए। दिल्ली फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक हॉस्पिटल में धुआं भर जाने के बाद, शीशे तोडक़र 11 मरीजों को सुरक्षित जगह शिफ्ट किया गया। समय रहते बाकी ऑक्सीजन सिलेंडर बाहर निकाल दिए गए, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। अमित नाम के एक हाउसकीपिंग स्टाफ ने आग लगने के बाद खुद को हॉस्पिटल के बाथरूम में बंद कर लिया था, जिस कारण दम घुटने से उसकी मौत हो गई। आग बुझाने के लिए दिल्ली फायर सर्विस ने आठ फायर टेंडर मौके पर भेजे। आनंद विहार में स्थित कॉसमॉस हॉस्पिटल में जॉइंट रिप्लेसमेंट और ट्रॉमा मैनेजमेंट से जुड़ा मेडिकल ट्रीटमेंट होता है।

आईसीआईसीआई बैंक में अब खाते में 50000 रूपए जरूरी

नई दिल्ली। अगर आपका भी अकाउंट आईसीआईसीआई बैंक में है तो आपके लिए एक बड़ी खबर है। बैंक ने अपने सेविंग अकाउंट्स के लिए मिनिमम एवरेज अमाउंट में भारी बढ़ोतरी की है। सेविंग अकाउंट में रखने वाले न्यूनतम राशि को 5 गुना तक बढ़ा दिया है। मिनिमम बैलेंस में बढ़ोतरी मेट्रो से लेकर गांव तक के कस्टमर्स के लिए किया गया है। प्राइवेट सेक्टर लेंडर आईसीआईसीआई बैंक के बचत खाते में अब मिनिमम बैलेंस 50000 बनाए रखना होगा। यह नियम 1 अगस्त 2025 से प्रभावी माना जाएगा। पहले यह अमाउंट 10 हजार रुपये था। अगर आप अपने सेविंग अकाउंट में मिनिमम बैलेंस नहीं बनाए रखते हैं तो आपको जुर्माना देना पड़ सकता है।

सिक्योरिटी ऑडिट वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एअर इंडिया की सुरक्षा और रखरखाव मानकों की स्वतंत्र जांच की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। इसमें याचिकाकर्ता नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने स्प्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता में कमेटी बनाने और आईसीएओ से मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय एजेंसी से एअर इंडिया की फ्लीट का ऑडिट कराने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने याचिकाकर्ता से पूछा- सिर्फ एअर इंडिया ही क्यों?

चांडिल में आमने-सामने टकराई दो मालगाड़ियां, चालक दल के सदस्य घायल

हादसे के बाद अप और डाउन लाइन पर परिचालन रोका, जांच शुरु

सरायकेला,(ईएमएस)। झारखंड में शनिवार सुबह चांडिल रेलवे स्टेशन के पास एक बड़ा रेल हादसा हो गया। यहां आमने-सामने दो मालगाड़ियां टकरा गईं, जिससे दोनों ट्रेनों के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में चालक दल के सदस्यों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि तकनीकी कारणों के चलते यह दुर्घटना हुई। हादसे के बाद अप और डाउन लाइन पर परिचालन रोक दिया गया है। रेलवे की ओर से चांडिल-टाटानगर और चांडिल-बोकारो रूट की सभी यात्री व मालगाड़ियों का परिचालन रद्द कर दिया है। कई ट्रेनों को रद्द, डायवर्ट या शॉर्ट-टर्मिनेट किया गया है। यात्रियों को हेल्पडेस्क और स्टेशन घोषणाओं के जरिए जानकारी दी जा रही है। रेलवे के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। अनुमान के मुताबिक इस घटना के कारण सैकड़ों यात्री कई स्टेशनों पर फंसे हुए हैं और उन्हें वैकल्पिक साधनों से गंतव्य तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक आयरन से भरी मालगाड़ी टाटानगर से पुरुलिया की ओर जा रही थी, चांडिल स्टेशन पार करने के बाद मालगाड़ी पटरी से उतर गई। डिरेल हुई मालगाड़ी के कई डब्बे दूसरी दिशा से आने वाले ट्रैक पर चले गए। इस कारण दूसरी ओर से आ रही मालगाड़ी उन डिब्बों से टकरा गई, जिससे कई डिब्बे पटरी से उतर गए। यह दुर्घटना शनिवार की सुबह करीब चार बजे हुई। गनीमत यह रही कि दोनों ही मालगाड़ियां थीं।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के सम्मान में संकल्प दिवस के रूप में मना विश्व आदिवासी दिवस

रांची : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर इस बार न तो कोई गीत-संगीत का कार्यक्रम हुआ और न ही कोई सांस्कृतिक आयोजन. केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा के नेतृत्व में यह दिवस दिशोम गुरु शिबू सोरेन के सम्मान में संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया.

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा की समाधि स्थल पर 151 मिट्टी के दीप जलाकर और उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई. इस अवसर पर झारखंड के वीर शहीदों और महान पूर्वजों को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई. कार्यक्रम में अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि झारखंड आंदोलन और दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जिस सोच और सपनों के साथ यह राज्य बना था, आज का झारखंड वैसा नहीं है. शहीदों और गुरुजी के आदर्शों के साथ छल किया जा रहा है. आज भी आदिवासियों के साथ अन्याय और शोषण हो रहा है. उनके हाथ से जल, जंगल और जमीन छिनती जा रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि सीएनटी और एसपीटी एक्ट होने के बावजूद आदिवासियों की जमीन की लूट जारी है. झारखंड खनिज संपदा से समृद्ध होने के बावजूद आदिवासी समाज आज भी सरकारी अनुदान पर निर्भर है. बबलू मुंडा ने कहा कि आदिवासी समाज की परंपराओं और धार्मिक व्यवस्था को नष्ट करने के प्रयास हो रहे हैं. शिक्षा के क्षेत्र में आदिवासी समुदाय काफी पिछड़ा हुआ है. इसे सुधारने के लिए सरकार को शीघ्र ठोस कदम उठाने चाहिए.

मुख्य पहान जगलाल पहान ने कहा कि जल, जंगल और जमीन के अधिकार को बचाने के लिए सभी को संगठित होकर ज़मीन माफिया के खिलाफ आवाज़ उठानी होगी. उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पदचिह्नों पर चलने का आह्वान किया.

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के साथ जारी मुठभेड़ में सेना के दो जवान शहीद

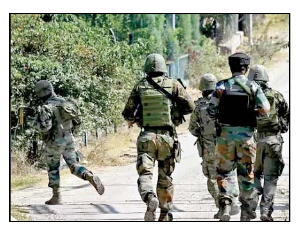

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है. खबर आ रही है कि इस मुठभेड़ के दौरान सेना के जवान शहीद हो गए हैं. सेना ने शनिवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में शुक्रवार रात आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में दो जवान शहीद हो गए.शुक्रवार को आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान दो जवान घायल भी हुए. 1 अगस्त से शुरू हुए इस मुठभेड़ में अब तक एक आतंकवादी मारा गया है. भारतीय सेना की चिनार कोर सोशल मीडिया एक्स पर किए एक पोस्ट में लिखा कि चिनार कोर राष्ट्र के लिए कर्तव्य निभाते हुए वीरों, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करती है. उनका साहस और समर्पण हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा. सेना गहरी संवेदना व्यक्त करती है और शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता से खड़ी है. अभियान जारी है. अधिकारियों ने बताया कि ये मुठभेड़ पिछले नौ दिनों से चल रही है. यह घाटी में सबसे लंबे आतंकवाद विरोधी अभियानों में से एक है. पुलिस और सेना के शीर्ष कमांडर नियमित रूप से अभियान की निगरानी के लिए मुठभेड़ स्थल का दौरा कर रहे हैं. जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, जो व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नज़र रख रहे हैं, ने कहा कि हां, दुर्गम इलाके और जंगली इलाके के कारण इसमें समय लग रहा है.

बाबाधाम थाना में मचा बवाल, गिरफ्तारी देने पहुंचे सांसद निशिकांत दुबे

मंदिर के गर्भगृह में जबरदस्ती प्रवेश का लगा है आरोप

देवघर : सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद वह शनिवार को मंदिर थाना पहुंचे। मंदिर थाना पहुंचने के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत उन्होंने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन जब भी हमें बुलाएगा मैं हमेशा प्रशासन के सामने मौजूद रहूंगा मैं कोई भगोड़ा नहीं हूं। उन्होंने कहा कि वह कानून बनाते हैं और कानून का सम्मान करना उनका धर्म और वह अपने धर्म को निभाने से कहीं भी पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें जैसे ही पता चला कि उनके ऊपर एफआइआर हुआ है वह सीधा मंदिर थाना पहुंचे लेकिन यहां पर अभी तक पूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। जिस वजह से वह पुलिस की अनुमति के बाद वापस लौट रहे हैं।

उन्होंने राज्य सरकार और जिला प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार व्यक्तिगत दुर्भावना से उन्हें परेशान करने की कोशिश कर रही है।लेकिन वह बैद्यनाथ धाम के आशीर्वाद से यह घोषणा करते हैं कि आने वाले समय में यहां की राज्य सरकार और जिला प्रशासन को उनकी गलती का एहसास करायेंगे और करारा जवाब देंगे।

वही उन्होंने कहा कि वह एक सांसद है और धारा 105 के तहत उन्होंने यहां के डीजीपी मुख्य सचिव डीसी और एसपी के खिलाफ पार्लियामेंट में सवाल उठाया है। जिसकी सुनवाई सोमवार को होगी। अब दिल्ली में ही इन सभी अधिकारियों से सवाल पूछे जाएंगे।

JOIN INDIAN NAVY

Online applications are invited from **unmarried men & women candidates,** to join as **Short Service Commission Officer**

(Course commencing **June 2026** onwards at Indian Naval Academy, Ezhimala, Kerala)

Branch/Cadre	Vacancies*	Gender
Executive Branch {GS (X)/Hydro Cadre}	57 (including 05 Hydro)	Men and Women (maximum of 06 Vacancies in GS (X) and 02 Vacancy in Hydro, for women)
Pilot	24	Men and Women (maximum of 03 vacancies for women)
Naval Air Operations Officer (Observers)	20	Men and Women (maximum of 03 vacancies for women)
Air Traffic Controller(ATC)	20	Men and Women
Logistics	10	Men and Women (maximum of 01 vacancy for women)
Naval Armament Inspectorate Cadre (NAIC)	20	Men and Women
Law	02	Men and Women
Education	15	Men and Women
Engineering Branch {General Service (GS)}	36	Men and Women (maximum of 05 vacancies for women)
Electrical Branch {General Service (GS)}	40	Men and Women (maximum of 06 vacancies for women)
Naval Constructor	16	Men and Women
Total	260	

* These vacancies are tentative and may be changed depending on availability of training slots.

CBC 10701/13/0011/2526

APPLY ONLINE FROM 09 AUG TO 01 SEP 25

For eligibility criteria and specific details for the batch, visit www.joinindiannavy.gov.in and

EMPLOYMENT NEWS DATED 16 AUG 25

Scan this QR Code to apply online

संक्षिप्त खबरें

रक्षाबंधन पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को उनकी बहन और महिलाओं ने राखी बांधी

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)।रक्षाबंधन के पवित्र त्यौहार के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को उनकी बहने एवं आसपास की महिलाओं ने राखी बांधी।इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा की रक्षा सूत, रक्षा करने का वचन देता है और यह बहनों का आशीर्वाद है। प्राचीन काल से रक्षा सूत बांधा जाता रहा है, जब कोई धर्म युद्ध के लिए निकलता था, तब महिलाएं हाथ में सूत बांधकर उन्हें विजय होने का आशीर्वाद देती थी। उन्होंने कहा कि समाज में जिस तरह से दुर्बुद्धि उत्पन्न हो गई है, ईश्वर सबको सद्बुद्धि दे। सब सही मार्ग पर चले, महिलाओं की सुरक्षा करें। रक्षाबंधन का पवित्र त्यौहार हमें यह सीख देता है।

रक्षाबंधन पर इरफान अंसारी ने स्वास्थ्य विभाग में 10 हजार पदों की बहाली का किया ऐलान

रांची(ईएमएस)।सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने स्वास्थ्य विभाग में 10 हजार पदों पर बहाली का ऐलान किया है।उन्होंने कहा कि बहुत जल्द स्वास्थ्य विभाग में 10,000 पदों की बहाली निकाली जाएगी, जिसमें से 6,000 पदों पर महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।उन्होंने कहा कि आज का दिन मेरे लिए भावनाओं से भरा है। एक ओर यह भाई-बहन के रिश्ते को मनाने का दिन है।वहीं दूसरी ओर हमारे गुरुजी, श्रद्धेय शिबू सोरेन जी के निधन का गम भी है. उनका जाना मेरे जीवन और राजनीति दोनों के लिए अपूरणीय क्षति है।लेकिन बहनों का स्नेह ऐसा है जिसे ठुकराना मेरे लिए संभव नहीं।

रक्षा बंधन के मौके पर यूथ विंग संस्था ने बहनों के लिए निःशुल्क टूक टूक सेवा दी, सांसद ने दिखाया हरा झंडा

हजारीबाग(ईएमएस)।हजारीबाग यूथ विंग के द्वारा रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों के आवागमन सुगम करने के लिए निःशुल्क सात टूक टूक सेवा को सांसद ने हरी झंडी दिखलाकर रवाना किया।हजारीबाग यूथ विंग की ओर से रक्षाबंधन के अवसर पर निशुल्क टुकटुक सेवा प्रदान किया।हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने सभी टुकटुक वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है।टुक-टुक बड़ा बाजार जैन मंदिर परिसर से रवाना किया गया। जो दिन भर शहर के विभिन्न इलाकों में बहनों को मुफ्त में आने-जाने की सुविधा प्रदान किया। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर हजारीबाग यूथ विंग ने यह कार्यक्रम से शहरवासियों का दिल जीत लिया।मातृ-शक्ति के आवागमन को सहज और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से संस्था ने निःशुल्क सात टोटो सेवा की शुरुआत की। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में टोटो सेवा के माध्यम से रक्षाबंधन के दिन बहनों को घर से मायके और अन्य स्थलों तक सहजता से पहुंचाने की व्यवस्था की गई। सुविधा के लिए पहले से टोटो चालकों के संपर्क नंबर जारी किए गए थे, जिससे बहनों को समय पर और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके।सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग द्वारा हमेशा ही उत्कृष्ट और समाजोपयोगी कार्य किए जाते हैं।इस कार्य के लिए संस्था के सभी सदस्यों को मैं हृदय से बहुत-बहुत बधाई और अनंत शुभकामनाएँ देता हूँ।

झारखंड में हर दिन 17 सड़क दुर्घटना में 14 लोगों की हो रही मौत

रांची(ईएमएस)।झारखंड में हर दिन 17 सड़क हादसे में 14 लोगों की मौत हो रही है। झारखंड पुलिस मुख्यालय के रिपोर्ट के मुताबिक झारखंड के अलग-अलग जिले में इस साल जनवरी से जून महीने तक यानि छह महीने में 3078 सड़क हादसे हुए जिनमें 2478 लोगों की जान हो गई।झारखंड के जिन जिले में सबसे अधिक सड़क दुर्घटना में मौत हुई हैं, उसमें रांची, गिरिडीह, हजारीबाग, गुमला और पलामू जिले में सबसे अधिक सड़क दुर्घटना में मौत हुई है।झारखंड में सड़क हादसे और उनमें होने वाली मौतों की संख्या में चिंताजनक वृद्धि दर्ज की गई है। झारखंड पुलिस मुख्यालय की रिपोर्ट के मुताबिक झारखंड के 19 जिले में सड़क दुर्घटना में होने वाली मौत की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। जबकि राजधानी रांची समेत पांच जिले में सड़क दुर्घटना में होने वाली मौत की संख्या में थोड़ी कमी आई है।साल 2024 के तुलना में साल 2025 में सड़क दुर्घटना में होने वाली मौत की संख्या बढ़ी है। साल 2024 में जनवरी से जून महीने तक सड़क दुर्घटना में 2166 लोगों की जान गई थी, जबकि साल 2025 में जनवरी से जून तक मौत की संख्या बढ़कर 2478 हो गई।

ट्रक और बाइक की सीधी टक्कर में दो युवक की मौत,एक की हालत गंभीर राखी बंधवाकर लौट रहे थे तीनों

बोकारो(ईएमएस)।बोकारो के चास चंदनकियारी मुख्य पथ पर हुए सड़क हादसे में बाइक सवार दो आदिवासी युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका इलाज सदर अस्पताल बोकारो में चल रहा है।दुर्घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पत्थरकट्टा साईट के पास हुई है। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि बाइक सवार राखी बंधवाने के बाद में बाजार के लिए घर से निकले थे।इसी दौरान विपरीत दिशा से तेज गति से आ रहे ट्रक की चपेट में बाइक सवार आ गए। दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक विष्णु मांझी और दिनेश मांझी बनगाड़ियां गांव के रहने वाले हैं जिनकी उम्र लगभग 24 वर्ष है।

भाजपा महिला मोर्चा ने मनाया रक्षाबंधन, सांसद मनीष जायसवाल सहित कईयों की कलाई पर सजा रक्षासूत्र

हजारीबाग। रक्षा बंधन के मौके पर शनिवार को भाजपा महिला मोर्चा, हजारीबाग ने सांसद सेवा कार्यालय परिसर में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया। मोर्चा की बहनों ने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल सहित कई अन्य भाइयों की कलाई पर पवित्र रक्षासूत्र बांधकर प्रेम और स्नेह का संदेश दिया।प्राचीन भारतीय संस्कृति और परंपरा का पालन करते हुए महिला मोर्चा की बहनों ने पूजा की थाली में पानी का लोटा, राखी, अक्षत, मिठाई और तिलक-चंदन के साथ विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने सांसद मनीष जायसवाल, सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, कार्यालय प्रभारी विजय वर्मा और कार्यालय के सभी कर्मचारियों के साथ-साथ सांसद के अंगरक्षक और चालक को भी राखी बांधी और उनका मुंह मीठा कराया।इस मौके पर भाजपा महिला मोर्चा के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों और विभिन्न पेशों से जुड़ीं बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी सांसद मनीष जायसवाल की कलाई पर राखी बांधी।उन्होंने ईश्वर से उनके यश और कीर्ति में आजीवन वृद्धि की कामना की।इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने बहनों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कोहिनूर तो देखा नहीं, लेकिन अनमोल होती हैं बहनें।आजीवन उनकी सुरक्षा और सम्मान का संकल्प लेता हूँ।

बरवाअड्डा थाना अब नए भवन में स्थानांतरित विधायक व उपायुक्त ने किया उद्घाटन

धनबाद। धनबाद जिले का बरवाअड्डा थाना, जो वर्षों से बाजार समिति परिसर में संचालित हो रहा था।शनिवार को अपने नए भवन जोड़ापीपल में स्थानांतरित हो गया। नए भवन का विधिवत उद्घाटन सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो, धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार और सैकड़ों स्थानीय लोगों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर विधायक चन्द्रदेव महतो ने कहा कि थाना भवन बनने से पुलिस कर्मियों को कार्य करने में बेहतर सुविधा मिलेगी। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि भवन और सुविधाओं में जो भी कमियां हैं, उन्हें जल्द दूर किया जाएगा। उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि आधुनिक और सुसज्जित थाना भवन बनने से पुलिस की कार्यकुशलता और जनता को मिलने वाली सेवा में सुधार होगा।

आदिवासी रूढ़िवादी होने के बावजूद मोस्ट सिविलाइज्ड हैं : अर्जुन मुंडा

प्रकृति के साथ रहते हुए वे पर्यावरण का करते हैं संरक्षण

खूंटी(ईएमएस)।प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को आदिवासी दिवस मनाया जाता है। आदिवासी दिवस की लेकर पूर्व सीएम सह पूर्व केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस इस बात के लिए है कि दुनिया में अपने आदि परंपराओं को लोग समझे, जागरूक हो और इस बात का ध्यान रखें कि जो आदिवासीयत है, उसकी मूल अवधारणा से जुड़ी जो जीवन पद्धति है उसके साथ कैसे जीवन जीएं। यदि आप देखेंगे तो विकास की कई कसौटियां है कई क्षेत्रों में लोगों ने बहुत प्रगति की है लेकिन उन कसौटी में बहुत सारी चीजें छूट गई थी क्योंकि प्रारंभ में जब मानव सभ्यता शुरू हुई तो सभी ट्राइबल ही थे सभी एथनिक ही थे, सभी एबओरिजिन ही थे। धीरे धीरे प्रगति के मानक ने विभाजन किया और कुछ लोग भूलते चले गए और ना भूलने के लिए जो आज भी अपने तरीके से जीते हैं उसे हम रूढ़िवादी कहते हैं। हम आज अपने रूढ़िवादी परंपराओं पर गर्व करें और जागरूकता के साथ प्रगति के रास्ते में इस तरीके से आगे बढ़ें जिससे परंपराएं बनी रहें और लोग पीछे न रहें। यह दोनों बातें ध्यान में रखने की आवश्यकता है और जब हम इस तरह की बातें करते हैं तो हमें ध्यान में आता है कि प्रगति के कई मानकों में हम भूल गए हैं कि हमारा अस्तित्व बिना हवा के, बिना पानी के, बिना जमीन के, बिना आग के कुछ नहीं है। रूढ़िवादी परंपरा इन सारी चीजों को अपने लाइफ का आधार मानता है और जीवन का अन्योन्यश्रय सम्बन्ध इससे जुड़ा हुआ है और साधारण तरीके से बात करता है और साधारण तरीके से बात करते हुए समाज को आगे कैसे बढ़ाया जा सकता है। इसको सभी को चिन्ता करने की आवश्यकता है और इस बात पर गर्व करना चाहिए कि आज भी उस रूढ़िवादी परंपरा के साथ आदिवासी जीवन यापन कर रहे हैं जो इस बात का संकेत देता है कि विध्वंस से यदि बचना है तो पर्यावरण को प्रकृति को आलिंगन करना चाहिए। कई बार व्यक्ति अपने परिवार तक ही सीमित हो जाता है इसलिए कहा जाता है कि अपने को जरूर देखो लेकिन अपने साथ साथ उन सारी चीजों को देखो जो आपके जीवन का आधार है। सबके साथ इस तरह की जागरूकता होनी चाहिए। मानसिकता में जरूर बदलाव आना चाहिए चूंकि बहुत सारे लोग ट्राइबल को पिछड़ा मानते हैं अर्थात आदिवासी दुरूह क्षेत्र में रहते हैं, गांव में रहते हैं उनको असभ्य मानते हैं। अति सभ्य वो है जो प्रकृति के साथ रहते हुए उसको नुकसान नहीं पहुंचाते हैं।बाजारीकरण के युग में निश्चित रूप से और खास कर राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने का जो नजरिया है वह एक पॉलिटिकल एजेंडा के साथ कार्य करने का तरीका है जो नुकसानदेह होता है। आदिवासी को आदिवसीयत के उन बातों का ध्यान रखना चाहिए जिससे कि वह आदिवासीयत पर गर्व करे।विश्व आदिवासी दिवस उन चीजों के लिए है कि वो अपनी आदिवासीयत पर गर्व करे, अपनी संस्कृति परंपराओं पर गर्व करे। इस आधार को लेते हुए अपने और अपनी भावी पीढ़ी के लिए रास्ता बना सकें।

बालू का अवैध खनन करने वालों और थाना प्रभारी के बीच है मिलीभगत

रांची(ईएमएस)।थाना प्रभारी और बालू का अवैध खनन करने वालों के बीच मिलीभगत है। रांची के एसएसपी द्वारा हाईकोर्ट में दायर शपथ पत्र में वर्णित तथ्यों के आधार पर हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी की है। कोर्ट ने थाना में सनहा दर्ज करने के सालों बाद तक नियमित प्राथमिकी दर्ज नहीं करने के कारणों की जानकारी शपथ पत्र के माध्यम से मांगी है। हाईकोर्ट में अवैध खनन के मामले में एक जनहित याचिका दायर की गयी थी।इसमें यह कहा गया था कि बुढ़मू, ठाकुरगांव, पिठोरिया और रातू में पुलिस की मदद से अवैध खनन हो रहा है। अवैध खनन की जानकारी एसएसपी को भी है।लेकिन वह भी इस मामले में किसी तरह की कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। याचिका की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने एसएसपी को इस मामले में शपथ दायर कर स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया था।इस निर्देश के आलोक में एसएसपी की ओर से हाईकोर्ट में शपथ पत्र दायर किया गया।इसमें यह नदी से बालू के अवैध खनन की बात स्वीकार की गयी।शपथ पत्र में सनहा दर्ज करने का उल्लेख करते हुए कहा गया कि बुड़मू थाने में 21 सनहा दर्ज किये गये हैं। 56 जब्त गाड़ियों के सिलसिले में कार्रवाई करने के लिए जिला खनन पदाधिकारी को लिखा गया है।एसएसपी की ओर से दायर शपथ पत्र में ठाकुरगांव थाने में 17 सनहा दर्ज करने का उल्लेख किया गया है। न्यायालय ने शपथ पत्र की समीक्षा में पाया कि थाने में सनहा तो दर्ज किये गये। लेकिन सनहा में लिखी गयी शिकायतों के आलोक में नियमित प्राथमिकी दर्ज नहीं की गयी है। न्यायालय ने यह जानना चाहा कि सनहा दर्ज करने के बाद इन अपराधों के मामले में नियमित प्राथमिकी क्यों दर्ज नहीं की गयी।न्यायालय ने शपथ पत्र में वर्णित तथ्यों के आलोक में यह टिप्पणी की है कि लगता है कि बालू का अवैध खनन करने वालों और थाना प्रभारी के बीच मिलीभगत है।न्यायालय ने शपथ पत्र में एसएसपी द्वारा शपथ पत्र में सिर्फ सनहा के आलोक में नियमित प्राथमिकी नहीं करने वाले थाना प्रभारियों के खिलाफ की गयी कार्रवाई का उल्लेख नहीं

भारी मात्रा में हथियार व गोली के साथ टीएसपीसी उग्रवादी गिरफ्तार

चतरा(ईएमएस)। लावालौंग पुलिस ने खामडीह जंगल से शनिवार को टीएसपीसी उग्रवादी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से भारी मात्रा में हथियार व गोली बरामद किया गया।गिरफ्तार उग्रवादी जमादार गंझु उर्फ पहाड़ी गंझु लावालौंग थाना क्षेत्र के कनवातरी गांव का रहने वाला है।उसके पास से एक देशी कट्टा, तीन देशी राइफल, 92 राउंड जिंदा गोली, दो पीस मोबाईल, एक सीम, एक टीएसपीसी पोस्टर, एक वर्दी केमोफ्लाइज व एक बैग जब्त किया गया। यह जानकारी एसपी सुमित कुमार खंडेलवाल ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस कांफ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि टीएसपीसी उग्रवादी जमादर गंझु खामडीह के जंगल में हथियार के साथ घूम रहा है।सूचना पर सिमरिया एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया।टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त जंगल में छापामारी अभियान चला कर उसे गिरफ्तार किया गया गया। उसके निशानदेही पर हथियार, गोली व अन्य सामान जब्त किया गया। वह टंडवा, लावालौंग, सिमरिया, हजारीबाग, चतरा समेत अन्य क्षेत्रो में रंगदारी वसूलने का काम करता था।पूर्व में कोहराम के दस्ते के साथ काम करता था।फिलहाल कबीर गंझु के साथ काम कर रहा है। उसके खिलाफ विभिन्न थाने में आर्म्स एक्ट, सीएलए एक्ट का मामला दर्ज है।जिसमें सदर थाना में एक, टंडवा में दो, लावालौंग में एक व सिमरिया थाना में एक मामला दर्ज है। वह पूर्व में जेल जा चुका है।इस संबंध में लावालौंग थाना कांड संख्या 57/25 के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया। एसपी ने उग्रवादियों से सरेंडर कर आत्मसमर्पण नीति का लाभ उठाने की अपील की।

अगस्त क्रांति ने स्वतंत्रता आंदोलन को नयी दशा और दिशा दी : केशव महतो कमलेश

रांची(ईएमएस)।अगस्त क्रांति दिवस एवं विश्व आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश मुख्यालय कांग्रेस भवन में किया गया। इस दौरान कांग्रेसजनों ने अगस्त क्रांति दिवस का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका पर प्रकाश डाला।स्वतंत्रता आंदोलन के विभूतियों के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।साथ ही आदिवासी समुदाय को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं भी दी गई।प्रदेश अध्यक्ष कमलेश ने कहा कि करो या मरो का नारा आज ही के दिन दिया गया था, जिसने लोगों में ऊर्जा का संचार करते हुए स्वतंत्रता आंदोलन को नयी दशा और दिशा दी।एक नया रास्ता दिखाने का काम किया था, उसके बाद आंदोलन ने जोर पकड़ा। स्वतंत्रता आंदोलन की वेदी ने हमारे कई महान विभूतियों की बलि ली। देश की आजादी में उनके योगदान की तुलना कभी नहीं की जा सकती।विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज पूरे विश्व में आदिवासी समुदाय अपने हक अधिकार अस्मिता और पहचान अपनी परंपरा और संस्कृति को बचाने के लिए जो लड़ाई लड़ रहा है वह स्वागत योग्य है।आदिवासी समाज आज एक जागरूक समाज है।सामाजिक परिवेश में आज उनकी अहम भूमिका है।समाज में आदिवासी समुदाय की भूमिका को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1994 में समुदाय को अपनी विशिष्ट पहचान के साथ रहने और उसकी सुरक्षा के लिए विश्व आदिवासी दिवस की घोषणा की थी।पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन ने आजादी में मिल के पत्थर की भूमिका अदा की। जिसका परिणाम अंग्रेजी हुकूमत की हार और भारत की आजादी के रूप में सामने आया।

कांग्रेस भवन में कार्यकर्ताओं को दिखाया गया राहुल गांधी के प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो

रांची। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो जिसमें उन्होंने बीजेपी को 'वोट चोर' करार दिया था। आज रांची स्थित कांग्रेस भवन में चलाया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश समेत पार्टी के कई कार्यकर्ता भी मौजूद रहे और सभी ने वीडियो देखा।प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने इस वीडियो के प्रसारण के संबंध में जानकारी दी और बताया कि यह वीडियो अगले एक हफ्ते तक रोजाना कांग्रेस कार्यालय और राज्य भर के विभिन्न स्थानों पर दिखाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता इसे दो पालियों में देखेंगे और संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुबोधकांत सहाय ने महाराष्ट्र में हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि यह घटना अत्यंत आश्चर्यजनक है. चुनाव आयोग ने एसआईआर पर पहला बयान चौराहे पर बोली जाने वाली भाषा में दिया था कि क्या मुर्दों को भी वोट डालने दिया जाएगा? इतने सारे सबूत होने के बावजूद अब एफिडेविट की मांग की जा रही है।क्या अब एफिडेविट के आधार पर आरोप लगाए जाएंगे? राहुल गांधी ने यह लड़ाई शुरू की है और देश जानता है कि वे बिना प्रमाण के बात नहीं करते।आज सुबह यह सुनने को मिला है कि चुनाव आयोग ने अपनी वेबसाइट से इस संदर्भ में सारी जानकारी हटा दी है।

केशव महतो कमलेश ने आगे कहा कल ही हमने सभी जिला अध्यक्षों को पत्र भेज कर निर्देश दिया कि यह 'वोट चोरी' वाला वीडियो पूरे इलाके में दिखाया जाए। हम इसकी शुरुआत आज आदिवासी दिवस और रक्षाबंधन के पवित्र अवसर पर मुख्यालय से कर रहे हैं। 15 अगस्त तक यह वीडियो कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं को दोनों शिफ्टों में दिखाया जाएगा। लोगों को यह जानना जरूरी है कि कैसे प्रजातंत्र की आत्मा को खत्म किया जा रहा है।

खासमहल जमीन घोटाला में एसीबी ने सात लोगों के खिलाफ दर्ज की प्राथमिकी

हजारीबाग : हजारीबाग में खासमहल जमीन घोटाला मामले में एसीबी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) ने सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है. इन आरोपियों में तत्कालीन खासमहल पदाधिकारी विनोद चंद्र झा,बसंती सेठी, उमा सेठी, इंद्रजीत सेठी, राजेश सेठी, विजय प्रताप सिंह, और सुजीत कुमार सिंह शामिल है. यह कार्रवाई एसीबी के थाना प्रभारी सौरभ लकड़ा की शिकायत पर की गई है. एसीबी ने इस मामले की प्राथमिक जांच (प्रीलिमिनरी इंक्वायरी) पहले ही कर ली थी, जिसमें चौंकाने वाले तथ्य सामने आए थे.

1948 में ट्रस्ट को 30 साल के लिए लीज पर दी गई थी जमीन

हजारीबाग की लगभग 2.75 एकड़ खासमहल की जमीन 1948 में एक ट्रस्ट को 30 साल के लिए लीज पर दी गई थी.इस लीज को 1978 में 2008 तक के लिए नवीनीकृत किया गया था. एसीबी की जांच में पाया गया कि 2008 से 2010 के बीच एक साजिश के तहत इस जमीन को सरकारी बताकर 23 निजी व्यक्तियों को आवंटित कर दिया गया. जांच से पता चला कि लीज के नवीनीकरण के दौरान तत्कालीन खासमहल पदाधिकारी विनोद चंद्र झा ने जानबूझकर 'ट्रस्ट सेवायत' शब्द को हटा दिया था.ऐसा इसलिए किया गया ताकि जमीन को सरकारी दिखाया जा सके और अवैध रूप से उसका हस्तांतरण किया जा सके. नियमानुसार, ट्रस्ट की जमीन किसी और को हस्तांतरित नहीं की जा सकती थी, फिर भी ऐसा किया गया.

हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना

इस मामले में झारखंड उच्च न्यायालय का एक स्पष्ट आदेश था, जिसकी जानबूझकर अनदेखी की गई. CWJC-4200/2000 में 26 जुलाई 2005 को उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि हीरालाल सेठी और पन्नालाल सेठी अथवा उनके उत्तराधिकारी ट्रस्ट की भूमि को किसी अन्य को हस्तांतरित नहीं कर सकते. इसके बावजूद इस आदेश को नजरअंदाज करते हुए राजस्व विभाग के आदेश संख्या 1346/रा० (15 मई 2010) और डीसी के आदेश (संख्या 529/14 सितंबर 2010) के माध्यम से इस भूमि को 23 व्यक्तियों को आवंटित कर दिया गया. वर्तमान में इस भूमि पर बहुमंजिले व्यावसायिक भवन खड़े हैं, जो अवैध हस्तांतरण का परिणाम हैं.

जमीन पर खड़ी हैं बहुमंजिली इमारतें

वर्तमान में इस जमीन पर अब बहुमंजिली इमारतें खड़ी हैं. एसीबी को यह भी पता चला कि निजी लाभ के लिए ट्रस्ट की जमीन बेचने के लिए जाली दस्तावेज़ों का इस्तेमाल किया गया था. एसीबी ने अपनी जांच रिपोर्ट मंत्रिमंडल निगरानी विभाग के माध्यम से सरकार को भेजी थी और प्राथमिकी दर्ज करने की अनुमति मांगी थी. सरकार से अनुमति मिलने के बाद अब एसीबी ने केस दर्ज कर लिया है और इस मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है.

महिला एवं बाल विकास सचिव ने वृद्धाश्रम व चाइल्ड लाइन का किया निरीक्षण

धनबाद(ईएमएस)।महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार शनिवार को धनबाद पहुंचे।सचिव ने सबसे पहले वन स्टॉप सेंटर व चाइल्ड लाइन का दौरा किया।वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली और कर्मियों को सेवा की गुणवत्ता और बेहतर करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने दिव्यांगों के लिए संचालित पहला कदम विद्यालय का निरीक्षण किया। वहां शिक्षकों व बच्चों से मुलाकात कर मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।सचिव ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विभाग द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ बच्चों को समय पर दिलाएं।विद्यालय के बच्चों ने सचिव को राखी बांधी।इसके बाद सचिव सबलपुर स्थित वृद्धाश्रम पहुंचे।यहां उन्हें जानकारी मिली कि कई वृद्धजनों का आधार कार्ड नहीं बना है। उन्होंने तत्काल कैंप लगाकर सभी का आधार कार्ड बनाने का निर्देश दिया। ताकि उन्हें समय पर पेंशन और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।इसके बाद उन्होंने बालिका गृह और हॉफवे गृह का भी निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री से ताजियत करने नेमरा पहुंचे रांची के उलेमा, बुद्धिजीवी

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आज रांची के उलेमा, बुद्धिजीवी, समाजसेवी और आंदोलनकारियों का एक प्रतिनिधि मंडल नेमरा पहुंचा और मुख्यमंत्री से मिला। सभी ने एक स्वर में कहा कि गुरु जी शीबू सोरेन के निधन से पूरा झारखंड शोक में है। मुस्लिम समाज इस दुख कि घड़ी में आपके साथ खड़ा है। गुरु जी केवल आपके पिता नहीं थे बल्कि पूरे झारखंड राज्य के पिता थे। हम सब आपको दूसरा गुरुजी देखना चाहते हैं। शिबू सोरेन ने न केवल आदिवासी समाज की हिफाजत और तरक्की के लिए जिंदगी भर जद्दोजहद की, बल्कि हर मजलूम और कमजोर तबके की आवाज़ को बुलंद करने में अहम किरदार अदा किया, जिसे भुलाया नहीं जा सकता है। प्रतिनिधिमंडल ने इस दुख कि घड़ी में उनके साथ पूरी हमदर्दी और इत्तेहाद का इज़हार किया। इस मौक़े पर ओलमा ने सांत्वना और हमदर्दी जाहिर करते हुए। कहा कि राज्य को विकास की ओर ले जाने में मुस्लिम अल्पसंख्यकों का योगदान हमेशा था और रहेगा। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी ज़ाहिर किया कि झारखंड का मुस्लिम समाज इस मुश्किल वक्त में हेमंत सोरेन और उनके परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि जिस तरह गुरु जी ने सांप्रदायिक शक्तियों का मुकाबला किया है और झारखंड राज्य में शांति और सौहार्द के माहौल को बनाए रखा, हम आशा करते हैं कि एक होनहार पुत्र कि शक्ल में अपने पिता गुरु जी की राजनीतिक विरासत को बरकरार रखेंगे। राज्य को उन सांप्रदायिक शक्तियों और ताकतों से बचाए रखेंगे जो राज्य के विकास में रुकावट बन सकते हैं। ज्ञात हो कि गत दिनों शाह रेसिडेंसी कलाल टोली कर्बला चौक में आयोजित गुरु जी के शोक सभा में लिए गए निर्णय के अनुसार आज एक विशाल प्रतिनिधिमंडल मौलाना डॉक्टर ओबैदुल्लाह कासमी और शाह उमैर के नेतृत्व में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिला और स्मृति सह सम्मान पत्र भेंट किया। मुख्यमंत्री से मिलने के बाद प्रतिनिधिमंडल मॉबलिंचिंग में मारे गए रामगढ़ निवासी आफताब अंसारी के घर भी ताजियत करने पहुंचा और फौरी तौर पर कुछ रुपए देकर उनकी सहायता की और दुख के इस घड़ी में हमदर्दी का इजहार किया। प्रतिनिधिमंडल में विशेष रूप से मौलाना डॉक्टर ओबैदुल्लाह कासमी, जमीयत उलेमा झारखंड के कोषाध्यक्ष शाह उमैर, क़ाज़ी उजैर, मौलाना अब्दुल कय्यूम, कारी अंसार, मौलाना अबुल कलाम, मौलाना अब्दुल जब्बार, मौलाना शफीक अलियावी, मौलाना रिजवान, कारी खुर्शीद, मौलाना नैयर इक़बाल, हाफिज ज़ुबैर, कारी अब्दुल हफीज, मौलाना अनिसुर रहमान, कारी मुजफ्फर, मुफ्ती नसीरुद्दीन, कारी जान मोहम्मद, नदीम खान, मो बब्बर, मो फैजी, डॉक्टर इलियास मजीद, मो जावेद, मो सादिक, खालिद खलील, मुनव्वर हुसैन, सलाउद्दीन उर्फ संजू, मोहम्मद शकील, जुबेर अहमद, शाहनवाज अब्बास, आफताब आलम, राजीव रंजन, शुमा कच्छप, अयान खालिद, तारिक मुजीबी, इम्तियाज, साजिद उमर, नौशाद, गुलजार, पत्रकार आदिल रशीद समेत कई गणमान्य लोग शामिल थे।

गगारी पहाड़ में लगा श्रावण पूर्णिमा पर मेला उमड़ा जनसैलाब, सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

ओरमांझी : ओरमांझी लगभग 5000 फीट की ऊँचाई पर स्थित गगारी पहाड़ पर पवित्र बाबा भोलेनाथ धाम भक्तों की आस्था का अद्वितीय केंद्र है।यह स्थान केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक महत्व से भी जुड़ा है, क्योंकि इसी गांव में स्वतंत्रता सेनानी जीतराम बेदिया की जन्मभूमि है।सालं भर यहाँ दूर-दूर से हजारों श्रद्धालु पहुँचकर भोलेनाथ को जल अर्पित करते हैं। मान्यता है कि जो भी भक्त शांत मन से यहाँ मनोकामना करता है, उसकी इच्छाएं अवश्य पूर्ण होती हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस पवित्र स्थल पर हजारों वर्षों से पूजा-पाठ की परंपरा चली आ रही है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक वातावरण श्रद्धालुओं को विशेष अनुभव कराता है। यहां पिछले एक महीने से मेला सा माहौल बना हुआ था बाबा भोलेनाथ धाम गगारी द्वारा श्रावण पूर्णिमा के पावन मौके पर मेला का आयोजन किया गया था जिससे आस पास और दुर दराज से हजारों की संख्या में लोग जुटे थे जो मंदिर में पूजा अर्चना के बाद मेला में सरीक हुए और मेला का आनंद उठाए,मेला व सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि द्वारा फीता काट कर किया मौके पर अतिथि के रूप में पुव विधायक रामकुमार पहान पुव उपप्रमुख जयगोविंद साहू विधायक प्रतिनिधि हरी मोहन महतो मुखिया धनराज बेदिया समुद्र पहान पुव सांसद प्रतिनिधि राजेश गुप्ता शंकर बेदिया विक्रांत तिवारी कामेश्वर बेदिया आदि उपस्थित थे.इसके सफल आयोजन में आयोजन समिति के अध्यक्ष धनेश्वर बेदिया उपाध्यक्ष संजय तिर्की सचिव पंकज बेदिया उपसचिव लक्ष्मण उरांव कोषाध्यक्ष राहुल महतो उपकोषाध्यक्ष संजय नायक मिडिया प्रभारी जितेन्द्र बेदिया रामरतन नायक संरक्षक धनराज बेदिया शिवदत्त नायक लालू बेदिया बालेश्वर उरांव साधो बृजलाल बेदिया उरांव गोवर्धन बेदिया लक्ष्मण गझु राजेंद्र बेदिया तारकेश्वर महतो महेंद्र नाथ महतो आदि समिति के सभी पदाधिकारी व सदस्य गण का योगदान रहा।

संक्षिप्त ख़बरें

रॉयल इनफील्ड के शोरूम का हुआ उद्घाटन

रांचीः बुलेट टू व्हीलर में सबसे बेहतरीन गाड़ियों में से एक है, और इसकी मांग पूरे देश भर में है रॉयल ईनफील्ड की गाड़ियों को देशभर में पसंद किया जाता है। झारखंड में भी रॉयल ईनफील्ड की गाड़ियों की मांग लगातार बढ़ रही है और इसके साथ ही इसके शोरूम भी लगातार बढ़ रहे हैं इसी के तहत झारखंड की राजधानी रांची में खन्ना मोटररोड ने टाटीसिलवे में रॉयल एनफील्ड के अपने तीसरे शोरूम का उद्घाटन किया। रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिलों के सभी वेरिएंट ग्राहकों के लिए उपलब्ध होंगे। ग्राहकों को आसान एक्सचेंज, मुफ़्त टेस्ट राइड, कम डाउनपेमेंट पर त्वरित फाइनेंस जैसे लाभ मिलेंगे। कैंटीन सेल्स और पुलिस बल के लिए विशेष छूट उपलब्ध होगी। उद्घाटन समारोह रॉयल एनफील्ड के क्षेत्रीय सेवा प्रबंधक द्वारा किया गया। उद्घाटन के समय रॉयल एनफील्ड की पूरी क्षेत्रीय टीम और खन्ना परिवार के सदस्य मौजूद थे।

रांची महानगर महिला मोर्चा द्वारा रक्षाबंधन त्यौहार को धूमधाम से मनाया गया

रांची : रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर स्वामी प्रणवानंद बिरसा मुंडा छात्रावास आर एस एस जोरा तलब इंद्रप्रस्थ कॉलोनी बारियातू में रह रहे बच्चों के बीच रांची महानगर महिला मोर्चा द्वारा रक्षाबंधन त्यौहार को धूमधाम से मनाया गया अध्यक्ष पायल सोनी ने बताया कि इस आश्रम में रह रहे बच्चे अपने परिवार से दूर है इसलिए इन्हें भी खुश होने का अधिकार है इस अवसर पर पायल सोनी द्वारा सभी बच्चों को रक्षा धागा बंद कर राखी का त्यौहार को धूमधाम से मनाया गया जिसमें शामिल बरियातू मंडल की महामंत्री लवली पाठक जी एवं छात्रावास के प्रचारक राज किशोर प्रसाद जी प्रीति सिंन्हा प्रकाश चंद्र सिंन्हा गणेश सिंह सरिता खाल को रश्मि कुमारी पीयूष टोप्पो पवन भगत शालिनी तिर्की अंजना खाल को परी तिरछी उड़ाओ पिंटू टोप्पो ममता कुमारी देवनारायण मरांडी रोशन उरांव राहुल तोपो धर्मेंद्र तोपू सहित सैकड़ो बच्चे उपस्थित हुए।

संस्कृति और परंपरा ही आदिवासियों की पहचान है : बंधु तिर्की

रांची/लातेहारः- लातेहार जिला मुख्यालय में आज विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष श्री बंधु तिर्की ने अपने संबोधन में आदिवासी समाज के गौरवशाली परंपराओं और अधिकारों की रक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह दिवस हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संजोने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का संकल्प दिलाता है। हमारी संस्कृति और परंपरा ही पूरे विश्व में पहचान है इसे हमें संयोज कर रखना है।इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मो० मोजीबुल्लाह, बिनोद उरांव, रंथु उरांव, मुनेश्वर उरांव, गुंजन उरांव, और सेलेसटीन कुजूर समेत हज़ारों की संख्या में लोग उपस्थिति थे ।

आदिवासी 22पड़हा सरना समिति ने धरती आबा बिरसा मुंडा व दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

ओरमांझीःओरमांझी प्रखंड क्षेत्र के प्रोजेक्ट+2 उच्च विद्यालय सदमा में शनिवार को आदिवासी 22पड़हा सरना समिति सदमा ओरमांझी कांके क्षेत्र के अध्यक्ष बाबूलाल महली के नृतेत्व में विश्व आदिवासी दिवस के शुभ अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा को माल्यार्पण और झारखंड के आदिवासी महानायक क्रांतिकारी दिशूम गुरु स्व० शिबू सोरेन का फोटो पर श्रद्धांजली अर्पित दिया गया.भगवान बिरसा मुंडा को उनकी वीरता और धरती जल जंगल झाड़, आदिवासी मूलवासी समुदाय के प्रति उनके बहुत योगदान रहा व दिशूम गुरु महानायक क्रांतिकारी आदिवासी नेता अपना आदिवासी समुदाय के प्रति समर्पण था.बाबूलाल महली ने कहा की कार्यक्रम के उद्देश्य आदिवासी समुदाय की संस्कृति और परंपरा को संरक्षितऔर बढ़ावा देना आदिवासी समुदाय के अधिकारों और हितों की रक्षा करना श्रद्धांजलि देने से आदिवासी समुदाय की एकता और अखंडता को बढ़ावा मिलेगा हमें उम्मीद है की इस कार्यक्रम से आदिवासी समुदाय के विकास और उत्थान के लिए नए अवसर पैदा होंगे.इस आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से संरक्षक रमेश चंद्र उरांव, हरिलाल मुंडा, बिगु उरांव,मुखिया सीमा तिर्की,सचिव रमेश उरांव,कोषाध्यक्ष धनेश्वर मुंडा, सह सचिव सुकरा उरांव, रवि मुंडा, दिनेश उरांव,भगत उरांव,भोला उरांव,सोनी देवी, पचु मुंडा, सोमरा उरांव,सनू मुंडा, सुरेश करमाली, शिबू उरांव,सहित अनेकों लोग मौजूद थे।

मंत्री रामविचार नेताम ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से दिल्ली में की मुलाकात

ऑपरेशन "सिंदूर" की सफलता की दी बधाई

रायपुर (ईएमएस)।/ छत्तीसगढ़ के किसान कल्याण एवं आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम अपने दिल्ली प्रवास के दौरान आज केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। मंत्री श्री नेताम ने इस मौके पर केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह को ऑपरेशन "सिंदूर" की सफलता के लिए बधाई दी।उन्होंने केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में चलाए जा रहे नक्सल अभियान के संबंध में भी चर्चा की। मंत्री श्री नेताम ने राज्य सरकार द्वारा नियद नेल्लानार अभियान के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जनजातियों के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। मंत्री श्री नेताम ने बताया कि पीएम जनमन योजना, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, नियद नेल्लानार योजना के तहत आदिवासी परिवारों और उनकी बसाहटों को शत-प्रतिशत संतृप्त किया जा रहा है।केन्द्र और राज्य प्रवर्तित योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में चर्चा करते हुए मंत्री श्री नेताम ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ के किसानों, गरीबों और मजदूरों सहित सभी वर्गों के विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए वायदों को पूरा कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में सभी वर्ग के लोग खुशहाल हैं। उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय कृषक उन्नति योजना, महतारी वंदन योजना सहित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं के छत्तीसगढ़ में हो रहे बेहतर क्रियान्वयन के संबंध में भी जानकारी दी।

स्वतंत्रता दिवस पर्व के उपलक्ष्य में नपा ने शुरू किया विशेष स्वच्छता अभियान

नपा जनप्रतिनिधियों ने वार्ड क्रमांक 01 से अभियान का किया शुभारंभ

सिरोंज (ईएमएस)। हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान को लेकर स्थानीय नगर पालिका परिषद द्वारा नगर के सभी वार्डो में स्वच्छता बनाने के लिए विशेष स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया गया। वार्ड क्रमांक 01 से शुरू हुए इस अभियान का शुभारंभ नपाध्यक्ष मनमोहन साहू ने परिषद के सदस्यों के साथ मिलकर किया। कार्यक्रम उपरांत मौके पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, स्वच्छता मित्रो एवं नागरिकों ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा एवं हर घर पर तिरंगा लगाने का आव्हान करते हुए सुभाष नगर में एक जागरूकता रैली भी निकाली।स्वतंत्रता के उत्सव को स्वच्छता के साथ मनाने के राज्य शासन के निर्देश पर स्थानीय नपाध्यक्ष मनमोहन साहू के नेतृत्व में शनिवार से स्वच्छता का अभियान प्रारंभ किया गया। पंद्रह अगस्त तक चलने वाले इस अभियान में नगर के सभी वार्डों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता हरीबाबू भार्गव ने हाल ही में भारतीय सेना द्वारा पाक सेना के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना के मान एवं उनका उत्साह वर्धन करने के लिए हर घर पर तिरंगा लगाने का आव्हान शहरवासियों से किया। नपाउपाध्यक्ष मनोज साईनाथ ने कहा कि विधायक उमाकांत शर्मा सहित हम सभी जनप्रतिनिधियों की मंशा हे कि भले ही ज्यादा दिन लग जाए लेकिन यह स्वच्छता अभियान के औपचारिक न होकर धरातल पर रिजल्ट देने वाला साबित हो सके। कार्यक्रम को नपाध्यक्ष मनमोहन साहू,पार्षद हरिचरण अहिरवार,तोषमणि पंथी ने भी संबोधित किया। नपा के सीएमओ रामप्रकाश साहू ने आयोजित कार्यक्रम सहभागिता कर रहे नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हाल ही के स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान में नागरिकों के सहयोग से हमारी नगरपालिका ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है तथा संभाग एवं प्रदेश में भी सम्मानजनक स्थान मिला है लेकिन अगर शहरवासी पूरे मन से स्वच्छता के प्रति जागरूक होकर सकारात्मक सहयोग प्रदान करने लगें तो हमको पहले दस स्थान में आने से कोई नहीं रोक पाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपने घरों से निकलने वाले सुखी और गीले कचरे को अलग अलग सेपरेशन करके कचरा वाहन में डालने का भी आव्हान किया। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन सचिन शर्मा ने किया। इसके पूर्व मंचासीन अतिथियों द्वारा स्वच्छता अभियान का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन का किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता अधिकारी धीरज मैना, केशव राठौर,पवन शर्मा सहित वार्डो के दरोगा, स्वच्छता मित्र सहित स्थानीय रहवासी मौजूद रहे।

रैली निकालकर हर घर तिरंगा का किया आव्हान

सुभाष नगर स्थित चौक में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम के उपरांत उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों,नपा के अधिकारी कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिकों ने एक रैली भी निकाली। नगर पालिका प्रांगण पर स्थित अमर सेनानी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा तक निकली इस रैली में नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देश की सेना के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए अपने घरों पर तिरंगा झंडा लगाने का आव्हान किया गया। तथा आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा में भी सहभागिता करने की अपील की गई। इस अवसर पर रैली में शामिल सभी लोग अपने हाथों में तिरंगा झंडा भी थामे हुए थे।

आरजी कर अस्पताल की पीड़िता के माता-पिता पुलिस कार्रवाई में घायल

कोलकाता (ईएमएस)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल की पीड़िता के माता-पिता शनिवार सुबह पुलिस कार्रवाई में घायल हो गए। उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने अस्पताल में घायल दंपति से मुलाकात की। वहीं पीड़िता की मां ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल राज्य सचिवालय 'नबान्न तक मार्च में शामिल होने के लिए जाते समय महिला पुलिसकर्मियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। यह मार्च सरकारी अस्पताल में उनकी बेटी की कथित दुष्कर्म के बाद हत्या किए जाने की घटना के एक साल पूरे होने पर निकाला गया था।यह हमला कथित तौर पर उस समय हुआ जब कोलकाता पुलिस ने शहर के मध्य भाग में पार्क स्ट्रीट क्रॉसिंग पर भीड़ को तितर-बितर करने के लिए प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारी सचिवालय तक पहुंचने के लिए पुलिस बैरिकेड को तोड़ने और विद्यासागर सेतु की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे थे।

प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने राज्यपाल को बांधी राखी

देहरादून (ईएमएस)। रक्षाबंधन के पर्व पर आज राजभवन में प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) को रक्षा सूत्र बांधकर उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की मंगलकामनाएं दीं। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी बहनों का आभार व्यक्त करते हुए रक्षाबंधन को प्रेम, विश्वास और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक बताया। इस अवसर पर इसी क्रम में एसओएस चिल्ड्रन विलेज भीमताल, सेपियंस स्कूल विकासनगर तथा हिंदुस्तान स्काउट्स एवं गाइड की छात्राओं ने भी राज्यपाल को राखी बांधकर शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर राज्यपाल ने छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए अपना आशीर्वाद दिया। उन्होंने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे त्यौहार हमें अपने संबंधों की पवित्रता और समाज में एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देते हैं। राज्यपाल ने कहा कि यह पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते, अटूट स्नेह और विश्वास का प्रतीक है, जो पारिवारिक बंधनों को और मजबूत करता है। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा है कि समाज में प्रेम, सौहार्द और आपसी भाईचारे की भावना को गहरा बनाता है। इस अवसर पर प्रथम महिला गुरमीत कौर, वित्त नियंत्रक राज्यपाल डॉक्टर तृप्ति श्रीवास्तव एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बरडा क्षेत्र के स्थित टींबडी में राज्य स्तरीय मनाया जाएगा 'विश्व शेर दिवस'

केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव तथा गुजरात के वन एवं पर्यावरण मंत्री मुळुभाई बेरा उपस्थित रहेंगे

गांधीनगर (ईएमएस)| मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव तथा गुजरात के वन एवं पर्यावरण मंत्री मुळुभाई बेरा की विशेष उपस्थिति में 10 अगस्त 2025 रविवार को सुबह 10 बजे देवभूमि द्वारका की भाणवड तहसील के टींबडा में कपूरडी-घुमली रोड क्षेत्र में राज्य स्तरीय 'विश्व शेर दिवस' भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस अवसर पर राज्य के जल संसाधन मंत्री कुँवरजी बावळिया तथा वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेश पटेल अतिथि विशेष के रूप में उपस्थित रहेंगे। राज्य के वन विभाग द्वारा इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा गया है कि जंगल के राजा शेर के प्रति नागरिकों में अधिक से अधिक जागरूकता लाने तथा शेरों के उचित संवर्धन-संरक्षण के उम्दा उद्देश्य से गुजरात सहित विश्वभर में हर वर्ष 10 अगस्त को 'विश्व शेर दिवस' मनाया जाता है। समग्र देश में एकमात्र गुजरात में बसने वाले एशियाई शेर राज्य के आभूषण-गौरव समान हैं। एशियाई शेर देश में केवल सौराष्ट्र क्षेत्र के लगभग 11 जिलों में प्राकृतिक वातावरण में मुक्त रूप से विचरण करते हुए पाए जाते हैं। वन विभाग के उपक्रम से सौराष्ट्र के 11 जिलों जूनागढ, गीर सोमनाथ, भावनगर, राजकोट, मोरबी, सुरेन्द्रनगर, देवभूमि द्वारका, जामनगर, अमरेली, पोरबंदर तथा बोटाद में 'विश्व शेर दिवस' मनाया जाएगा।मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में तथा वन एवं पर्यावरण मंत्री मुळुभाई बेरा व वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेशपटेल के निरंतर मार्गदर्शन में वन विभाग द्वारा गुजरात में शेरों के संरक्षण-संवर्धन के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। 'विश्व शेर दिवस' वर्ष मनाने की शुरुआत 2013 से हुई है। गुजरात में मनाए गए 'विश्व शेर दिवस' उत्सव को वर्ष 2016 में वर्ल्ड रिकॉर्ड इंडिया, वर्ष 2017 में इंडिया बुक ऑफ रिकॉड्स व एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, वर्ष 2019 में वर्ल्ड बुक ऑफ इंडिया एवं वर्ष 2022 में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में स्थान मिला है। 'बरडो' (बरडा) के रूप में जाना जाने वाला 'बरडा वन्यजीव अभयारण्य' गुजरात के पोरबंदर तथा देवभूमि द्वारका जिलों में स्थित अति महत्वपूर्ण जैव विविधता वाले प्रदेशों में एक है। वर्ष 1979 में अभयारण्य के रूप में घोषित हुआ बरडा अतीत में पोरबंदर तथा जामनगर राजवंशों का शिकार क्षेत्र था। आज यह एशियाटिक शेरों के संरक्षण के लिए विकसित किए गए व्यापक दृष्टिकोण वाला महत्वपूर्ण आवास बन गया है। बरडा क्षेत्र शेरों के द्वितीय निवास स्थान के रूप में पहचान हासिल कर रहा है। इस बरडा अभयारण्य का कुल क्षेत्र 192.31 वर्ग किलोमीटर है। वर्ष 1879 के बाद वर्ष 2023 में एशियाटिक शेरों में से एक वयस्क नर प्राकृतिक रूप से इस क्षेत्र में आकर स्थायी हुआ। तब से आज इस क्षेत्र में शेरों की आबादी 6 वयस्क तथा 11 शावक सहित कुल 18 दर्ज हुई है।इस क्षेत्र में जंगल सफारी शुरू करने के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। मार्च 2025 तक 2271 पर्यटकों ने इस सुविधा का लाभ लिया है। राज्य सरकार द्वारा देवळिया तथा आंबरडी के अलावा बरडा क्षेत्र में कुल 248 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है, जहाँ लगभग 60 करोड़ की लागत से सफारी सुविधा स्थापित करने का आयोजन किया गया है। साथ ही, बरडा क्षेत्र में इको टूरिज्म के विकास के लिए 10 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। मई 2025 के दौरान राज्य में हुई शेर गणना के अनुमान के अनुसार शेरों की कुल आबादी वर्ष 2020 की तुलना में 32 प्रतिशत बढ़ी है। यानी शेरों की संख्या 674 से बढ़कर 891 दर्ज हुई है। पर्यटन की दृष्टि से देखें, तो वर्ष 2007-08 से 2024-25 तक गीर अभयारण्य, देवळिया तथा आंबरडी आए 9.61 लाख से अधिक पर्यटकों को एशियाटिक शेरों को नजदीक से निहारने का अवसर मिला है। इतना ही नहीं, राज्य में कुल 11 जिलों में लगभग 35000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में शेरों की उपस्थिति दर्ज हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगस्त 2020 में 74वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से शेरों के दीर्घकालीन संरक्षण के लिए कार्य करने का संकल्प तथा प्रतिबद्धता दर्शाकर देश में एशियाटिक शेरों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए 'प्रोजेक्ट लायन' की घोषणा की थी। भारत सरकार के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 10 वर्ष के लिए कुल लगभग 2927.71 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट मंजूर किया गया है।यहाँ उल्लेखनीय है कि गीर का जंगल भव्य एशियाई शेरों के एक मात्र घर के रूप में विख्यात है। गीर वन्यजीव अभयारण्य की स्थापना 1965 में की गई थी। इसके बाद 1975 में गीर राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना की गई। गीर राष्ट्रीय उद्यान का क्षेत्र 258.71 वर्ग किलोमीटर है, जबकि गीर वन्यजीव अभयारण्य 1151.59 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। गीर जंगल में गीर राष्ट्रीय उद्यान, गीर वन्यजीव अभयारण्य, पाणिया वन्यजीव अभयारण्य, मितियाळा वन्यजीव अभयारण्य तथा तीन जिलों जूनागढ, गीर सोमनाथ तथा अमरेली तक फैला क्षेत्र शामिल हैं। गीर जंगल का अनूठा एवं विविधतापूर्ण इकोसिस्टम 631 दर्ज प्रजातियों के साथ वनस्पतियों की अति समृद्ध विविधता से युक्त है। प्राणीसृष्टि की विविधता में सस्तन प्राणियों की 41 प्रजातियाँ, पक्षियों की 338 प्रजातियाँ, सरिसृप वर्ग की 47 प्रजातियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, केन्द्र सरकार द्वारा वन्यप्राणी स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय स्तर के 'नेशनल रेफरल सेंटर' का प्रोजेक्ट मंजूर किया गया है। इस प्रोजेक्ट के लिए राज्य सरकार द्वारा नवा पीपळिया में 20.24 हेक्टेयर भूमि भी आवंटित की गई है, जिसका कार्य हाल में प्रगति पर है। सासण में गीर क्षेत्र के वन्यप्राणियों की मॉनिटरिंग के लिए एक हाईटेक मॉनिटरिंग केन्द्र तथा वेटरनरी अस्पताल बनाया गया है।

जेल में मनाया रक्षाबंधन का पर्व नम आंखों से बहनों ने भाई को बांधी राखी, रिहाई की कामना की

अशोकनगर (ईएमएस)। शनिवार को देश भर में भाई-बहन का पवित्र पर्व रक्षाबंधन उत्साह के साथ मनाया गया। वहीं, जिला जेल में रक्षाबंधन पर भावुक नजारा देखने को मिला। यहां कैदियों और विचाराधीन बंदियों से मिलने पहुंची उनकी बहनों ने नम आंखों से अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनके जल्द रिहा होने की कामना की।रक्षाबंधन पर सुबह से ही जिला जेल के बाहर बहनों की भीड़ दिखी, जो हाथों में राखी, मिठाई और उम्मीदें लेकर अपने भाइयों से मिलने आई थीं। कई बहनें महीनों बाद अपने भाई से मिलने का मौका पाकर भावुक हो गईं। राखी बांधते समय कई की आंखें छलक पड़ीं। किसी ने भाई को गले लगाकर आशीर्वाद दिया, तो किसी ने चुपचाप उसकी कलाई थामी और भगवान से उसकी रिहाई की प्रार्थना की। जेल प्रशासन ने इस अवसर पर विशेष मुलाकात की व्यवस्था की। सामान्य दिनों में जहां कैदियों से मिलने के लिए सख्त नियम और समय-सीमा होती है, वहीं रक्षाबंधन के दिन बहनों को खुली छूट दी गई कि वे बिना किसी जल्दबाजी के अपने भाइयों से मिल सकें। जिला जेल अधीक्षक के अनुसार, रक्षाबंधन भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक है और यह भावनाओं को जोड़ने वाला त्योहार है। हमने कोशिश की कि कैदियों को भी इस दिन परिवार का स्नेह महसूस हो सके। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन सतर्क रहा। जेल परिसर और मुख्य द्वार पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। मुलाकात के दौरान जेलकर्मियों की पैनी नजर रही, ताकि भीड़ के बावजूद किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

पीने के पानी में तैरती मिली चप्पल

रक्षाबंधन को जिला जेल में बंद अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने पहुंची जिले और अन्य जिलों की महिलाओं को उस समय अचंबा हुआ जब जेल में पीने के पानी के लिए मांगे गए टैंकर में चप्पल तैरती नजर आई। दरअसल, रक्षाबंधन के त्यौहार में जेल में बंद कैदियों को राखी बांधने के लिए उनके परिवार की महिलाएं बहाने पहुंचती हैं और राखी बांधते हैं।

HOMI BHABHA CENTRE FOR SCIENCE EDUCATION
TATA INSTITUTE OF FUNDAMENTAL RESEARCH
National Olympiad Programme 2025-2026
in Astronomy, Biology, Chemistry, Physics, Junior science

All students wishing to participate in the programme must appear in corresponding **National Standard examinations (NSEs)** (for science subjects) on **November 22 and 23, 2025,** conducted by **the Indian Association of Physics Teachers (IAPT)**.

Qualification in NSE is the first step towards participation in the corresponding **International Olympiads of 2026**.

To enroll :
NSEs: https://www.iapt.org.in (Aug 21 - Sep 14, 2025)
For more details : https://olympiads.hbcse.tifr.res.in
https://www.iapt.org.in

cbc 48143/12/0005/2526

धराली त्रासदी में लापता हुए पिता-पुत्रों का पुतला बनाकर किया अंतिम संस्कार

बेतिया : रक्षाबंधन के दिन जहां सुबह-सुबह घरों में पूजा की थाल सजती है, बहनें भाइयों के माथे पर तिलक लगाती हैं, रसोई से मिठाइयों की खुशबू फैलती है लेकिन इस बार पुरुषोत्तमपुर में न मिठास थी, न हंसी, बस आंसू और सन्नाटे की आवाज। उत्तराखंड के धराली में बादल फटने के बाद लापता हुए 55 वर्षीय देवराज शर्मा और उनके बेटे अनिल कुमार (20) व सुशील शर्मा (18) की कोई खबर पांच दिन तक नहीं मिली। इंतजार लंबा होता गया, उम्मीद की डोर पतली पड़ती गई और आखिरकार परिवार ने टूटे दिल से मान लिया कि वे अब कभी लौटकर नहीं आएंगे। शनिवार को गांव के लोगों ने पुतला बनाकर उनका अंतिम संस्कार किया। देवराज की पत्नी, लक्ष्मीना देवी का दुख शब्दों में बयान करना मुश्किल है। रक्षाबंधन के दिन जब हर बहन अपने भाई को राखी बांध रही थी, लक्ष्मीना देवी अपने पति और बेटों की तस्वीरें सीने से लगाए बार-बार बेहोश हो रही थीं। पास में डॉक्टर इलाज के लिए बैठे थे लेकिन उनकी आंखों का दर्द किसी दवा से कम नहीं हो सकता था। परिवार के सदस्य सुनील शर्मा ने धराली जाकर वहां की स्थिति देखी तो उनकी आंखें भर आईं। उन्होंने बताया कि हमारे पिता और दोनों भाई उत्तराखंड में 11 लोगों के साथ एक घर में रह रहे थे। उस दिन मेरे मामा श्याम शर्मा और मेरे ममेरा भाई आनंद कुमार बाहर काम से गए थे, बाकी नौ लोग घर के अंदर थे। अचानक पहाड़ से काले बादल उतरे और फिर मूसलधार पानी व मलबा आया, जिसने पूरी बस्ती बहा दी। जो बाहर थे उन्होंने अपनी आंखों से देखा कि कैसे पलक झपकते ही मकान पानी में समा गया।पुरुषोत्तमपुर गांव में अब न त्योहार का माहौल है, न कोई उत्साह। गलियां सूनसान हैं, चूल्हे ठंडे पड़े हैं। हर घर का दरवाजा आधा खुला है, मानो कोई परिचित आवाज दे और लापता लोग लौट आएं लेकिन हकीकत यह है कि अब वे सिर्फ यादों में लौटेंगे, भारी और दर्द से भरी यादों में। गांव के एक बुजुर्ग रविन्द्र बाबा ने आंसू पोंछते हुए कहा कि राखी के दिन पहली बार देखा कि एक साथ पिता और दो बेटों की आरती उठी, ये हादसा गांव कभी नहीं भूल पाएगा।

पटना में भतीजे ने चाचा को मारी गोली, हालत गंभीर

पटना : पटना में भतीजे ने अपने ही चाचा को गोली मार दी। चाचा की हालत गंभीर है। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। यहां से उन्हें पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। घटना मनेर थाना क्षेत्र के दोस्त नगर की है। बताया जा रहा है कि शराब बेचने का विरोध करने पर भतीजे ने इस वारदात को अंजाम दिया। इधर, गोली चलने के बाद गांव में सनसनी फैल गई। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस मामले में प्राथमिक की दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न ठिकाना पर छापेमारी के लिए जुटी हुई है। गोलीबारी की घटना को लेकर गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। बताया जाता है कि शेरपुर पश्चिमी पंचायत के दोस्त नगर गांव में शराब कारोबार को लेकर अपने ही भतीजा का हुकुम राय काफी दिनों से विरोध कर रहे थे। जिसे लेकर चाचा और भतीजा के बीच विवाद चल रहा था। जिसे लेकर कई बार भतीजे ने अपने चाचा को अंजाम बुरा होने की धमकी दी थी। इसे लेकर चाचा ने फिर एक बार भतीजे के द्वारा गांव में बेची जा रहे हैं शराब का विरोध कर डाला। जिसे लेकर भतीजा काफी आग बबूला हो गया और ताबड़तोड़ गोलीबारी करना शुरू कर दी। गोलीबारी की घटना को लेकर गांव में पूरी तरह से दहशत का माहौल कायम हो गया। उसके बाद भतीजे ने चाचा के ऊपर गोली चला दी। गोली लगने से हुकुम राय गंभीर रूप से घायल हो गये। गोली लगने की घटना के बाद परिवार वालों ने किसी तरह हुकुम राय को मनेर के अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। वहीं पुलिस ने आरोपी रंगीला राय, गुड्डू राय समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं घायल हुकुम राय की हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया है। इधर, पुलिस आरोपियों गिरफ्तारी के लिए दोस्त नगर गांव में पहुंचकर छापेमारी में जुटी रही। इस मामले में एडिशनल थाना अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि घायल व्यक्ति के बयान पर मामला दर्ज करते हुए आरोपियों गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

मतदाता प्रारूप प्रकाशन के 9 दिन बाद भी किसी दल ने नहीं कराई आपत्ति दर्ज

पटना,(ईएमएस)। बिहार मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के 9 दिन हो चुके हैं। चुनाव आयोग ने शनिवार को दावा किया कि अब तक किसी भी राजनीतिक दल ने इसको लेकर कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई है। बिहार मतदाता सूची के प्रारूप को 1 अगस्त को जारी किया गया था। चुनाव आयोग बार-बार कह रहा है कि बिहार की अंतिम मतदाता सूची में कोई भी योग्य मतदाता छूटने ना पाए और कोई भी अयोग्य मतदाता जुड़ने न पाए।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 1 अगस्त को जारी की गई बिहार की प्रारूप मतदाता सूची में कोई भी त्रुटि दूर करने के लिए अपने दावे और आपत्ति दर्ज करें। हालांकि, अभी तक किसी भी राजनीतिक दल ने एक भी दावा या आपत्ति दर्ज नहीं कराई है। विपक्ष लगातार एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रहा है। बड़ी संख्या में लोगों को मतदाता सूची से बाहर करके उनके अधिकार छीनने का आरोप लगा रहा है, लेकिन मसौदा मतदाता सूची में नाम हटाने या सुधारों को लेकर किसी भी राजनीतिक दल के बीएलए ने आपत्ति दर्ज नहीं कराई है।बता दें चुनाव आयोग ने बूथ-वार मसौदा मतदाता सूची 1 अगस्त को प्रकाशित की थी, जो सभी राजनीतिक दलों के साथ साझा भी की गई। चुनाव आयोग ने बातया कि कि बिहार के सभी 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों ने भी अपने बीएलए की संख्या 1,38,680 से बढ़ाकर 1,60,813 कर दी है। बिहार लंबी कतारों से बचने के लिए प्रति बूथ मतदाताओं की संख्या 1200 तक सीमित करने वाला पहला राज्य बन गया है। मतदान केंद्रों की संख्या 77,895 से बढ़ाकर 90,712 कर दी गई है। इसी तरह बीएलओ की संख्या भी 77,895 से बढ़ाकर 90,712 कर दी गई। बिहार के मतदाताओं की सहायता के लिए स्वयंसेवकों की संख्या भी 1 लाख की जा रही है।

नीतीश पर चिराग के बयान से नाखुश बीजेपी, बंद कमरे में होगी बैठक

पटना,(ईएमएस)। बिहार में विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे से पहले एनडीए (एनडीए) गठबंधन में तनाव बढ़ गया है। बीजेपी, एलजेपी (एलजेपी) प्रमुख चिराग पासवान के हाल ही में दिए गए बयानों से नाराज़ है, जिसमें उन्होंने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर नीतीश कुमार सरकार की आलोचना की थी। बीजेपी का मानना है कि चिराग के ये बयान गठबंधन की एकजुटता को नुकसान पहुंचा रहे हैं और महागठबंधन के खिलाफ लड़ाई को कमजोर कर रहे हैं। इस लेकर बीजेपी के सीनियर नेता सक्रिय मोड में आ चुके है। बीजेपी जल्द ही चिराग पासवान के साथ एक बंद कमरे में मीटिंग करेगी। इस मीटिंग में उन्हें यह साफ़ संदेश दिया जाएगा कि गठबंधन की एकता बनाए रखें और नीतीश कुमार ही एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। इतना ही नहीं बीजेपी बार-बार यह दोहरा चुकी है कि बिहार में एनडीए का चेहरा नीतीश कुमार हैं, और चुनाव उन्हीं के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।बात दें कि चिराग पासवान का यह रवैया नया नहीं है, वह पहले भी कड़े तेवर दिखा चुके हैं। बीजेपी ने पहले भी उन्हें संयम बरतने की सलाह दी थी। एनडीए ने सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी की है। सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला चुनाव की तारीखें घोषित होने के बाद फाइनल होगा। कुछ लोगों का मानना है कि चिराग नीतीश की आलोचना करके पासवान वोटों को एकजुट रखने की कोशिश कर रहे हैं। राम विलास पासवान के समय से ही एलजेपी और जेडीयू के बीच रिश्ते सहज नहीं रहे हैं।

मोकामा गोलीकांड का आरोपी जैसे ही ट्रेन से उतरा एसटीएफ ने दबोचा

पटना,(ईएमएस)। बिहार के पटना जिले के चर्चित मोकामा गोलीकांड में पुलिस और एसटीएफ को बड़ी सफलता मिली है। गोलीकांड के 198 दिन बाद बेगूसराय जिले के बरौनी रेलवे स्टेशन से आरोपी मोनू सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दें मोकामा के नौरंगा-जलालपुर गांव में 22 जनवरी 2025 को पूर्व विधायक बाहुबली अनंत सिंह की सोनू-मोनू गैंग से भिड़ंत हो गई थी। दोनों गुटों की ओर से 70 राउंड से ज्यादा राउंड फायरिक की गई थी। गैंगवार के बाद से मोनू फरार हो गया था।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एसटीएफ को गैंगस्टर मोनू सिंह के ट्रेन से बरौनी आने की सूचना मिली थी। इसके बाद पटना एसटीएफ की टीम शुक्रवार को बरौनी पहुंची। स्थानीय पुलिस के सहयोग से पूरे स्टेशन को घेर लिया गया। देर रात जैसे ही वह कामाख्या एक्सप्रेस से स्टेशन पर उतरा, एसटीएफ और पुलिस ने उसे वहीं दबोच लिया। बताया जा रहा है कि मोनू सिंह को एसटीएफ पटना लेकर गई है। उससे मोकामा गोलीकांड को लेकर पूछताछ की जा रही है। उसके खिलाफ पटना जिले के पचमहला समेत अन्य थानों में हत्या, रंगदारी और गोलीबारी के कई मामले दर्ज हैं।बता दें मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह ने जनवरी 2025 में हुए गोलीकांड के दो दिन बाद ही पटना जिले के बाढ़ कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। इसके बाद उन्हें पटना के बेऊर जेल भेज दिया गया था। उन्हें हाल ही में हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है।

पूर्णिया के रेड लाइट एरिया में छापेमारी पांच महिलाएं और 9 ग्राहक हिरासत में

पूर्णिया : जिले के हरदा बाजार स्थित रेड लाइट एरिया में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। सवेरा एनजीओ की सूचना पर की गई इस कार्रवाई में देह व्यापार से जुड़ी पांच महिलाओं और नौ ग्राहकों को हिरासत में लिया गया, जबकि दो नाबालिग लड़कियों को रेस्क्यू किया गया है। बरामद नाबालिगों में एक मुजफ्फरपुर जिले की भी है। पुलिस को सूचना मिली थी कि देह व्यापार के लिए बाहर से लड़कियों को लाया जा रहा है। इसके बाद एसपी स्वीटी सहरावत के निर्देश पर ट्रैफिक डीएसपी सह प्रभारी सदर एसडीपीओ कौशल किशोर कमल के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम में मरंगा थानाध्यक्ष रूपक रंजन सिंह, महिला थाना पुलिसकर्मी और सादे लिबास में अन्य जवान शामिल थे। पुलिस टीम और सवेरा एनजीओ के सदस्य अचानक हरदा बाजार पहुंचे और कई घरों में छापेमारी की। पुलिस के पहुंचते ही कई लोग भागने लगे, लेकिन खदेड़कर कई लोगों को पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई।

रक्षाबंधन पर तेजस्वी की चिट्ठी, बहनों से अपील कर मांगा वोट का रक्षा सूत्र!

पटना, (ईएमएस)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने रक्षाबंधन पर बिहार की बहनों को चिट्ठी लिखकर शुभकामनाएं दीं और अपने लिए राजनीतिक समर्थन मांगा। रक्षाबंधन के मौके पर बिहार की बहनों को एक मार्मिक चिट्ठी लिखी। एक्स और फेसबुक पर साझा इस पत्र में उन्होंने रक्षाबंधन की शुभकामनाओं के साथ-साथ एक विशेष राजनीतिक अपील की। राजद नेता ने बिहार में 'माई-बहन योजना', मुफ्त बिजली और सस्ता गैस सिलेंडर जैसी योजनाओं का वादा किया। तेजस्वी यादव ने लिखा, मेरी प्रिय बिहार की बहनों, आज अपने भाइयों को राखी बांधने के बाद एक राखी अपने इस भाई तेजस्वी के नाम की भी बांधें। राजनीति के जानकार रक्षाबंधन के मौके पर उनके इस संदेश उनकी विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति का हिस्सा मान रहे हैं।तेजस्वी यादव ने चिट्ठी में बिहार की महिलाओं के लिए कई योजनाओं का वादा किया। इनमें 'बेटी प्रोग्राम' शामिल है जो जन्म से रोजगार तक संपूर्ण देखभाल का वादा करता है। इसके अलावा, 'माई-बहन मान योजना' के तहत महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये, विधवा और बुजुर्ग महिलाओं के लिए 1500 रुपये पेंशन, 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर, 200 यूनिट मुफ्त बिजली और बेटियों के लिए उच्च स्तरीय कोचिंग संस्थान जैसी योजनाएं शामिल हैं। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि ये योजनाएं बिहार की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएंगी। तेजस्वी यादव ने लिखा, मेरी प्रिय बिहार की बहनों, सबसे पहले आपको रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं। मैं आपका भाई होते हुए आपसे आग्रह करता हूं कि आज अपने भाइयों को राखी बांधने के बाद एक राखी अपने इस भाई तेजस्वी के नाम की भी बांधें। भले मैं हर घर नहीं आ सकता, लेकिन हर बहन की खुशहाली और सुरक्षा के लिए नीतियां बना रहा हूं।तेजस्वी ने अंत में बहनों से अपील की कि वे "ढोंगियों के वादों" में न आएं और महागठबंधन को विजयी बनाकर एक सकारात्मक, विकासशील और महिला-केंद्रित सरकार लाने में साथ दें। तेजस्वी यादव के अनुसार, बहनों का आशीर्वाद ही उन्हें बिहार को नंबर वन बनाने का बल देता है।तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार की अगुवाई वाली एनडीए सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 20 वर्षों में सरकार ने विकास के नाम पर सिर्फ वादे किए, लेकिन जनता को गुमराह किया गया। उन्होंने अपनी 17 महीने की सरकार का हवाला देते हुए कहा कि इस दौरान लाखों नौकरियां दी गईं और असंभव को संभव कर दिखाया। तेजस्वी ने यह भी दावा किया कि सत्ता में आने पर 70 हजार करोड़ के कथित घोटाले का हिसाब लिया जाएगा और यह राशि बहनों को 'रक्षाबंधन के शगुन' के रूप में दी जाएगी।

रक्षाबंधन के दिन भाई की मौत, दुर्गावती नदी में डूबे युवक का तीसरे दिन मिला शव

कैमूर : कैमूर जिले के रामपुर प्रखंड के सबार गांव में रक्षाबंधन के दिन दुर्गावती नदी में डूबे युवक का शव तीसरे दिन, करीब 39 घंटे की तलाश के बाद बरामद किया गया। शव मिलने की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम की तैयारी शुरू की। सूचना मिलते ही भभुआ विधानसभा के भाजपा विधायक भरत बिन्द सदर अस्पताल पहुंचे और परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। मीडिया से बातचीत में विधायक ने घटना को बेहद दुखद बताया और कहा कि मृतक के परिजनों को आपदा राहत कोष की राशि जल्द उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। मृतक की पहचान सबार गांव निवासी नथुनी शर्मा के 24 वर्षीय पुत्र कृष्णा शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भभुआ सदर अस्पताल भेजा गया है। शव मिलने के बाद गांव में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जेल में भाइयों को राखी बांधकर भावुक हुईं बहनें सलामती और जल्द रिहाई की दुआ मांगी

मुजफ्फरपुर : रक्षाबंधन के मौके पर आज मुजफ्फरपुर के अमर शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारागृह में भावुक नजारे देखने को मिले। सजायाफ्ता और विचाराधीन कैदियों की कलाई पर बहनों ने राखी बांधी, माथे पर तिलक लगाया और मिठाई खिलाकर अपने भाइयों की लंबी उम्र, सलामती और जल्द रिहाई की दुआ मांगी। कोरोना काल के बाद पहली बार बहनों को जेल में आकर अपने भाइयों से मिलने का अवसर मिला। सुबह से ही जिले के विभिन्न इलाकों से आई बहनें जेल के बाहर कतार में खड़ी होकर अपने क्रम का इंतजार करती रहीं। जैसे ही किसी बहन ने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधी, कई की आंखें भर आईं। भावुक होते हुए बहनों ने कहा- हमारा भाई जल्द घर लौटे, खुश रहे, यही हमारी कामना है। जेल अधीक्षक रिजवान अख्तर ने बताया कि रक्षाबंधन को लेकर जेल प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए थे। राखी बांधने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यम से आवेदन लिए गए। 200 से अधिक ऑनलाइन और 50 से 100 ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए। सुबह 8 बजे से शुरू यह कार्यक्रम अब तक जारी है और अंतिम व्यक्ति तक राखी बांधने की व्यवस्था की गई है। करीब 300 कैदियों को आज राखी बांधी जा रही है। सुरक्षा के लिए जेल गेट से लेकर हर चेक प्वाइंट पर सख्त जांच के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। बहनों द्वारा लाए गए मिठाई के डिब्बे भी कैदियों तक पहुंचाए जा रहे हैं।

पटना के में बाढ़ से लोगों का हाल बेहाल

पटना : पटना जिले के दानापुर, बख्तियारपुर, मनेर, दीघा, फतुहा, दनियावां, मोकामा और अन्य कई स्थानों पर बाढ़ के कारण लोगों के बीच गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। इसके कारण बाढ़ पीड़ितों को भोजन और पानी के अलावा अपने पशुओं के चारे की भी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ का पानी सड़कों से लेकर घरों तक पहुंच चुका है, और लगातार गंगा और सोन नदी के जलस्तर में वृद्धि हो रही है, जिसका असर मनेर, दानापुर सहित कई स्थानों पर देखा जा रहा है। बाढ़ के कारण मनेर का पश्चिमी दियारा और उत्तरी दियारा पूरी तरह से जलमग्न हो चुका है। बाढ़ से बचने के लिए दियारा के लोग, अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ, सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। इस पलायन की समस्या को लेकर स्थानीय प्रशासन ने कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं की है। वहीं, कई गांव में स्थानीय स्तर पर नाव चलाकर आवश्यकताओं को पूरा किया जा रहा है। मणिनगर परिषद के अदलचक-डुमरिया और जंगलिया टोला के गांव भी बाढ़ के पानी से डूब चुके हैं। इस विषय में प्रशासन ने जो व्यवस्थाएं की हैं, उनमें कमी स्पष्ट रूप से देखी जा रही है। वहीं, बाढ़ के कारण दियारा के कई स्कूलों को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है, जिससे स्कूली बच्चों को पढ़ाई में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इधर, मनेर के विधायक भाई वीरेंद्र ने प्रखंड कार्यालय में प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक कर बाढ़ प्रभावित गांवों की समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि सबसे अधिक समस्या लोगों के बीच मवेशियों के चारे की है, और उन्हें पीने के पानी की भी कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। बैठक में बीडीओ अभिषेक प्रभाकर, सीओ पूजा कुमारी, मुखिया अशोक सिंह, लाल किशोर सिंह, शैलेश कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

गेट काटकर लाखों के गहने पार, विरोध करने पर स्टाफ पर जानलेवा हमला

सीवान : सीवान जिले के मैरवा थाना क्षेत्र में बीती रात हुई एक बड़ी वारदात ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। राजेंद्र पार्क स्थित प्रिंस ज्वैलर्स में अज्ञात चोरों ने फिल्मी अंदाज में धावा बोलते हुए लगभग चार लाख रुपये के सोना-चांदी के गहने चोरी कर लिए। चोरों ने दुकान का मुख्य गेट चैनल कटर से काटकर भीतर प्रवेश किया और कीमती जेवरात समेट ले गए। घटना के समय दुकान के बाहर सो रहे स्टाफ रंबू तुरहा ने संदिग्ध आवाज सुनकर हल्ला मचाने की कोशिश की, लेकिन तभी चोरों ने उस पर ईंट से हमला कर दिया। हमले में उसके सिर में गंभीर चोट आई और वह लहूलुहान हो गया। घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस जांच में एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया। जिसमें घटनास्थल से बंदूक की गोली का एक खोखा बरामद हुआ है। इससे आशंका है कि चोर हथियारबंद थे और विरोध होने पर गोली चलाने की भी योजना में थे। फिलहाल, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है। सुबह जब दुकान मालिक पहुंचे, तो टूटा गेट और बिखरा सामान देखकर उनके होश उड़ गए। घटना की सूचना मिलते ही मैरवा थाना पुलिस, फिंगरप्रिंट टीम और फॉरेंसिक यूनिट मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाने में लग गई। पुलिस का कहना है कि तकनीकी साक्ष्यों और फुटेज की मदद से जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।इस वारदात से इलाके के व्यापारी दहशत में हैं। व्यापारियों ने पुलिस की गश्ती व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि यदि रात में नियमित और प्रभावी गश्त होती, तो इतनी बड़ी चोरी संभव नहीं थी। एक स्थानीय व्यवसायी ने कहा, "हमारा परिवार इसी कारोबार से चलता है। अगर बार-बार चोरी होती रही, तो हम व्यवसाय कैसे कर पाएंगे?"पिछले कुछ महीनों से मैरवा और आसपास के क्षेत्रों में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं, जिससे व्यापारियों का भरोसा पुलिस पर कम होता जा रहा है। इस घटना ने न केवल सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है, बल्कि पुलिस प्रशासन के सामने अपराध पर लगाम लगाने की चुनौती भी खड़ी कर दी है।

सारण पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़, एक लाख का इनामी मुन्ना मियां समेत छह गिरफ्तार

सारण : सारण जिले के एकमा थाना क्षेत्र के तिलकार गांव में शुक्रवार की देर शाम पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए एक लाख रुपये के इनामी कुख्यात अपराधी मुन्ना मियां सहित छह अपराधियों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में मुन्ना मियां और उसके एक साथी को गोली लगी है। वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि मुन्ना मियां अपने गैंग के साथ तिलकार गांव में छिपकर किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद एसडीपीओ राजकुमार और एकमा थानाध्यक्ष उदय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में मुन्ना मियां और भरहोपुर निवासी रंजीत सिंह के पैरों में घुटने के नीचे गोली लगी। दोनों को एकमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, छपरा रेफर किया गया। एसएसपी के अनुसार, मुन्ना मियां के खिलाफ लूट, गोलीकांड समेत करीब डेढ़ दर्जन गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि रंजीत सिंह पर भी तीन आपराधिक मामले चल रहे हैं। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान तीन अन्य अपराधियों को गिरफ्तार किया, जबकि दो अपराधी मौके से फरार हो गए। मौके से हथियार और गोलियां बरामद की गईं।

रक्षा मंत्री राजनाथ की अमेरिका यात्रा रद्द! सरकार ने खबर को बताया अफवाह

भारत का टैरिफ पर ट्रंप को जवाब, कृषि, डेयरी उत्पादों पर नहीं देंगे रियायत

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक रिश्तों में पिछले कुछ दिनों से तनाव चल रहा है। इसकी वजह है राष्ट्रपति ट्रंप का भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाना। उन्होंने ये टैरिफ भारत के रूस से हथियार और तेल खरीदने को लेकर लगाया है। ट्रंप ने भारत पर आयात शुल्क बढ़ा दिया है। इसके जवाब में भारत ने भी कुछ अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगाया है। इस बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अमेरिका यात्रा रद्द होने की अफवाह उड़ी थीं, जिसे सरकार ने इन अफवाहों को गलत बताया है।

मीडिया रिपोरर्ट के मुताबिक दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता पर अनिश्चितता बनी हुई है। उधर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि जब तक टैरिफ का मुद्दा हल नहीं हो जाता, तब तक कोई बातचीत नहीं होगी। फिर भी भारत बातचीत के दरवाजे खुले रखने को तैयार है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत, अमेरिका समेत कई देशों के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है। एक ओर जहां भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों में तनाव बढ़ रहा है। वहीं ट्रंप प्रशासन रूस के साथ दोस्ती बढ़ा रहा है और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत करने वाला है। उधर, भारत ने भी अमेरिका को टैरिफ वॉर को लेकर जवाब दिया है। पीएम मोदी ने साफ कहा है कि किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। भारत ने कृषि और डेयरी उत्पादों पर रियायत देने से इनकार कर दिया है। इन मुद्दों पर अमेरिका के साथ पांच दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला है।

बता दें टैक्स को लेकर तनाव बढ़ने के बाद खबर आई कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपना अमेरिका दौरा रद्द कर दिया है। यह भी कहा कि कुछ रक्षा सौदों पर फिर से विचार किया जा रहा है। यह खबर बहुत तेजी से फैली, लेकिन रक्षा मंत्रालय ने इसे गलत बताया है। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में भी भारत और अमेरिका के बीच एक छोटे व्यापार समझौते पर बात हुई थी। हालांकि, टैक्स को लेकर मतभेद होने के कारण यह समझौता बीच में ही रुक गया था।

कश्मीर घाटी में पहली मालगाड़ी सीमेंट लेकर अनंतनाग गुड्स शेड पहुँची

अहमदाबाद (ईएमएस)| क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए एक ऐतिहासिक विकास में, पंजाब के रूपनगर से पहली बार एक मालगाड़ी सफलतापूर्वक कश्मीर घाटी के अनंतनाग गुड्स शेड तक पहुंची है। यह कश्मीर क्षेत्र को राष्ट्रीय माल ढुलाई नेटवर्क से जोड़ने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सीमेंट से लदी मालगाड़ी के आगमन से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी आएगी और कश्मीर के लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा। उद्घाटन मालगाड़ी में सीमेंट के 21 बीसीएन वैगन लदे थे। लगभग 600 किलोमीटर की यह यात्रा आज 18 घंटे से भी कम समय में नवनिर्मित अनंतनाग गुड्स शेड पर पूरी हुई। यह आयोजन कश्मीर क्षेत्र में लॉजिस्टिक और आर्थिक विकास के एक नए युग का समर्थन करने के लिए इसकी तत्परता को दर्शाता है। इस ट्रेन में परिवहन किए जाने वाले सीमेंट का उपयोग कश्मीर घाटी में सड़कों, पुलों, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और आवासीय भवनों के निर्माण सहित महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए किया जाएगा। इस अभूतपूर्व यात्रा के लिए लॉजिस्टिक व्यवस्था को सटीकता के साथ क्रियान्वित किया गया। 7 अगस्त, 2025 को 23:14 बजे उत्तर रेलवे को एक इंडेट भेजा गया, जिसके बाद अगले दिन यानी 8 अगस्त को सुबह 9:40 बजे रेक की व्यवस्था की गई। 8 अगस्त, 2025 को शाम 6:10 बजे लदान पूरा हो गया और ट्रेन शाम 6:55 बजे पंजाब के रूपनगर स्थित गुजरात अंबुजा सीमेंट लिमिटेड सुविधा से रवाना हुई। मालगाड़ी को इलेक्ट्रिक डब्ल्यूएजी-9 लोकोमोटिव द्वारा ले जाया गया, जो राष्ट्रीय रेल नेटवर्क की आधुनिक क्षमताओं को दर्शाता है। इस पहली मालगाड़ी का आगमन न केवल एक लॉजिस्टिकल उपलब्धि है, बल्कि प्रगति और एकीकरण का एक सशक्त प्रतीक है, जो एक अधिक संबद्ध और समृद्ध कश्मीर घाटी का मार्ग प्रशस्त करता है।

भारत पर टैरिफ......भड़क उठा ईरान, अमेरिका को चरम पाखंडी बताया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ईरान ने भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए टैरिफ के विरोध में अमेरिका पर तीखा हमला बोला है। तेहरान ने अमेरिका को चरम पाखंडी बताया है। ईरानी दूतावास ने पोस्ट में कहा कि एक ओर अमेरिका भारत पर यूक्रेन में युद्ध को फंड देने का आरोप लगा रहा है, जबकि दूसरी तरफ वह खुद गाजा में हो रहे नरसंहार में शामिल है। यह टिप्पणी इजरायली सुरक्षा कैबिनेट के उस फैसले के बाद आई है, जिसमें गाजा पर पूरी तरह से नियंत्रण करने की योजना को मंजूरी मिली है। योजना के तहत इजरायली सेना गाजा पट्टी के उन हिस्सों पर भी कब्जा करेगी, जिन पर अभी तक उसका नियंत्रण नहीं है, जिसमें गाजा सिटी भी शामिल है। इस फैसले का आईडीएफ चीफ, यूरोपीय और अरब देशों ने कड़ा विरोध किया है। हालाँकि, अमेरिका ने इस अभियान का अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन करते हुए कहा है कि गाजा पर कब्जा करने का फैसला इजरायल को करना है। ईरान ने इजरायल की इस योजना को फ़िलिस्तीनियों का नरसंहार बताया है। जर्मनी ने एक बड़ा कदम उठाते हुए इजरायल को उन हथियारों की सप्लाई पर रोक लगा दी है, जिनका इस्तेमाल गाजा में किया जा सकता है। ब्रिटेन ने इजरायल से इस फैसले पर दोबारा विचार करने को कहा है। ईरानी दूतावास ने पोस्ट में अमेरिका के दोहरे मापदंड पर निशाना साधकर कहा कि अमेरिका यूक्रेन में युद्ध के लिए भारत पर संदेह कर रहा है, जबकि खुद अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) द्वारा दोषी ठहराए गए युद्ध अपराधियों का स्वागत करता है और इजरायल को हथियार देकर गाजा में हो रहे नरसंहार में भागीदार बन रहा है।

उत्तरकाशी आपदा पर डीजीपी का बयान, लापता लोगों को ढूंढना पहली प्राथमिकता

देहरादून (ईएमएस)। उत्तराखंड के डीजीपी दीपम सेठ ने धराली आपदा प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद कहा है कि लापता लोगों को ढूंढना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि हर्षिल और धराली में बचाव कार्य तेज़ी से किया जा रहा हैं और भारतीय वायुसेना तथा यूकाडा की मदद से प्रभावित क्षेत्र में लगातार राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। डीजीपी ने कहा कि इतना ही नहीं आपदा में फंसे सभी यात्रियों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से सुरक्षित निकाला गया है और अब कुछ स्थानीय लोगों को भी सुरक्षित निकाला जा रहा है। उन्होंने बचाव एजेंसियों, जैसे पुलिस, एसडीआरएफ और फायर ब्रिगेड को काम में तेज़ी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि रोड कनेक्टिविटी को बहाल करने का काम भी तेज़ी से चल रहा है और गंगनानी में बैली ब्रिज बनाने का काम लगभग पूरा होने वाला है। डीजीपी ने लोगों को आगाह करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आयोग चुनौती देने के बजाय राहुल गांधी के साथ डिबेट करे : आदित्य ठाकरे

मुंबई,(ईएमएस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर लगाए आरोपों का शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने समर्थन किया है। आदित्य ने दावा किया कि उनकी पार्टी पहले से ही ये कहती आ रही है कि देश में जगह-जगह वोटों की चोरी हो रही है। ऐसा हमने महाराष्ट्र चुनाव में हारने के बाद नहीं, बल्कि लोकसभा चुनाव के बाद भी कहा है। कई बार ऐसा लगता है कि मानो भाजपा के दफ्तर से ही चुनाव आयोग चल रहा हो। इसके बाद राहुल गांधी ने जो तथ्य सामने रखे हैं, वे हवा में की गई बातें नहीं हैं, बल्कि सबूत के साथ वोट की चोरी को पकड़ा है। कुछ लोग पांच-पांच बार अलग-अलग वोटिंग कर चुके हैं। उनका फोटो और नाम एक है, लेकिन उन्होंने अलग-अलग जगहों पर वोट किया है। उन्होंने कहा, आयोग चुनौती देने के बजाय एक काम करे कि राहुल गांधी के साथ डिबेट करे। पूरा चुनाव आयोग सामने आए और राहुल गांधी अकेले खड़े होकर उनके साथ डिबेट करे। चुनाव आयोग कम से कम यह बताए कि जो हम बता रहे हैं, वह सही है या गलत, क्योंकि हमें जो भी जानकारी मिली है, वह चुनाव आयोग की वेबसाइट से ही मिली है। उन्होंने कहा, आज हम 2025 में एआई युग में हैं, लेकिन आयोग सीसीटीवी फुटेज मुहैया नहीं करा पा रहा है। हमारे देश का लोकतंत्र और संविधान आज खतरे में हैं। इस न सिर्फ देश के लोग जानते हैं बल्कि पूरी दुनिया के लोग जानने लगे हैं।

खतरे के निशान के करीब पहुंचा यमुना का जलस्तर, दिल्ली में बाढ़ की आशंका

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली में बाढ़ का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। यमुना नदी का जलस्तर शनिवार सुबह 9 बजे ओल्ड रेलवे ब्रिज पर 204.40 मीटर तक पहुंच गया, जो खतरे के निशान 204.50 मीटर से बस थोड़ा ही नीचे है। दिल्ली प्रशासन ने इस बात को गंभीरता से लेकर सभी संबंधित विभागों को बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने को कह दिया हैं।

दरअसल केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अधिकारी ने बताया, यमुना का जलस्तर बढ़ने का मुख्य कारण वजीराबाद और हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे बड़ी मात्रा में पानी का छोड़ा जाना है। इसके अलावा, हरियाणा और उत्तराखंड के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में हुई बारिश ने भी नदी के जलस्तर को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। इसकारण यमुना में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। जो कि आने वाले दिनों में बाढ़ का कारण बन सकता है।

बाढ़ नियंत्रण विभाग के मुताबिक, वजीराबाद बैराज से हर घंटे करीब 30,800 क्यूसेक और हथिनीकुंड बैराज से 25,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। यह पानी दिल्ली पहुंचने में आमतौर पर 48 से 50 घंटे का समय लेता है। ऊपरी क्षेत्रों से कम मात्रा में पानी छोड़े जाने के बावजूद, दिल्ली में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। दिल्ली में यमुना के लिए चेतावनी स्तर 204.50 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 205.30 मीटर पर है। यदि जलस्तर 206 मीटर तक पहुंचता है, तब शहर में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। ओल्ड रेलवे ब्रिज यमुना के प्रवाह और बाढ़ के जोखिम को मापने का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। वहीं दिल्ली सरकार ने बाढ़ की आशंका को देखकर सभी जरूरी कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

संबंधित एजेंसियों को नदी के किनारे बसे इलाकों में नजर रखने और आपात स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

राहुल गांधी को मिला महाराष्ट्र के एक बड़े नेता का साथ

आयोग के खिलाफ और आक्रामक होगी कांग्रेस

नई दिल्ली। कथित तौर पर फर्जी मतादाता सूची को लेकर चुनाव आयोग पर हमलावर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चाणक्य कहलाने वाले महाराष्ट्र के एक बड़े नेता का साथ मिला है। इसके बाद सवाल उठने लगे हैं कि क्या अब राहुल गांधी आयोग पर अपने हमले और तेज कर सकते है। दरअसल, एनसीपी-एससीपी के प्रमुख शरद पवार ने राहुल गांधी के आरोपों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री पवार ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देना चाहिए था, लेकिन वह मुद्दे से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि उनकी पार्टी सोमवार को बिहार की मतदाता सूची को लेकर प्रदर्शन करेगी, क्योंकि इस मुद्दे पर संसद में बीते 15 दिनों से हंगामा चल रहा है। सच्चाई जनता के सामने नहीं आ पा रही है। राहुल गांधी ने हाल ही में चुनाव आयोग पर बड़े पैमाने पर मतदाता धोखाधड़ी और बीजेपी के साथ साठगांठ का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि महाराष्ट्र और कर्नाटक में मतदाता सूचियों में हेराफेरी की गई है, जिसके सबूत उन्होंने सार्वजनिक रूप से पेश किए। इस पर शरद पवार ने कहा कि राहुल गांधी ने गंभीर आरोप लगाए हैं और केंद्रीय गृह मंत्री की जिम्मेदारी थी कि वे इस पर स्पष्टता लाएं। लेकिन उन्होंने राहुल गांधी के आरोपों को अनदेखा कर दूसरा मुद्दा उठाने की कोशिश की। विपक्ष के चाणक्य पवार का बयान विपक्षी एकता को मजबूत करने और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पवार ने बिहार की मतदाता सूची को लेकर अपनी चिंता जाहिर की।

आईजी पिता ने जिस सिपाही को किया बर्खास्त बेटी ने उसी को वापस दिला दी वर्दी

बरेली,(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक अनूठी और प्रेरक घटना सामने आई है, जहाँ एक एडवोकेट बेटी ने अपने ही पुलिसकर्मी पिता द्वारा बर्खास्त किए एक सिपाही को कानूनी लड़ाई में वापस नौकरी दिला दी। दरअसल यह कहानी तत्कालीन आईजी डॉ.राकेश सिंह से जुड़ी है, जिन्होंने बरेली रेंज में तैनाती के दौरान एक मुख्य आरक्षी तौफीक अहमद को सेवा से बर्खास्त किया था। सिपाही तौफीक पर एक महिला यात्री से छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत गंभीर आरोप थे, इसकारण सिपाही तौफीक को जेल भी जाना पड़ा था। घटना के सामने आने के बाद पुलिस सेवा में अनुशासन बनाए रखने के लिए, आईजी डॉ. सिंह ने विभागीय जाँच के बाद तौफीक को बर्खास्त करने का सख्त फैसला लिया। लेकिन तौफीक ने इस फैसले को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। उनकी पैरवी कर रही थीं एडवोकेट अनुरा सिंह, जो संयोगवश आईजी डॉ. सिंह की ही बेटी हैं। यह पूरा मामला पिता और बेटी के रिश्तों के लिए एक भावनात्मक परीक्षा थी, लेकिन कोर्ट में अनुरा सिंह ने अपने पेशेवर धर्म को प्राथमिकता दी। उन्होंने तर्क दिया कि विभागीय जाँच में नियमों का पालन नहीं किया गया था। सुनवाई के दौरान वकील अनुरा सिंह ने बताया कि जाँच अधिकारी ने न सिर्फ आरोप सिद्ध किए, बल्कि सीधे सजा की सिफारिश भी कर दी, जबकि यह अधिकार सिर्फ अनुशासनात्मक प्राधिकारी का होता है। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अजीत कुमार ने अनुरा सिंह की दलीलों को सही मानकर विभागीय जाँच रिपोर्ट और बर्खास्तगी के आदेश को रद्द कर दिया। उन्होंने तौफीक अहमद को दोबारा सेवा में बहाल करने का निर्देश दिया और विभाग को नई जाँच के लिए तीन महीने का समय दिया। इस फैसले के बाद, तौफीक को उनकी वर्दी वापस मिल गई। यह घटना दिखाती है कि कैसे कानून की निष्पक्षता और पेशेवर नैतिकता रिश्तों की भावनाओं पर भारी पड़ सकती है।

मुंबई पुलिस ने चार जगह की छापेमारी, 5 आरोपियों समेत 10 करोड़ की ड्रग्स जब्त

मुंबई,(ईएमएस)। मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल ने ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 4.034 किलोग्राम मेफेड्रोन (एमडी) बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 10.07 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने चार जगह छापे मारे उनमें मालाड, जोगेश्वरी, दादर और नवी मुंबई हैं। पुलिस के मुताबिक इस छापे में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें दो विदेशी नागरिक भी हैं। जांच में सामने आया है कि ये आरोपी मुंबई के कई इलाकों में मेफेड्रोन की सप्लाई करते थे।

पुलिस ने बताया कि घाटकोपर, वर्ली और बांद्रा यूनिट्स की अलग-अलग कार्रवाई में 504 ग्राम, 518 ग्राम, 766 ग्राम, 690 ग्राम और 1.024 किलोग्राम मेफेड्रोन बरामद किया गया है। ये सभी बरामदगियां अलग-अलग मामलों में हुई। अब तक इस मामले में चार एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेज (एनडीपीएस) एक्ट के तहत जांच जारी है। बता दें इससे पहले मुंबई कस्टम के एयरपोर्ट कमिश्नरेट ने गुरुवार को छत्रपति शिवाजी महाराज एयरपोर्ट पर बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपए का मादक पदार्थ जब्त किया था। इसमें कस्टम ने कुल 0.947 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक वीड (मारिजुआना) बरामद किया था। बता दें बैंकॉक से मुंबई पहुंचे एक यात्री को जांच के लिए रोका तो उसके पास से 947 ग्राम हरे रंग की गांठों के रूप में संदिग्ध हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हुआ, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 94 लाख रुपए है। यह मादक पदार्थ वैक्यूम-सील प्लास्टिक पैकेट्स में पैक था और यात्री के ट्रॉली बैग में छिपाकर रखा गया था।

आरोपी यात्री को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। इससे पहले मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने 5 और 6 अगस्त की दरमियानी रात को 14.5 करोड़ रुपए की हाइड्रोपोनिक वीड जब्त की थी।

बंगाल में पुलिस की इतनी धुनाई होगी, बचने के लिए ममता के आंचल में छिपना होगा

नाबन्ना अभियान रैली पर लाठी चार्ज पर भड़के बीजेपी नेता

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में पुलिस ने भाजपा के नाबन्ना अभियान रैली पर लाठी चार्ज किया। पुलिस की इस लाठीचार्ज से भाजपा नेता भड़क उठे हैं। भाजपा नेता अशोक डिंडा ने कहा कि अब वह दिन दूर नहीं है, जब पुलिस की भी बंगाल में पिटाई होगी। इन लोगों की आने वाले दिनों में बहुत धुलाई होने वाली है। उन्होंने कहा कि हमें बस एक बार भाजपा से इसके लिए आदेश मिल जाए।

हम पुलिसवालों को इतना मारने वाले हैं कि उन्हें ममता बनर्जी के आंचल में जाकर छिपना होगा। गौरतलब है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेप-हत्याकांड के एक साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'नबन्ना अभियान' रैली का आयोजन किया गया है।

नाबन्ना अभियान रैली के दौरान भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने बताया कि ममता डर गई हैं। इसलिए पुलिस द्वारा जनता पर लाठीचार्ज कर रही हैं। कोर्ट के आदेश से हम यहां रैली कर रहे हैं। हम सब पर हमला हुआ है जनता इसका जवाब 2026 में दे देने वाली है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी डर गई हैं...आज अभया को एक साल हो गया है, लेकिन न्याय नहीं मिला है। यह रैली ममता बनर्जी के खिलाफ है। उन्होंने सारे सबूत मिटा दिए। हम उनके इस्तीफे की मांग करते हैं।

वहीं, बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता बंगाल से जाने वाली हैं। विपक्ष के नेता अधिकारी ने कहा कि वह (ममता बनर्जी) विनीत कुमार गोयल (कोलकाता के पूर्व पुलिस आयुक्त) और डॉ. संदीप घोष (आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य) को बचा रही हैं...उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। नहीं 8 महीने बाद बंगाल की जनता उनका यहां से सफाया कर देगी।

आरजी कर घटना की सालगिरह पर बंगाल सचिवालय की ओर मार्च करते हुए प्रदर्शनकारियों ने हावड़ा में पुलिस अवरोधक तोड़ने की कोशिश की। सचिवालय की ओर मार्च के दौरान घेरे को तोड़ने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। वहीं, पुलिस द्वारा रोके जाने पर भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी, अग्निमित्रा पॉल धरने पर बैठे गए।

ऑपरेशन सिंदूर पर बोले एयरफोर्स चीफ एस-400 से मार गिराए 5 पाकिस्तानी जेट्स

-दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाया, तबाह आतंकी ठिकानों की तस्वीरें सबके सामने

नई दिल्ली(ईएमएस)।भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि भारत के एस-400 मिसाइल सिस्टम ने हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 5 पाकिस्तानी वायु सेना के लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। इसके अलावा, एक एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल/इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस विमान को भी 300 किलोमीटर की दूरी से नष्ट किया गया। साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि जेकबाबाद में खड़े कुछ एफ-16 विमानों और भोलारी एयर बेस पर एक एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल को विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर नष्ट किया गया। इंडियन एयर फोर्स चीफ एपी सिंह ने शनिवार को बेंगलुरु के एसएएल मैनेजमेंट अकादमी ऑडिटोरियम में एयर चीफ मार्शल एलएम कात्रे मेमोरियल लेक्चर के 16वें सीजन को संबोधित कर रहे थे। एपी सिंह ने कहा, हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने शानदार काम किया है। एस-400 सिस्टम जिसे हमने हाल ही में खरीदा था, यह गेम-चेंजर रहा है। पाकिस्तान के पास लंबी दूरी के ग्लाइड बम थे लेकिन वे उनमें से किसी का भी इस्तेमाल नहीं कर पाए क्योंकि वे एयर डिफेंस को भेद नहीं सके।

ऑपरेशन सिंदूर में एस-400 की ताकत

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने अपनी हवाई रक्षा को मजबूत करने के लिए एस-400 का इस्तेमाल किया। यह रूस से खरीदा गया एक उन्नत सतह से हवा में मार करने वाला मिसाइल सिस्टम है, जो 400 किलोमीटर तक के लक्ष्यों को नष्ट कर सकता है। इस ऑपरेशन में एस-400 ने शानदार प्रदर्शन किया और 5 पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को हवा में ही मार गिराया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि एक एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल/इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस विमान को 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया, जो इस सिस्टम की रेंज और सटीकता को दर्शाता है। एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल विमान दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने और खुफिया जानकारी जुटाने में इस्तेमाल होता है। इसलिए इसका नष्ट होना पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका हो सकता है।

जेकबाबाद और भोलारी पर हमले

एयर चीफ मार्शल प्रमुख ने यह भी दावा किया कि जेकबाबाद एयर बेस पर खड़े कुछ एफ-16 लड़ाकू विमानों को नष्ट कर दिया गया। ये विमान पार्किंग में थे, लेकिन सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय सेना ने उन पर हमला किया। इसी तरह, भोलारी एयर बेस पर एक और एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल विमान को निशाना बनाया गया। ये हमले दिखाते हैं कि भारत के पास दुश्मन की गतिविधियों की सटीक जानकारी थी। उसका इस्तेमाल सही समय पर किया गया। सफलता का एक प्रमुख कारण राजनीतिक इच्छाशक्ति का होना था। हमें बहुत स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। हमें खुली छूट थी। अगर कोई बाधाएं थीं, तो वे खुद की थीं। हमने तय किया कि कितना आगे बढना है। हमें योजना बनाने और उसे लागू करने की पूरी आजादी थी। तीनों सेनाओं के बीच कोऑर्डिनेशन था। सीडीएस के पद ने वास्तव में अंतर पैदा किया। वह हमें एक साथ लाने के लिए मौजूद थे। एनएसए ने भी सभी एजेंसियों को एक साथ लाने में बड़ी भूमिका निभाई।

90 घंटे की जंग में पाक पीछे हटा

यह एक उच्च तकनीक वाला युद्ध था। 80 से 90 घंटे के युद्ध में हम इतना नुकसान कर पाए कि उन्हें साफ पता चल गया था कि अगर वे इसे जारी रखेंगे तो उन्हें इसकी और भी अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी इसलिए वे आगे आए और हमारे डीजीएमओ को संदेश भेजा कि वे बात करना चाहते हैं। हमारी ओर से इसे स्वीकार कर लिया गया। 2019 में जब बालाकोट में हमने एयर स्ट्राइक की तो उसके सबूत नहीं जुटा पाए। लोगों ने सवाल उठाए कि हमने क्या किया या क्या नहीं किया। इसलिए मुझे बहुत खुशी है कि इस बार हम बालाकोट के उस भूत से निपटने में सक्षम थे और हम दुनिया को यह बताने में सक्षम थे कि हमने क्या हासिल किया है।

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

शांति का नोबल पुरस्कार ट्रंप को नहीं तो फिर किसे ?

वर्तमान में दुनियां के अधिकांश देशों में जिस तरह की उथल-पुथल देखने को मिल रही है, उसे लेकर आम इंसान के जेहन में अनेक सवाल उठ खड़े हुए हैं। ऐसे ही सवालों में एक सवाल यह भी है कि आखिरकार दुनियां में जंग के हालात क्योंकर बने हुए हैं? विश्व को जंग में झोंकने का काम आखिर कौन कर रहा है? वो कौन है जो दुनियां को शांति से रहने नहीं देना चाहता है? वाकई ये सवाल गंभीर हैं और इनके उत्तर भी लगभग सभी जानते हैं, लेकिन बतौर सबूत पेश करने को किसी के पास कुछ नहीं होता है, क्योंकि जहां झूठ चलता हो वहां सच को कौन पूछता है। बहरहाल यह देखने वाली बात है, कि दूर देशों की बात छोड़ दीजिए यहां तो पड़ोसी मुल्कों में जंग छिड़ी हुई है। लोग मारे जा रहे हैं लेकिन हथियारों की कमी नहीं होने दी जा रही है। आखिर ऐसा क्यों? हथियार सप्लाई को लेकर भी विकसित देशों में जंग जैसे हालात हैं। इनमें अमेरिका की चौधराहट साफ देखने को मिलती है। किसी को क्या दिया जाए और किससे क्या लिया जाए, यह अमेरिका की आधारभूत नीति में शामिल है। यही वजह है कि युद्ध होने पर अमेरिका यह नहीं देखता कि दोस्त कौन और दुश्मन कौन, वह हथियारों का व्यापारी बन जंग को बाहर से हवा देता नजर आ जाता है। यही कारण है कि रुस और यूक्रेन समेत दुनियां के अनेक देशों के बीच जो जंग चल रही है उसमें कहीं न कहीं अमेरिका संलिप्त नजर आ जाता है। वजह भी साफ है, कि जिस तरह से अमेरिका यूक्रेन की मदद करने के बदले उससे उसके कीमती भंडार चाहता है, तो वहीं गाजा में ट्रंप सिटी बसाने की बात करके यह जतला देता है कि इजराइल उसके इशारे पर जंग में है। वह जब चाहेगा हमास और इजराइल के बीच भी समझौता कराकर शांति का ऐलान कर देगा। सीरिया में भी कमोवेश यही हालात नजर आए। भारत द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को भारत-पाकिस्तान जंग बताने और फिर सीजफायर का दावा करने वाले ट्रंप का मकसद भी कुछ ऐसा ही रहा है। फिलहाल यहां बात हम आर्मेनिया और अजरबैजान शांति समझौते की कर रहे हैं, जिसका पूरा श्रेय राष्ट्रपति ट्रंप को दिया जा चुका है। यहां बताते चलें कि वर्षों से दक्षिणी कॉकेशस को ईरानी प्रभाव वाला क्षेत्र माना जाता रहा है। इसके अलावा यहां पर रूस की भी गतिविधियां बराबर चलती रही हैं। पिछले कई दशकों से रुस ने शांति सैनिकों के साथ राजनीतिक दबाव बनाने का काम बखूबी किया है। जबकि ईरान, इस क्षेत्र को अपनी ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार के लिए महत्वपूर्ण मानता चला आया है। अब जबकि व्हाईट हाउस में आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच चले आ रहे करीब 35 सालों के संघर्ष का विराम हो गया तो इन सब बातों का महत्व और भी बढ़ जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव और आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिनियन ने शांति समझौते पर दस्तखत किए हैं। इतना ही नहीं इन नेताद्वय ने इसी दौरान ट्रंप की तारीफों के पुल भी बांधे और कहा कि शांति करवाने वाले ट्रंप के अलावा आखिर नोबल पुरस्कार का कौन हकदार हो सकता है। यह अलग बात है कि इस समझौते के साथ ही अमेरिका को दक्षिण काकेशस के केंद्र में सीधे दखल देने के साथ ही वहां पैर जमाने के लिए भी एंट्री मिल गई है। वैसे यह क्षेत्र अभी तक रूस, ईरान और चीन के लिए एक रणनीतिक क्षेत्र रहा है। इस प्रकार ट्रंप ने इस शांति समझौते रुपी वार से चीन, रूस और ईरान के सालों से चली आ रही रणनीति को मात दे दिया है। इस तरह कहीं न कहीं अमेरिका पहले से ही इस मामले को उलझाए हुए था, जिसकी पुष्टि अब जाकर हुई है। मतलब साफ है कि शांति से पहले आग लगाने का काम किया और खुद को पुरस्कृत करवाने के लिए अब यह खेल खेला गया। यदि ऐसा नहीं है तो फिर ट्रंप भारत जैसे शांतिप्रिय देश पर टैरिफ बम से बार क्योंकर कर रहा है? क्या कारण है कि जिस पर आतंकवादियों को पालने-पोसने के न सिर्फ आरोप लगते रहे, बल्कि उसकी जमीन पर अनेक तयशुदा आतंकियों को मारा गया अब वो उनका हिमायती बना फिर रहा है? यह देखने और समझने वाली बात है, क्योंकि शांति पुरस्कार वाकई शांति के लिए काम करने वाले को मिलना चाहिए न कि दिखावा करने वाले को। यदि इस पर ट्रंप के कार्य और नीतियां खरी उतरती हों तो जरुर इस दिशा पर विचार किया जाना चाहिए, वर्ना जो दशकों से आतंकवाद का दंश सहते हुए भी शांति के साथ विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वही शांति नोबल पुरस्कार का असली हकदार है।

आजादी की पहली क्रान्ति के योद्धाओ की दास्तान!

डॉ. श्रीगोपालनारसन

देश की आजादी का पहला बिगुल सन 1857 की मेरठ क्रान्ति में नही, बल्कि सन 1824 में हरिद्वार के कुंजा बहादुरपुर गांव से बजा था। इसलिए मेरठ से उठी आजादी की सन 1857 की चिगांरी को पहली आजादी की चिंगारी बताना भी पूरी तरह से एक बड़ी भूल है क्योकि देश में सन 1857 से पहले ही आजादी का बिगुल बज चुका था। उत्तराखण्ड राज्य के हरिद्वार जिले के ग्राम कुन्जा बहादुरपुर में सन 1824 में ही क्रांति की पहली मशाल जल गई थी। इस गांव में किसानों ने अंग्रेजों के खिलाफ विरोध का बिगुल बजाया था । कुन्जा बहादुरपुर के तत्कालीन राजा विजय सिहं ने इस क्रांति का नेतृत्व किया था । वर्षा न होने पर गांव में किसानों की फसल सूख गई थी। किसान फसल पैदा न होने के कारण सरकार को लगान देने की स्थिती में नही थे। मजबूर होकर उन्होने ने राजा विजय सिंह से लगान माफ करने की गुहार लगाई । राजा को किसानो की मांग उचित लगी तो उन्होने अंग्रेजो से उस साल का लगान न लेने की प्रार्थना की परन्तु अंग्रेज नही माने और राजा की प्रार्थना को अंग्रेजो ने उन्हे दुत्कारते हुए ठुकरा दी। जिसकारण राजा विजय सिहं अंग्रेजो से नाराज़ हो गए और उन्होने अंग्रेजो द्वारा जबरन लगान वसूली का विरोध करने का फैसला किया और उन्होने क्षेत्र के लोगों के साथ मिलकर देश की पहली क्रान्ति को जन्म दिया। इसी विरोध के कारण राजा विजय सिंह अंग्रेजो की आंख की किरकिरी बन गए थे। अंग्रेजो ने कुंजा बहादुरपुर को नेस्तनाबूद करने के लिए गांव के कुएं में पीसा हुआ कांच मिला दिया और रात्रि में हमलाकर विद्रोहियों को कुचलने की कौशिश की। राजा विजय सिंह ने भी अंग्रेजो का जमकर मुकाबला किया। उनके सेनापति कल्याण सिंह ने अपनी सैन्य टुकडी के साथ अंग्रेजों पर आक्रमण कर ग्राम कल्हालटी में ज्वालापुर से लाए जा रहे सरकारी खजाने को लूट लिया था। जिससे बोखलाए अंग्रेजो ने गांव के 152 विद्रोहियों को एक ही दिन में रूडकी के पास गांव सुनहरा के वट वृक्ष पर लटकाकर फांसी दे दी थी।जिससे खोफजदा होकर ग्राम सुनहरा, रामपुर व मतलबपुर के लोग अपने धर छोडकर जगंलो में जा छिपे थे। अंग्रेजो के साथ हुए युद्ध में राजा विजय सिंह जहां शहीद हो गए ,वही उनके सेनापति कल्याण सिंह की अंग्रेजो ने हत्या कर उसका शव देहरादून जेल के मुख्यद्वार पर लटका दिया था। इसी कारण कुन्जा बहादुरपुर की गिनती शहीद ग्राम के रूप में होती है और उत्तराखण्ड सरकार ने इसी कारण इस गांव को पर्यटन गांव भी धोषित किया हुआ है। वही सुनहरा का ऐतिहासिक वट वृक्ष भी शहीद स्मारक के रूप में दर्शनीय है और पयर्टन विभाग द्वारा इस स्थल का भी सौन्द्रयकरण किया गया हैं। इस स्मारक पर प्रति वर्ष 10 मई को रूडकी के लोग श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करते है। देश में आजादी की इस पहली लडाई के दौरान 27 सितम्बर सन 1930 को रूडकी के राजकीय हाई स्कूल जो अब इन्टर कालेज है,में एक जनसभा हुई थी जिसमें अरूणा आसफ अली आई थी इस सभा की भनक पुलिस को लग गई थी और पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया था, इस धटना में एक दर्जन लोग धायल हुए थे। जबकि 28 लोगो को पुलिस ने गिरफ्तारकिया था। इसी तरह 3 सितम्बर 1930 को झबरेडा में अंग्रेजो को देश से भगाने के लिए हुई जनसभा में पुलिस ने लाठी चार्ज कर लोगो को वहां से भगा दिया था। भगवानपुर मे तो इस बाबत हुई जनसभा में पुलिस के लाठी चार्ज से लाला बल्ली मल्ल बूरी तरह धायल हो गए थे।जिसकारण उनकी शहादत हो गई थी। तब से सन 1857 तक अंग्रेजो के खिलाफ हरिद्वार जिले तत्कालीन जिला सहारनपुर के लोगो का आन्दोलन जारी रहा। सन 1857 के अगस्त माह में रूडकी के तत्कालीन ज्वांइट मजिस्ट्रेट एचडी राबर्टसन ने अंग्रेजो के खिलाफ विद्रोह कर रहे लोगो के प्रति कूररता दिखाई और ग्राम भनेडा की गुर्जर बस्ती में आग लगवा दी तो लोगो में उनके प्रति इतना गुस्सा व्याप्त हो गया कि उन्हे रूडकी से 6 मील दूर कस्बा मंगलौर जाने के लिए लोगो के जगह जगह विरोध के कारण तीन दिन लग गए थे। स्वतन्त्रता आन्दोलन के इन लम्हों को हमेशा याद करने के लिए रूडकी में सुनहरा वट वृक्ष के नीचे हर वर्ष क्षेत्र के स्वतन्त्रता सेनानी और उनके वंशज एक श्रद्धाजंलि सभा का आयोजन करते है।जिसमें उन 152 अमर शहीदों जिन्हे एक ही दिन में क्रूर अंग्रेजो ने सुनहरा वट वृक्ष पर फांसी पर लटका दिया था,समेत अन्य शहीदों को भी श्रद्धासुमन अर्पित किये जाते है। शहीद ग्राम का सम्मान प्राप्त गांव कुंजा बहादुरपुर के विकास के लिए और गांव की पहचान देश विदेश तक पहुंचाने के लिए गांव के बुजुर्ग चौधरी अजमेर सिंह जबतक जिये काफी भागदौड करते रहे परन्तु राजनेताओ की अनदेखी के चलते इस गांव को अभी तक पर्यटन गांव के रूप में स्वीकृत विकास राशि का भी लाभ नही मिल पाया है।

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक?

ललित गर्ग

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र।

विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं।

विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, "संसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है।"चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारुरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए। संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बर्बादी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपंग ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है।' लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मर्यादा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी।

विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुप राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच "लोक का मंदिर" है, तो वहाँ केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए।

किसी की ज़िन्दगी बचा सकता है अंगदान

कुमार कृष्णन

अंगदान और प्रत्यारोपण हर वर्ष हजारों लोगों को जीवन का दूसरा अवसर प्रदान करता है। अमीर और गरीब के बीच भारी असमानता, मानव अंगों की मांग और देश में प्रौद्योगिकी की उपलब्धता जैसे कारणों से मानव अंगों का व्यापार जहां कुछ लोगों को धन प्रदान करता है वहीं अन्य लोगों को राहत पहुंचाता है। अंगों का व्यापार निश्चित रूप से निर्धनता से ग्रस्त लोगों के शोषण को बढ़ावा देता है क्योंकि वे तात्कालिक वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए धन के लालच में अंग बेचते हैं। मानव अंगों को एक वस्तु बना देना सामाजिक, नैतिक और शिष्टाचार संबंधी मूल्यों का ह्रास है और कोई भी सभ्य समाज अंगों की जरूरतें पूरी करने के लिए इस व्यापार को एक विकल्प के रूप में स्वीकार नहीं कर सकता। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अंगों की बिक्री के बारे में एक बयान में स्पष्ट रूप से कहा है कि ऐसा करना मानवाधिकारों संबंधी सार्वभौम घोषणा और स्वयं के संविधान का उल्लंघन हैः ''मानव शरीर और इसके अंगों को व्यापारिक लेन-देन का विषय नहीं बनाया जा सकता। तदनुरूप, अंगों के लिए धन प्राप्त करने या अदा करने पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।'' हर वर्ष हजारों भारतीय अंग प्रत्यारोपण का इंतजार करते करते मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं। इसका कारण यह है कि प्रत्यारोपण का इंतजार कर रहे लोगों की संख्या और दान किए गए अंगों की संख्या के बीच भारी अंतराल है। भारत किडनी प्रत्यारोपण के मामले में दुनिया भर में दूसरे स्थान पर है, जहाँ 80% से ज़्यादा जीवित किडनी दान से होते हैं। हालाँकि हर साल 2,20,000 लोगों को प्रत्यारोपण की ज़रूरत होती है, लेकिन 250 केंद्रों पर केवल लगभग 7,500 किडनी प्रत्यारोपण ही हो पाते हैं।हृदय प्रत्यारोपण के मामले में भी स्थिति भिन्न नहीं है। भारत में हर वर्ष करीब भारत में हर साल लगभग 50,000 लोगों को हृदय प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है।लेकिन,उपयुक्त दाता हृदय की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती है, और केवल एक छोटा सा प्रतिशत लोगों को ही प्रत्यारोपण मिल पाता है।इसी तरह भारत में कार्निया की उपलब्धता और आवश्यकता के बीच एक बड़ा अंतर है। हर साल 1,00,000 कार्निया प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है, लेकिन केवल 30,000 प्रत्यारोपण ही हो पाते हैं। इसका मतलब है कि लगभग 70,000 लोग हर साल कार्निया प्रत्यारोपण के बिना रह जाते हैं। भारत में, कॉर्निया दान की कमी एक बड़ी समस्या है।हर साल लगभग 60,000 कॉर्निया एकत्रित होते हैं, लेकिन 28,000 से भी कम का प्रत्यारोपण हो पाता है।

कोविड-19 महामारी के दौरान और उसके बाद, कॉर्निया की उपलब्धता और भी कम हो गई है। भारत में नेत्र बैंकों की संख्या भी अपर्याप्त है। आवश्यक मानकों के अनुरूप पर्याप्त नेत्र बैंक नहीं हैं। भारत में 12 लाख लोग कार्निया की अपारदर्शिता से पीड़ित हैं। इनमें से लगभग एक तिहाई लोगों को कार्निया प्रत्यारोपण की आवश्यकता है। यह समस्या 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में अंधेपन का दूसरा प्रमुख कारण है, और कम उम्र वालों में यह प्राथमिक कारण है।भारत में सालाना 1,00,000 कार्निया प्रत्यारोपण की आवश्यकता है। लेकिन, वर्तमान में, केवल 30% मांग ही पूरी हो पाती है।अंगों के काम करना बंद करने के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हो रही है, जिससे जन स्वास्थ्य को गंभीर खतरा है और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर दबाव बढ़ रहा है। हर साल हज़ारों लोग अंग प्रत्यारोपण का इंतज़ार करते हैं। इस तात्कालिक आवश्यकता के बावजूद, प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षारत रोगियों और उपलब्ध दाताओं की संख्या के बीच एक बड़ा अंतर बना हुआ है।भारत में अंगदान की दर जनसंख्या के अनुपात में 1 प्रतिशत से भी कम है। वर्तमान में 63,000 से ज़्यादा लोगों को किडनी ट्रांसप्लांट और लगभग 22,000 लोगों को लिवर ट्रांसप्लांट की ज़रूरत है। इसके बावजूद, जागरूकता बढ़ रही है, खासकर प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात में इस मुद्दे पर बात करने के बाद। प्रधानमंत्री ने दुर्घटना पीड़ितों और हृदयाघात से पीड़ित लोगों के लिए समय पर अंगदान की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया। इसके जवाब में, सरकार जनभागीदारी बढ़ाकर, हर गाँव और घर में अंगदान को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है।केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के अनुसार , माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, सरकार अंगदान और प्रत्यारोपण को निरंतर सुव्यवस्थित कर रही है ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि शहरों के बीच अंगों की समय पर और सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने और सफल अंग प्रत्यारोपण सुनिश्चित करने के लिए हम बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं।2023 में आधार आधारित नोट्टो ऑनलाइन प्रतिज्ञा वेबसाइट के शुभारंभ के बाद से, 3.30 लाख से अधिक नागरिकों ने अपने अंगदान का संकल्प लिया है, जो जनभागीदारी का प्रमाण है। प्रतिज्ञा पंजीकरण में यह वृद्धि इस साझा लक्ष्य के प्रति नागरिकों में बढ़ती जागरूकता और समर्पण को दर्शाती है। प्रत्यारोपण पेशेवरों के अटूट समर्पण के कारण, भारत ने 2024 में 18,900 से अधिक अंग प्रत्यारोपण करने का एक उल्लेखनीय मील का पत्थर हासिल किया, जो किसी एक वर्ष में दर्ज किया गया अब तक का सबसे अधिक रिकॉर्ड है। यह 2013 में 5,000 से भी कम प्रत्यारोपणों की तुलना में एक महत्वपूर्ण छलांग है। अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या के मामले में भारत विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन से पीछे।

दधिचि देहदान समिति परिवार बिहार के संस्थापक महासचिव विमल जैन को इस नेक मुहिम को सफल बनाने के लिए पद्म सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। पद्मश्री डॉ. विमल जैन के अनुसार देश में अंगदान को लेकर जागरूकता अब पहले से ज्यादा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी रेडियो द्वारा पूरे भारतवासियों को अंगदान करने हेतु जोर दिया है। जब उन्होंने इस मुहिम की शुरूआत की थी तो तो बहुत कम लोग इसके बारे में जानते थे, परंतु अब बड़े पैमाने पर लोगों के बीच यह मिथ्य खत्म हुआ और लोग जागरूक होकर आगे आ रहे है कि मृत्यु पश्चात अंगदान करके किसी और के जीवन को बचाया व उनके जीवन में रौशनी लाई जा सकती है। लोग अंगदान के लिए आगे आये और अपने आसपास के लोगों को भी इसके बारे में जागरूक करें।

दधिचि देहदान समिति परिवार बिहार के क्षेत्रीय संगठन मंत्री निर्मल जैन के अनुसार अंगों की आवश्यकता और उपलब्ध दाताओं के बीच अंतर के सवाल पर कहते हैं कि अधिक जागरूकता, अधिक जन संवाद, परिवारों की समय पर सहमति और रोगग्रस्त अंगदान को समर्थन देने के लिए एक मज़बूत प्रणाली की आवश्यकता है। प्रत्येक अंगदाता एक मूक नायक है, जिसका निस्वार्थ कार्य दुःख को आशा में और क्षति को जीवन में बदल देता है। एक व्यक्ति हृदय, फेफड़े, यकृत, गुर्दे, अग्न्याशय और आंतें दान करके 8 लोगों की जान बचा सकता है। इसके अतिरिक्त, ऊतक दान के माध्यम से अनगिनत जीवन बदल सकते हैं। उन्होने अंगदान को एक जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया, एक ऐसा जन आंदोलन जो वसुधैव कुटुम्बकम , यानी पूरी दुनिया एक परिवार है, के सार को प्रतिबिंबित करे ।जन जागरण के कारण समाज इसके महत्व को समझने लगा है। इसी का नतीजा है कि बिहार में 1700 बच्चे, जो जन्मजात अंधत्व से पीड़ित थे, उन्हें नई रोशनी मिली है। दधीचि देहदान समिति के लगातार प्रयास के कारण बिहार के 9 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में आई बैंक की स्थापना हो सकी है।इसके अलावा बिहार के मेडिकल कॉलेज के छात्रों को 24 शव उपलब्ध कराए है,ताकि वे चिकित्सा शोध कर सकें। उनके मुताबिक कैंसर पीड़ित छोड़ कर कोई भी व्यक्ति अंगदान कर सकता है।

सरकार की ओर से अंग प्रत्यारोपण को और अधिक सुलभ बनाने के लिए, राष्ट्रीय आरोग्य निधि के अंतर्गत गरीब मरीजों को किडनी, लिवर, हृदय और फेफड़ों के प्रत्यारोपण के लिए 15 लाख तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। गरीब मरीजों को प्रत्यारोपण के बाद चिकित्सा व्यय को पूरा करने के लिए प्रति माह 10,000 तक की सहायता प्रदान की जाती है। किडनी प्रत्यारोपण पैकेज को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में भी शामिल किया गया है।अधिकतर भारतीय आमतौर पर यह मानते हैं कि अंग छेदन धर्म और प्रकृति के खिलाफ है। कुछ लोगों को यह संदेह रहता है कि अंगों को प्राप्त करने के लिए अस्पताल का स्टाफ उनकी जान बचाने के लिए कठिन परिश्रम नहीं करेगा। कुछ लोग यह भी मानते हैं कि अंगों के लालच में उन्हें वास्तविक रूप में मरने से पहले मृत घोषित किया जा सकता है। भारत में गुर्दा प्रत्यारोपण की शुरुआत 1970 के दशक में हुई थी और उसके बाद से एशियाई उप महाद्वीप में भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख राष्ट्र है। पिछले छह दशकों में भारत में अंग प्रत्यारोपण में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। 1994 में मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम पारित होने के बाद से, अंगदान और प्रत्यारोपण की संख्या में वृद्धि हुई है। हालांकि, अंग प्रत्यारोपण की मांग और उपलब्धता के बीच अभी भी एक महत्वपूर्ण अंतर मौजूद है, जिससे अंग प्रत्यारोपण के लिए इंतजार कर रहे मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

टीएचओ अधिनियम के बावजूद न तो अंगों का व्यापार रुका। भारत सरकार ने 2011 में 'मानव अंग प्रत्यारोपण (संशोधन) अधिनियम' पारित किया, जिसमें मानव अंग दान के लिए प्रक्रिया को आसान बनाने के प्रावधान किए गए। इन प्रावधानों में रिट्रिवल सेंटर और मृतक दान कर्ताओं से अंगों के रिट्रिवल के लिए उनका पंजीकरण, स्वैप डोनेशन और गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती संभावित दानकर्ता के निकट संबंधियों से सहमति प्राप्त करने के लिए प्रत्यारोपण समन्वयकर्ता (यदि उपलब्ध हो) की सलाह से अस्पताल के पंजीकृत मेडिकल प्रेक्टिशनर द्वारा अनिवार्य जांच करना और यदि उनकी सहमति हो तो अंगों के रिट्रिवल के लिए रिट्रिवल सेंटर को सूचित करना शामिल है।भारत में मृतक अंगदान की संभावनाएं व्यापक हैं क्योंकि देश में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बहुत अधिक है। इस पूल का इस्तेमाल अभी किया जाना है। किसी भी समय प्रत्येक बड़े शहर में विभिन्न गहन चिकित्सा यूनिटों में 8 से 10 व्यक्तियों की मृत्यु ब्रेन डेथ के रूप में होती है। सभी अस्पतालों में होने वाली कुल मौतों में से करीब 4-6 प्रतिशत मस्तिष्क मृत्यु के रूप में सामने आती हैं। भारत में सड़क दुर्घटनाओं में करीब 1.4 लाख मृत्यु हर वर्ष होती हैं। दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा कराए गए एक अध्ययन के अनुसार इनमें से करीब 65 प्रतिशत मौतें सिर में गंभीर चोट लगने से होती हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि करीब 90 हजार रोगियों की मृत्यु मस्तिष्क आघात से होती है।

ऐसा नहीं है कि लोग अंगदान नहीं करना चाहते। लेकिन अस्पतालों में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है जिससे ब्रेन डेथ की पहचान करके उन्हें प्रमाणित किया जा सके। इसके अलावा मस्तिष्क मृत्यु वाले व्यक्ति के संबंधियों को कोई यह अधिकार प्रदान नहीं करता कि वे उसके अंग दान कर सकें। बच्चे से लेकर बड़े व्यक्ति तक कोई भी अंग दान कर सकता है। मस्तिष्क मृत्यु से अंग दान, जिसे शव संबंधी अंग दान भी कहा जाता है, के मामले भारत में अपेक्षाकृत बहुत कम हैं। स्पेन में प्रति दस लाख आबादी पर 35 व्यक्ति अंग दान करते हैं, ब्रिटेन में ऐसे व्यक्तियों की संख्या 27, अमरीका में 26

आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सरकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें!! का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी।साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी।उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, निश्चित रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ें।उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है।उन्होंने पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने के लिए प्रेरित करने के अतिरिक्त लोगों को योग के माध्यम से अधिक प्रसन्नचित्त तथा अधिक सार्थक जीवन जीवन जीना सिखाने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देकर भारत ने अपनी सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लोगों को अपना परिवार माना है। श्री सद्गुरु ने अपने काम से निश्चित रूप से एक नया पर्यावरण आंदोलन पैदा करने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को जीवंत बनाया है। उन्होंने कहा, वह मिट्टी बचाओ जैसे अभियानों तथा अध्यात्मिकता के माध्यम से दिव्य संदेश दे रहे हैं।अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें। मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा। अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी सराहनीय सोच है।

खेल से होता है बच्चों का संपूर्ण विकास

पढ़ाई के साथ ही खेल भी जीवन के लिए जरुरी है। इसके बिना बच्चे का संपूर्ण विकास नहीं हो सकता।अगर आप चाहते है कि आपके बच्चे का विकास स्वस्थ तरीके से हो तो उसके लिए बच्चों के खेल खेलना बहुत ही जरुरी है। अगर आपके बच्चे किसी तरह का खेल नहीं खेलेंगे तो बच्चो के शरीर की विकास अच्छी तरह से नही होगा न ही वह सक्रिय रहेगे। ऐसे में बच्चो को मोटापा भी नही आता। एक पालक होने के नाते आपको यह जानना आवश्यक है कि बच्चों के जीवन में खेल के क्या फायदे हैं। अगर आप बच्चों को उनके बचपन में खेलने से रोक रहे हैं तो वास्तव में आप उनका बचपन उनसे छीन रहे हैं।आजकल बहुत से स्कूलों में तो बच्चो के लिए खेलने के मैदान ही नही होते। ऐसे में आपको चाहिए कि अपने बच्चे को स्कूल के बाद खेलने के लिए भेजे। इस तरह से आप अधिक अच्छे पालक बन सकते हैं।

खेलों के जरिये सीखते हैं सामाजिकता

जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो उनमें सामाजिक कौशल का बहुत अच्छा विकास होता है। खेलों के दौरान आपका बच्चा अन्य बच्चों से मिलता है और उनसे बातचीत करता है। यह उसके समाजिक कौशल के विकास में सहायक होता है।

मिल जुलकर काम करना

टीम वर्क में आपका बच्चा सीखता है कि किस प्रकार टीम की विजय में योगदान दिया जा सकता है।

होता है मानसिक विकास

जब बच्चें किसी भी तरह का कोर्इ खेल खेलते है तो उनके शरीरिक गतिविधि तो होती ही है। साथ में उनके सिर के अंदर का जो अंग है। उसका विकास होता भी है जो आपके बच्चे को जल्दी सीखने और बढ़ने में सहायक होता है।

खेलों से शारीरिक विकास

खेल या अन्य शारीरिक गतिविधियों से मांसपेशियों का विकास होता है। स्वस्थ हड्डियों और मांसपेशियों के अच्छे विकास के लिए आपको बच्चे को किसी भी तरह का खेल खालने के लिए उत्साहित करना चाहिए।जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो आपके बच्चे की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसके अलावा बच्चे को खुली हवा में छोड़ना अच्छा होता है ताकि उसे अपने आसपास के माहौल का भी पता लगेगा।बच्चो को बताना चाहिए कि जीतना और हारना जीवन का हिस्सा है तथा आपका बच्चा इसे खेल की उन गतिविधियों के माध्यम से सीखता है जिसमें वह हिस्सा लेता है।खेल की गतिविधियों से शारीरिक सहनशीलता बढ़ती है, क्योंकि प्रत्येक गेम आख़िरी तक खेला जाता है जिससे आपका बच्चा सीखता है कि अधिक समय तक गर्मी में कैसे रहा जाता है।खेल खिलाड़ी की सहनशीलता के लिए चुनौती के समान होता है।अगर आपका बच्चा इस प्रकार के खेलों में सहभागी हो ताकि उसकी सहनशीलता बढ़ सके। शारीरिक गतिविधियों में ताकत ही सब कुछ होती है।

स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर रहें सतर्क

आजकल स्कूल में भी बच्चों के साथ होने वाले हादसे और घटनाएं मन में कई सवाल पैदा करती हैं। इससे स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी कई सवाल उठते हैं। इन घटनाओं को देखकर अभिभावकों और बच्चों के मन में डर पैदा होने लगा है। बच्चे अब स्कूलों में भी सुरक्षित नहीं हैं।

स्कूल में बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी जितनी स्कूल पर है, उतनी ही माता-पिता पर भी है। सुरक्षा के लिए जरुरी है कि स्कूल बस में बैठने से लेकर स्कूल पहुंचने तक और फिर स्कूल के दौरान भी बच्चों को ट्रैक करना ना छोड़ें।

अभिभावक ये जरूर करें

ड्राइवर और कंडक्टर का नंबर रखें स्कूल बस के ड्राइवर और कंडक्टर का नंबर रखें। स्कूल पहुंचने से पहले तक ड्राइवर और कंडक्टर से बात करते रहें। आजकल वीडियो कॉल फ्री ऑफ कॉस्ट होता है, अगर कंडक्टर या ड्राइवर के पास स्मार्टफोन है तो उससे वीडियो कॉल में बच्चे से बात कराने को कहें। स्कूल पहुंचते ही बच्चे की अटेंडेंट या क्लास टीचर से तय करें कि बच्चा स्कूल में सुरक्षित पहुंच गया है। आजकल कई तरह के एप्लीकेशन आ गए हैं, जिससे आप अपने बच्चों को ट्रैक कर सकते हैं।बच्चों को डर कर नहीं जीना चाहिए, लेकिन उन्हें ये जरूर समझाएं कि स्कूल में कहीं भी अकेले ना जाए। हमेशा किसी के साथ रहें और जहां कहीं भी जाए अपने दोस्तों और क्लास टीचर को जरूर बताएं।माता-पिता ऐसे स्कूल में ही एडमिशन कराएं, जिसकी घर से दूरी 20 से 25 मिनट की हो। एडमिशन के समय ही यह भी तय कर लें कि स्कूल के सभी क्लास, हॉल, लॉबी, यहां तक कि गार्डन एरिया में भी कैमरे लगे हों और सभी कैमरे काम करते हों और आप उससे कनेक्टेड हों।स्कूल का बाथरूम ट्वायलेट कितना सुरक्षित है इस पर नजर रखें. वहां कोई अटेंडेंट बैठती है या नहीं यह भी ध्यान दें और अपने बच्चे से भी बराबर पूछते रहे। बच्चों का ट्वॉयलेट कहीं बड़े तो इस्तेमाल नहीं करते, इस बारे में भी पता करें।

स्टाफ के बारे में जानकारी रखें

स्कूल में कितने गार्ड हैं और उन सभी का पुलिस वेरिफिकेशन हुआ है या नहीं यह भी पता करें। स्कूल में मौजूद सभी टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ का भी पुलिस वेरिफिकेशन हो और स्टाफ की मानसिक हालत की भी जांच हो।बच्चा अगर स्कूल के बारे में कुछ कह रहा है तो उसे नजरअंदाज ना करें। बात छोटी हो या बड़ी, तसल्ली के लिए संबंधित व्यक्ति से जरूर बात करें।

बच्चों को नाखून चबाने की आदत से बचाएं

बच्चों को कई बार नाखून चबाने की आदत पड़ जाती है जो उनके स्वास्थ के लिए भी नुकसानदेह होती है। बचपन में इसपर अभिभावक ध्यान नहीं देते पर ये स्वास्थ्य अलावा कई प्रकार के नुकसान का कारण बन सकती है। बच्चों के लिए यह आदत न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी हानिकारक हो सकती है। इससे होने वाले नुकसान इस प्रकार हैं ।

दांतों और मसूड़े होते हैं खराब

नाखून चबाने से बच्चों के दांतों और मसूड़ों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इस आदत से दांतों की संरचना बिगड़ सकती है, जिससे दांतों में असंतुलन, दांतों का टेढ़ा होना या मसूड़ों में सूजन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इससे बच्चों को दांतों की समस्याएँ बढ़ सकती हैं।

संक्रमण का खतरा

नाखून चबाने से बच्चों के हाथों से बैक्टीरिया मुंह में जा सकते हैं। यदि बच्चे अपनी उंगलियों को मुंह में डालते हैं और नाखून चबाते हैं, तो यह बैक्टीरिया उनके शरीर में प्रवेश कर सकते हैं और विभिन्न प्रकार के संक्रमण का कारण बन सकते हैं। इससे गले में इंफेक्शन, मौखिक रोग, या पेट में समस्याएँ हो सकती हैं। खासकर अगर बच्चा गंदे हाथों से नाखून चबाता है तो यह और भी खतरनाक हो सकता है।

पाचन तंत्र पर प्रभाव

नाखून चबाने से कुछ बच्चे नाखूनों को निगलने की भी आदत डाल सकते हैं। यदि यह नाखून अंदर पेट में चले जाते हैं, तो यह पाचन तंत्र में अड़चन पैदा कर सकते हैं। इससे पेट की समस्याएँ, जैसे गैस, कब्ज, या आंतों की समस्याएँ हो सकती हैं।

मानसिक तनाव और चिंता

नाखून चबाना कभी-कभी मानसिक तनाव या चिंता का संकेत भी हो सकता है। कई बार बच्चे तब नाखून चबाते हैं जब वे किसी समस्या या चिंता से जूझ रहे होते हैं। यदि यह आदत लगातार बनी रहती है, तो यह मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का संकेत हो सकता है। ऐसे में बच्चे को मानसिक शांति और समर्थन की आवश्यकता होती है, ताकि वह इस आदत से छुटकारा पा सके।

कैसे छुड़ाएं आदत

1 बच्चों को नाखून चबाने से रोकने के लिए सबसे पहले माता-पिता को सकारात्मक वातावरण और प्यार देना चाहिए। बच्चों को समझाना और शांतिपूर्वक बताना कि यह आदत कितनी हानिकारक हो सकती है, उनके लिए सहायक हो सकता है। 2 यदि बच्चे की नाखून चबाने की आदत मानसिक तनाव या चिंता के कारण हो रही है, तो एक अच्छे मनोचिकित्सक से सलाह लेना चाहिए। बच्चे को मानसिक शांति देने के लिए ध्यान, योग, और अन्य तरीके अपनाए जा सकते हैं।3 बच्चों को हमेशा साफ हाथों से भोजन करना और मुंह की सफाई पर ध्यान देने की सलाह दें। साथ ही, बच्चों के नाखूनों की सफाई और नियमित काटने का ध्यान रखें।4 बच्चों को अन्य गतिविधियों में व्यस्त रखना भी उनकी नाखून चबाने की आदत को कम कर सकता है। जैसे कि खेलकूद, चित्रकला, संगीत आदि।

बच्चों के लिए जरुरी है कैल्शियम

कैल्शियम बच्चों के लिए बेहद जरूरी है। इसकी कमी से हड्डियां कमजोर हो जाती है। ऐसे में बच्चों के लिए भी ये काफी जरुरी होता है। इसकी कमी से उनके शरीर पर विपरीत प्रभावि पड़ता है। । ये उनकी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने में मदद करता है। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, उनकी कैल्शियम की जरूरत भी बढ़ जाती है। अगर बच्चों को सही मात्रा में कैल्शियम नहीं मिलता, तो उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

कमी के हैं ये संकेत

कैल्शियम की कमी से बच्चों की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। इसके कारण बच्चों को चलने-फिरने में परेशानी हो सकती है और वे दर्द महसूस कर सकते हैं। इससे शिशु को उठने और बैठने में भी मुश्किल हो सकती है।दांतों की समस्याएंः नवजात शिशुओं में दांतों का देर से आना, दांत कमजोर होना या दांतों में कैविटी की समस्या कैल्शियम की कमी के संकेत होत हैं। मांसपेशियों में दर्द : कैल्शियम की कमी से बच्चों की मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द हो सकता है। यह एक सामान्य लक्षण है जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।शारीरिक विकास की धीमी गतिः अगर बच्चे की लंबाई और वजन अपेक्षित दर से कम बढ़ रहे हैं, तो यह भी कैल्शियम की कमी का संकेत हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर से बच्चों की शारीरिक विकास की ट्रैकिंग के लिए सलाह लें।चिड़चिड़ापनः बच्चों का चिड़चिड़ा होना सामान्य हो सकता है, लेकिन अगर बच्चा हमेशा चिड़चिड़ा रहता है और छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करता है, तो यह कैल्शियम की कमी का एक संकेत हो सकता है।

इस प्रकार कमी दूर करे

कैल्शियम युक्त आहारः बच्चों की डाइट में कैल्शियम से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। दूध, पनीर, दही और छाछ जैसे खाद्य पदार्थ बच्चों के शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा कर सकते हैं।ड्राई फ्रूट्स का सेवनः बच्चों को रोजाना 4 बादाम और 1 अंजीर खिलाएं। इन दोनों में कैल्शियम और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। हमेशा बादाम और अंजीर को पानी में भिगोकर दें।विटामिन डी की प्राप्तिः विटामिन डी कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है। बच्चों को सूरज की रोशनी में बैठने के लिए प्रेरित करें। रोजाना कम से कम आधे घंटे के लिए उन्हें धूप में खेलने का समय दें।नियमित स्वास्थ्य जांचः कैल्शियम की कमी का पता लगाने के लिए बच्चों की नियमित मेडिकल जांच कराना बहुत जरूरी है। डॉक्टर से सलाह लेकर हर 3 महीने में बच्चे की जांच करवाएं।

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आई है। मशहूर अभिनेता संतोष बलराज का 34 साल की उम्र में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से पीलिया से पीड़ित थे और उनका इलाज कर्नाटक के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। हालांकि, इलाज के दौरान ही उन्होंने अंतिम सांस ली। संतोष बलराज, प्रसिद्ध कन्नड़ फिल्म प्रोड्यूसर अनेकल बलराज के बेटे थे, जिनका तीन साल पहले ही निधन हो गया था। अब संतोष के जाने के बाद उनके परिवार में केवल उनकी मां रह गई हैं। संतोष ने कम उम्र में ही अभिनय की दुनिया में कदम रखा था और कई हिट फिल्मों में नजर आए थे। उनकी दमदार एक्टिंग और ऑन-स्क्रीन प्रेजेंस ने उन्हें कन्नड़ दर्शकों का चहेता बना दिया था। उनके आकस्मिक निधन से इंडस्ट्री के साथी कलाकार, डायरेक्टर्स और फैंस में गहरा दुख है। सोशल मीडिया पर उनके लिए श्रद्धांजलियों का तांता लगा हुआ है। इंडस्ट्री के दिग्गजों ने उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं जताई हैं और कहा कि संतोष का जाना सिनेमा जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

सारा अली और उर्वशी ने जताई चिंता

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में 5 अगस्त को बादल फटने की घटना ने पूरे देश को दहला दिया। धराली गांव और हर्षिल आर्मी कैंप के पास हुए दो बड़े लैंडस्लाइड में अब तक 4 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और 50 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। खीरगाड़ इलाके में आई तबाही के बाद कई गांवों का संपर्क टूट गया है। इस प्राकृतिक आपदा के कई वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिनमें तबाही की भयावह तस्वीरें सामने आई हैं। इस दिल दहलाने वाले हादसे ने बॉलीवुड सेलेब्रिटीज को भी झकझोर दिया है। एक्ट्रेस सारा अली खान ने पीड़ितों के लिए सोशल मीडिया पर एक हेल्पलाइन नंबर शेयर करते हुए लोगों से मदद की अपील की है। वहीं उर्वशी रौतेला, जो खुद उत्तराखंड से ताल्लुक रखती हैं, ने फैंस से अपील की है कि वे राहत कार्यों में अपना योगदान दें। उन्होंने सरकार से बचाव और राहत कार्य तेज करने की मांग की है। तमाम बॉलीवुड हस्तियों ने भी सोशल मीडिया पर संवेदनाएं जताईं हैं।

मां की साड़ी में दिखीं भावुक

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री काजोल ने 5 अगस्त को अपना 51वां जन्मदिन खास अंदाज में मनाया था। इस अवसर को और भी खास बना दिया महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार 2025 समारोह ने, जहां काजोल को उनके दशकों लंबे फिल्मी करियर और भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए 'राज कपूर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मुंबई में आयोजित किया गया था और इसमें फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। काजोल समारोह में अपनी मां तनुजा की साड़ी पहनकर पहुंचीं, जिससे ये पल उनके लिए और भी भावनात्मक बन गया। उन्होंने पुरस्कार ग्रहण करते वक्त कहा कि यह सम्मान उनके परिवार और उनके फैंस को समर्पित है, जिन्होंने हमेशा उनका साथ दिया। काजोल ने अपने भाषण में पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि फिल्म इंडस्ट्री उनका दूसरा घर है और उन्होंने यहां जिंदगी भर की सीख पाई है। सोशल मीडिया पर फैंस और साथी कलाकारों ने उन्हें जन्मदिन और पुरस्कार दोनों के लिए ढेरों बधाइयां दीं।

केली मैक का ब्रेन कैंसर से निधन

हॉलीवुड की लोकप्रिय एक्ट्रेस केली मैक, जिन्हें नेटफ्लिक्स की सीरीज 'द वॉकिंग डेड' में उनके किरदार के लिए जाना जाता है, अब इस दुनिया में नहीं रहीं। 33 वर्षीय केली पिछले एक साल से ब्रेन कैंसर से जूझ रही थीं और उन्होंने हाल ही में अंतिम सांस ली। उनके निधन की पुष्टि उनके परिवार ने की है। केली का करियर भले ही छोटा रहा, लेकिन उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। द वॉकिंग डेड में उनका किरदार दर्शकों को बहुत पसंद आया था। उनके निधन की खबर सुनते ही सोशल मीडिया पर फैंस ने शोक जताना शुरू कर दिया। हजारों फैंस ने उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके संघर्ष को सलाम किया। हॉलीवुड इंडस्ट्री के कई बड़े सितारों ने भी उनके निधन पर दुख जताया। केली की निजी जिंदगी काफी सादा थी और वे हमेशा अपने काम को प्राथमिकता देती थीं। उनका असमय जाना फिल्म इंडस्ट्री के लिए एक बड़ा नुकसान है।

दिलजीत दोसांझ ने की बॉर्डर 2 की शूटिंग पूरी

मुंबई (ईएमएस)। पंजाबी गायक, एक्टर दिलजीत दोसांझ न केवल बॉर्डर 2 की शूटिंग पूरी कर चुके हैं, बल्कि नो एंट्री 2 में भी उनकी वापसी हो चुकी है। पहले ऐसी खबरें थीं कि दिलजीत ने नो एंट्री 2 से खुद को बाहर कर लिया है, जिसकी वजह कभी क्रिएटिव डिफरेंसेस तो कभी डेट्स की टकराहट बताई गई। कुछ रिपोर्ट्स ने यह भी दावा किया कि सरदार जी 3 में पाकिस्तानी अभिनेत्री की मौजूदगी के चलते उन्हें फिल्म से बाहर कर दिया गया। लेकिन अब एक भरोसेमंद मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दिलजीत दोसांझ फिल्म का हिस्सा बने रहेंगे। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने जानकारी दी कि 'नो एंट्री 2' की शूटिंग अक्टूबर के बाद शुरू होगी।एक महीने के शूटिंग शेड्यूल में टीम भारत, इटली और ग्रीस जैसे देशों में फिल्म की शूटिंग करेगी। इस बार फिल्म की कहानी थोड़ी बदली हुई होगी, लेकिन थीम वही रहेगी – तीन मर्द, तीन शादियां और तीन एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर। इसे नो एंट्री का स्पिरिचुअल सीक्वल बताया जा रहा है। फिल्म के निर्माता बोनी कपूर और निर्देशक अनीस बज्मी कलाकारों की डेट्स को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। अनीस बज्मी स्क्रिप्ट पूरी कर चुके हैं और जल्द ही फिल्म को लेकर आधिकारिक घोषणा की जाएगी। दिलचस्प बात यह है कि जब दिलजीत 'बॉर्डर 2' की शूटिंग कर रहे थे, उसी दौरान बोनी कपूर और अनीस बज्मी उनसे मिलने सेट पर पहुंचे थे। इस मुलाकात की तस्वीर खुद दिलजीत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थी, जिसने उनकी नो एंट्री 2 में वापसी की अटकलों को हवा दी थी।अब जब पुष्टि हो चुकी है कि वह फिल्म का हिस्सा हैं, तो फैन्स एक बार फिर से दिलजीत की कॉमिक टाइमिंग और स्क्रीन प्रेजेंस को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं। बता दें कि फिल्म सरदार जी 3 में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर के साथ नजर आने के बाद दिलजीत दोसांझ विवादों में घिर गए थे। इस विवाद ने तब और जोर पकड़ा जब यह खबर आई कि उन्हें बॉर्डर 2 और नो एंट्री 2 जैसी फिल्मों से हटा दिया गया है। लेकिन अब इन अटकलों पर विराम लग गया है।

संक्षिप्त खबरें

जेम बना दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सरकारी ई-बाजार मंच

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार के डिजिटल मार्केटप्लेस गवर्नमेंट ई मार्केट (जेम) ने अपनी 9वीं वर्षगांठ पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल से जुलाई के बीच जेम पर 1.41 लाख करोड़ मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं की खरीद-फरोख्त हुई। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में जेम सकल व्यापार मूल्य बढ़कर 5.4 लाख करोड़ तक पहुंच गया। इस प्रदर्शन के साथ जेम अब दक्षिण कोरिया के कोनेप्स (100 अरब डॉलर) और अमेरिका के जीएसए (87.5 अरब डॉलर) के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सरकारी ई-बाजार मंच बन गया है। जेम ने सरकारी खरीद को अधिक पारदर्शी, सुलभ और कुशल बनाया है, जिससे छोटे विक्रेताओं और स्टार्टअप्स को भी सरकारी आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ने का अवसर मिला है।

बीएसएनएल को नया लक्ष्य : सेवा सुधारें, कारोबार बढ़ाएं

नई दिल्ली (ईएमएस)। दूरसंचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में बीएसएनएल की सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने सर्किल अधिकारियों को सेवा की गुणवत्ता बेहतर करने, टावरों की बिजली समस्याएं हल करने और फाइबर कट जैसी तकनीकी बाधाओं को समय पर ठीक करने के निर्देश दिए। मंत्री ने स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नई विपणन रणनीतियां अपनाने पर भी जोर दिया। इससे पहले, केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बीएसएनएल से अगले वर्ष तक अपने मोबाइल सेवाओं में 50 फीसदी तक वृद्धि करने और ज्यादा ग्राहकों को जोड़ने को कहा था। समीक्षा बैठक में सभी व्यावसायिक इकाइयों को उद्यम व्यवसाय में 25-30 फीसदी और फिक्स्ड लाइन सेवाओं में 15-20 फीसदी तक वृद्धि का लक्ष्य दिया गया।

बारिश से बिगड़ा रसोई का बजटः दिल्ली-एनसीआर में सब्जियों और सरसों तेल के दाम दोगुने हुए

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली-एनसीआर में बीते कुछ हफ्तों से जारी बारिश ने आम जनता की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। सब्जियों की सप्लाई पर असर पड़ने से टमाटर, शिमला मिर्च, भिंडी, गोभी और धनिया जैसे रोजमर्रा की सब्जियों के दाम लगभग दोगुने हो गए हैं। आजादपुर मंडी के व्यापारियों के अनुसार, लगातार बारिश के चलते खेतों से सब्जियां समय पर नहीं आ पा रही हैं और जो आ रही हैं, वे जल्दी खराब हो रही हैं। इससे मंडी में सब्जियों की आवक कम हो गई है और कीमतों में तेजी आई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में टमाटर का औसत खुदरा भाव 73 रुपये प्रति किलो तक पहुंच चुका है, जबकि सरकारी एजेंसियां इसे 47 से 60 रुपये किलो की दर पर बेच रही हैं। उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत में भारी बारिश को इस संकट की मुख्य वजह माना जा रहा है। वहीं, मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों में सब्जियों के दाम अब भी स्थिर बने हुए हैं। सिर्फ सब्जियां ही नहीं, सरसों तेल की कीमतों में भी तेजी देखने को मिल रही है। दो हफ्ते पहले तक 170 रुपये लीटर बिकने वाला तेल अब 195 रुपये में मिल रहा है। व्यापारियों का अनुमान है कि यह कीमत जल्द ही 200 रुपये के पार जा सकती है। कम उत्पादन और मंडियों में सरसों की कम आवक को इसकी वजह बताया जा रहा है। अगर बारिश ऐसे ही जारी रही, तो आने वाले दिनों में महंगाई और भी ज्यादा बढ़ सकती है।

कोऑपरेटिव सोसाइटी पर धोखाधड़ी का आरोप, आरबीआई करेगी जांच

गोरखपुर (ईएमएस)। गोरखपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र में संचालित 'द लोनी अर्बन मल्टी-स्टेट थ्रेफ्ट कोऑपरेटिव सोसाइटी' ने लोगों को रुपये दोगुने करने का लालच देकर करोड़ों की ठगी की है। संस्था ने करीब आठ करोड़ रुपये जुटाकर अचानक गतिविधियां बंद कर दीं और फरार हो गई। इस धोखाधड़ी के आरोप में 500 से अधिक निवेशकों ने शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस जांच में पता चला है कि सोसाइटी के खिलाफ वाराणसी, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में भी मामले दर्ज हैं। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में इस संस्था से जुड़े पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। साल 2017 में गोरखपुर के घोष कंपनी चौराहे पर इस सोसाइटी का कार्यालय खुला था। निवेशकों की संख्या बढ़ने पर इसका कार्यालय एल्युमिनियम फैक्ट्री के पास स्थानांतरित कर दिया गया था। संस्था के लगभग 45 एजेंट निवेशकों को पांच साल में रुपये दोगुने करने का लालच देकर जोड़ते रहे। शुरुआत में 2024 तक कुछ रकम लौटाई भी गई, लेकिन बाद में वेबसाइट और भुगतान बंद हो गए। कोतवाली थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर इस मामले में 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने एजेंटों द्वारा दिए गए साक्ष्य आरबीआइ को भेजे हैं और उसके जवाब के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सीओ कोतवाली ने बताया कि आरबीआइ से जवाब मिलने के बाद जांच को और व्यापक किया जाएगा। इस धोखाधड़ी ने हजारों निवेशकों को आर्थिक रूप से ठगा है और मामले की जांच तेज़ी से जारी है। पुलिस एवं प्रशासन पीड़ितों को न्याय दिलाने में जुटा हुआ है।

रेलवे में आने और जाने का टिकट एक साथ बुक करने पर 20 फीसदी डिस्काउंट मिलेगा

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने त्योहारों के सीजन में यात्रियों की सुविधा और भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए एक नई राउंड ट्रिप पैकेज स्कीम की घोषणा की है। इस योजना के तहत यदि यात्री अपनी रिटर्न यात्रा तय समय सीमा के भीतर बुक करते हैं, तो उन्हें रिटर्न टिकट पर 20 फीसदी की छूट दी जाएगी। यह योजना 14 अगस्त से शुरू होकर 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2025 तक की अवधि के लिए पहली यात्रा के टिकट बुकिंग पर लागू होगी। योजना के तहत यात्रियों को पहले अपनी ऑनवर्ड जर्नी यानी पहली यात्रा के टिकट को निश्चित करना होगा। इसके बाद वे 17 नवंबर से 1 दिसंबर 2025 के बीच की तारीख के लिए अपनी वापसी यात्रा का टिकट 'कनेक्टिंग जर्नी फीचर' के माध्यम से बुक कर सकते हैं। इस स्कीम में छूट केवल रिटर्न टिकट के बेस किराए पर लागू होगी और दोनों टिकट एक ही यात्री के नाम पर होना अनिवार्य है। रेलवे ने बताया कि रिटर्न टिकट के लिए एडवांस रिजर्वेशन पीरियड लागू नहीं होगा, जिससे यात्रियों को अधिक लचीलापन मिलेगा। यह योजना फिलहाल एक्सपेरिमेंटल बेसिस पर शुरू की गई है ताकि इसके प्रभाव और यात्रियों की प्रतिक्रिया को समझा जा सके। रेलवे का उद्देश्य इस योजना के जरिए त्योहारों के दौरान ट्रेनों की क्षमता का अधिकतम उपयोग करना और यात्रियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना है।

वोल्टास का मुनाफा 58 फीसदी घटा, राजस्व में भी गिरावट

मुंबई (ईएमएस)। टाटा समूह की कंपनी वोल्टास लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2025) के नतीजे जारी कर दिए हैं, जिनमें कंपनी के मुनाफे और राजस्व दोनों में भारी गिरावट देखी गई है। इस तिमाही में वोल्टास का नेट प्रॉफिट 58 प्रतिशत घटकर 140.61 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 335 करोड़ रुपये था। कंपनी के राजस्व में भी 20.22 प्रतिशत की कमी आई है और यह 3,912.29 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो कि पिछले साल इसी तिमाही में 4,903.91 करोड़ रुपये था। वोल्टास ने आय विवरण में बताया कि इस तिमाही में मुनाफे और बिक्री में कमी का मुख्य कारण मौसम से जुड़ा है। इस बार गर्मी देर से आई, तापमान सामान्य से कम रहा और मानसून जल्दी शुरू हो गया, जिससे एयर कंडीशनर और अन्य कूलिंग उत्पादों की मांग में गिरावट आई। यह मौसमी बदलाव वोल्टास के मुख्य उत्पादों की बिक्री पर असर डालने वाला साबित हुआ। शेयर बाजार में वोल्टास के शेयर पर भी असर दिखा। शुक्रवार को वोल्टास का शेयर 1303.70 रुपये पर बंद हुआ, जो पिछले दिन के मुकाबले मामूली गिरावट दर्शाता है। इस दौरान शेयर का ट्रेडिंग रेंज 1294 रुपये से 1321 रुपये के बीच रहा। सितंबर 2024 में इस शेयर ने 1,946.20 रुपये का 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर छुआ था, जबकि फरवरी 2025 में 1,135.55 रुपये का निचला स्तर देखा गया था।

'भारत का रक्षा उत्पादन 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर' : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली : भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 2024-25 में 1,50,590 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को यह बात कही। रक्षा उत्पादन में पिछले वित्त वर्ष के 1.27 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले लगभग 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड हाई परः राजनाथ

सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा, "वित्त वर्ष 2024-25 में वार्षिक रक्षा उत्पादन बढ़कर 1,50,590 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है।"

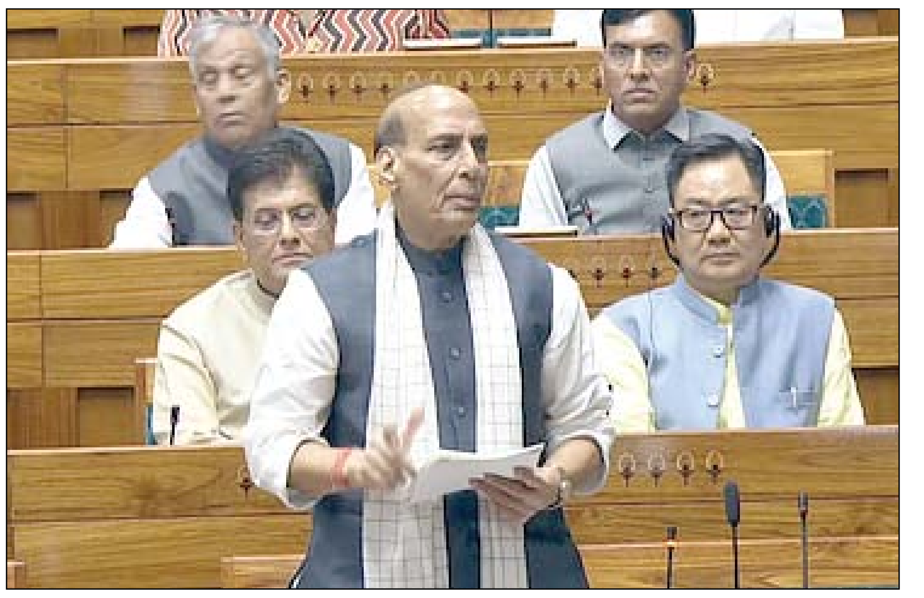

रक्षा उत्पादन में 2019-20 की तुलना में 90 फीसदी की आश्चर्यजनक वृद्धि

रक्षा मंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "ये संख्या पिछले वित्त वर्ष के 1.27 लाख करोड़ रुपये के उत्पादन की तुलना में 18 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि और 2019-20 के बाद से 90 प्रतिशत की आश्चर्यजनक वृद्धि दर्शाती है। तब यह आंकड़ा 79,071 करोड़ रुपये था।"

रक्षा मंत्री बोले- सभी हितधारकों के सामुहिक प्रयासों से मिली सफलता

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में इस उपलब्धि को हासिल करने में रक्षा उत्पादन विभाग और सभी हितधारकों, जिनमें रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक इकाइयां और निजी उद्योग शामिल हैं। उन्होंने 'सामूहिक प्रयासों' की सराहना की, और इसे 'ऐतिहासिक उपलब्धि' बताया। रक्षा मंत्री ने कहा, "रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में बढ़ती हुई प्रगति भारत के मजबूत होते रक्षा औद्योगिक आधार का स्पष्ट संकेत है।"

रक्षा उपकरणों के निर्माण में भारत बना आत्मनिर्भरः रिपोर्ट

हाल ही में आई स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिप्री) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत अब रक्षा उपकरणों में आत्मनिर्भर बनने के साथ ही उन्हें निर्यात करने वाला एक उभरता वैश्विक खिलाड़ी बन चुका है। 2014 से 2024 तक भारत के रक्षा आयात में 34% की उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है, जबकि रक्षा निर्यात में 700% से अधिक की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। भारत हथियारों के मामले में बहुत तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है।

एथेनॉल मिले पेट्रोल से घट रहा माइलेज पुराने वाहनों के मालिक चिंतित

सर्वे में 44 फीसदी लोगों ने ई20 फ्यूल का नहीं किया समर्थन

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार ने पेट्रोल में एथेनॉल मिलाकर ईंधन आयात पर निर्भरता घटाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। देशभर के पेट्रोल पंपों पर अब ई20 फ्यूल की बिक्री शुरु हो गई है, जिसमें 20फीसदी इथेनॉल और 80फीसदी पेट्रोल होता है। यह जैविक ईंधन गन्ना या मकई जैसी फसलों से बनता है और इसे पर्यावरण के अनुकूल किफायती विकल्प माना जा रहा है। इस नए ईंधन ने पुराने वाहनों मालिकों की चिंता बढ़ा दी है। एक सर्वे से पता चला है कि अप्रैल 2023 से पहले खरीदे गए वाहनों के मालिकों में से ज्यादातर ने माइलेज में कमी की शिकायत की है। सर्वे में बताया गया है कि 2022 या उससे पहले खरीदी गई कारों के करीब दो-तिहाई मालिकों ने स्वीकार किया कि ई20 फ्यूल के

इस्तेमाल से उनके वाहनों की फ्यूल एफिशिएंसी पहले से कम हो गई है। तकरीबन 14 हजार लोगों से बातचीत में 44फीसदी लोगों ने कहा कि वे ई20 फ्यूल का समर्थन नहीं करते हैं, जबकि 22फीसदी लोगों ने कहा कि अगर उन्हें विकल्प मिले, जैसे ई5 या ई10 चुनने का, तो वे समर्थन करेंगे। सर्वे में केवल 12फीसदी लोगों ने ई20 को पूरी तरह समर्थन दिया और बाकी ने कोई राय नहीं दी। माइलेज को लेकर पूछे गए सवाल में 11फीसदी लोगों ने बताया कि उनके वाहन का माइलेज 20फीसदी तक घटा है, जबकि 22फीसदी ने इसे 15-20फीसदी और 11फीसदी ने 10-15फीसदी बताया। कुछ लोगों ने 5-10फीसदी या 2-5फीसदी की गिरावट मानी, जबकि 11फीसदी लोगों ने कोई असर न होने की बात कही है। सरकार ने भी माना है कि इथेनॉल की एनर्जी डेंसिटी कम होने के कारण माइलेज में मामूली गिरावट आ सकती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मुताबिक ई10 के लिए डिज़ाइन और ई20 के लिए कैलिब्रेट किए गए वाहनों में माइलेज 1-2फीसदी तक घट सकता है, जबकि पुराने वाहनों में यह गिरावट 3-6फीसदी तक हो सकती है। साथ ही कुछ पुराने वाहनों में रबर पुर्जों या गैस्केट्स को 20 से 30 हजार किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद बदलने की जरूरत हो सकती है, लेकिन यह खर्च मामूली होता है और सामान्य सर्विसिंग में निपटाया जा सकता है।

भारत में तैयार हो रहे अब अमेरिका में बिकने वाले आईफोन्स

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका में बिकने वाले ज्यादातर आईफोन अब भारत में तैयार हो रहे हैं। इसकी पुष्टि की है एप्पल के सीईओ टिम कुक ने। कंपनी की पिछली तिमाही की कमाई के बाद टिम कुक ने ऐनालिस्ट्स से बात करते हुए कहा कि भारत अब अमेरिकी मार्केट के लिए आईफोन प्रोडक्शन का मुख्य केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि चीन में होने वाली मैन्युफैक्चरिंग अब अमेरिकी बाजार के बजाय अंतरराष्ट्रीय मार्केट्स पर केंद्रित है। कुक ने दोहराया, कंट्री ऑफ ओरिजिन के संदर्भ में स्थिति वैसी ही है जैसी पिछली तिमाही में थी कोई बदलाव नहीं। यानी अमेरिका में बिकने वाले अधिकांश आईफोन्स का ओरिजिन अब भारत है।आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग रणनीति अब प्रोडक्ट के आधार पर बंटी हुई है। जहां आईफोन का प्रोडक्शन भारत में केंद्रित है, वहीं मैकबुक, आईपेड और एप्पल वॉच जैसे प्रोडक्ट्स के लिए वियतनाम को प्राइमरी मैन्युफैक्चरिंग बेस बनाया गया है। इंटरनेशनल मार्केट्स के लिए अब भी अधिकतर

उत्पाद चीन से ही सप्लाई हो रहे हैं। टिम कुक ने यह भी बताया कि भारत केवल एक मैन्युफैक्चरिंग हब ही नहीं, बल्कि तेजी से बढ़ते बाजार के रूप में भी सामने आया है।

उन्होंने कहा कि कंपनी को भारत में खासकर आईफोन की बिक्री से रिकॉर्ड ग्रोथ की उम्मीद है। जून तिमाही में भारत उन चुनिंदा दो दर्जन देशों में शामिल रहा, जहां एप्पल ने रेवेन्यू के नए रिकॉर्ड बनाए हैं। हालांकि, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत में हो रही आईफोन मैन्युफैक्चरिंग से खुश नहीं हैं। मई में दोहा दौरे के दौरान उन्होंने टिम कुक से अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा था, "मैं सुन रहा हूं कि आप भारत में मैन्युफैक्चरिंग कर रहे हैं।

विदेशी बिकवाली और वैश्विक दबावों से सेंसेक्स-निफ्टी में आई गिरावट

सेंसेक्स 765.47 अंक गिरकर बंद हुआ

निफ्टी 232.85 अंक टूटकर बंद हुआ

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार में 8 अगस्त को एक बार फिर तेज गिरावट देखने को मिली। अमेरिकी टैरिफ को लेकर बढ़ती चिंताओं और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने बाजार पर दबाव बनाए रखा। बीएसई सेंसेक्स 765.47 अंक गिरकर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 232.85 अंक टूटकर बंद हुआ। यह लगातार छठा हफ्ता है जब निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुआ है, जो पिछली बार 2020 में कोविड काल के दौरान देखा गया था। हफ्ते की शुरुआत सोमवार को कमजोरी के साथ हुई, सेंसेक्स ने दिन में ऊंचे स्तर 82,200 को छुआ, लेकिन अंत में हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी भी शुरुआती गिरावट से उबरकर 25,090.70 पर बंद हुआ। मंगलवार को बाजार ने सकारात्मक शुरुआत की, लेकिन दिन के अंत तक दोनों प्रमुख सूचकांक गिरावट में बंद हुए। बुधवार को अमेरिका और जापान के बीच व्यापार समझौते की खबर से बाजार में मजबूती लौटी और सेंसेक्स 539.83 अंक की उछाल के साथ 82,726.64 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 159 अंक चढ़कर 25,219.90 पर पहुंचा। गुरुवार को एक बार फिर बाजार में कमजोरी देखने को मिली। विदेशी फंड्स की बिकवाली और कुछ बड़ी कंपनियों में गिरावट के कारण सेंसेक्स 542.47 अंक लुढ़क गया। निफ्टी में भी 157.80 अंकों की गिरावट आई। शुक्रवार को बजाज फाइनेंस और अन्य प्रमुख शेयरों में बिकवाली के चलते सेंसेक्स 765.47 अंक गिरकर 81,463.09 पर और निफ्टी 232.85 अंक टूटकर 24,837.00 पर बंद हुआ। कमजोर वैश्विक संकेतों और एफआईआई की बिकवाली से निवेशकों का भरोसा डगमगाया है। विश्लेषकों का मानना है कि जब तक वैश्विक स्थिति स्थिर नहीं होती और एफआईआई की बिकवाली थमती नहीं, बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

जल्द ही नई 7-सीटर एमपीवी पेश करने वाली है निसान

नई दिल्ली (ईएमएस)। निसान मोटर इंडिया कंपनी एक नई 7-सीटर एमपीवी पेश करने वाली है। बताया जा रहा है कि यह कार रेनो ट्राइबर के प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी, लेकिन इसका डिजाइन और पहचान पूरी तरह अलग होगी। कंपनी ने अपनी अपकमिंग कार को लेकर एक नया टीज़र जारी किया है, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है। यह एमपीवी भारत में निसान की फ्यूचर लाइन-अप का हिस्सा होगी और इसके 2026 में लॉन्च होने की उम्मीद है। इस साल के अंत तक कंपनी इसे आधिकारिक रूप से पेश कर सकती है।

निसान की यह अपकमिंग एमपीवी उसी सीएमएफ-ए प्लस प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी, जिस पर रेनो ट्राइबर बनी है। हालांकि, इसे सिर्फ एक री-बैज मॉडल की बजाय एक स्टैंडअलोन कार के रूप में डेवलप किया जा रहा है, जिससे इसमें नया डिजाइन, अपडेटेड इंटीरियर और कुछ विशिष्ट फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। इसका मुकाबला सीधे तौर पर रेनो ट्राइबर, मारुति अर्टिगा, किआ कैरेंस और टोयोटा इनोवा जैसे मॉडल्स से होगा। जन की बात करें तो इसमें ट्राइबर जैसा ही 1.0-लीटर, 3-सिलेंडर पेट्रोल इंजन दिया जा सकता है, जो 71 बीएचपी की पावर और 96 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसे 5-स्पीड मैनुअल या एएमटी गियरबॉक्स के साथ लाया जा सकता है। इसकी कीमत रेनो ट्राइबर के करीब यानी रुपए 6.5 लाख से शुरू हो सकती है।

इस लॉन्च के साथ निसान की भारत में अपकमिंग कारों की संख्या चार हो जाएगी, जिनमें एक 5-सीटर और 7-सीटर सी-एसयूवी, एक मास-मार्केट ईवी और यह नई एमपीवी शामिल हैं। डिजाइन की बात करें तो यह एमपीवी फ्रंट में नई ग्रिल और हेडलैंप के साथ आ सकती है। साथ ही, इसमें सी-आकार के एलिमेंट्स वाला बड़ा फ्रंट बंपर, नए स्टाइल की एलईडी टेललाइट्स, रूफ रेल्स और नए अलॉय व्हील्स दिए जा सकते हैं। इंटीरियर का खुलासा अभी नहीं हुआ है, लेकिन उम्मीद है कि यह हाल ही में अपडेट हुई ट्राइबर की तरह डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल और बड़ा इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ आएगी।

'भारत किसी के आगे नहीं झुकेगा', टैरिफ पर अमेरिका के साथ बढ़ रहे तनाव पर बोले केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली : अमेरिका की ओर से 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के एलान के बाद बढ़ते तनाव के बीच केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने पीयूष गोयल ने भारत का स्टैंड साफ किया है। केंद्रीय मंत्री ने एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए कहा कि भारत किसी के आगे नहीं झुकेगा।

वैश्विक व्यापार समूहों के साथ भारत के भविष्य के जुड़ाव के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने कहा कि आज देश "बहुत अधिक मजबूत और आत्मविश्वास से भरा हुआ है। यह सालाना साढ़े छह प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है और इसमें तेजी आने की संभावना है।

केंद्रीय मंत्री इस विचार को नकारते हुए कि दुनिया "विभूमंडलीकरण" का सामना कर रही है, तर्क दिया कि देश अब अपने लिए व्यापार मार्गों और साझेदारों को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "मुझे पूरा विश्वास है कि भारत इस साल पिछले साल की तुलना में ज्यादा निर्यात करेगा।" उन्होंने आगे कहा कि व्यापार बाधाओं से निपटने के लिए पहले से ही उपाय किए जा

रहे हैं।" भविष्य के मुक्त व्यापार समझौतों पर, गोयल ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण केवल शुल्क रियायतों की मांग से आगे बढ़ चुका है। चार देशों के ईएफटीए समूह के साथ हुई बातचीत को याद करते हुए, उन्होंने उनसे कहा, "हम 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हमारे पास युवाओं की शक्ति है, जबकि आपकी आबादी बूढ़ी होती जा रही है।" उन्होंने कहा कि ईएफटीए के सदस्य देश भारत में 100 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने पर सहमत हुए हैं, जिससे 10 लाख प्रत्यक्ष रोज़गार और कुल मिलाकर लगभग 50 लाख नौकरियाँ पैदा होंगी। उन्होंने आगे कहा, "1 अक्तूबर से ईएफटीए समझौता लागू हो जाएगा और इसके लाभ दिखाई देने लगेंगे।"

गोयल ने भारतीय अर्थव्यवस्था को "मृत" कहने के लिए कांग्रेस सांसद की भी आलोचना की और कहा कि देश कांग्रेस के उत्तराधिकारी को कभी नहीं भूलेगा।

उन्होंने कहा, "विपक्ष के नेता की ओर से नकारात्मक कहानी को दोहराना शर्म की बात है। मैं इसके लिए उनकी निंदा करता हूं और स्पष्ट रूप से कहूं तो, देश राहुल गांधी को भारत की ओर से दुनिया के सामने रखी जा रही इन अपमानजनक टिप्पणियों के लिए कभी माफ नहीं करेगा।"

भारत की आर्थिक मजबूती के बारे में बताते हुए गोयल ने कहा कि देश की मुद्रा, विदेशी मुद्रा भंडार, शेयर बाजार और बुनियादी बातें मजबूत बनी हुई हैं और महंगाई अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में दुनिया में सबसे कम है।

गोयल ने कहा, "पूरी दुनिया हमें सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में मानती है, जो वैश्विक विकास में 16 प्रतिशत का योगदान दे रही है।" उन्होंने कहा कि भारत के 1.4 अरब युवा, कुशल और महत्वाकांक्षी नागरिक वैश्विक साझेदारों के लिए एक शक्तिशाली आकर्षण हैं।

उन्होंने वर्ष 2000 के बाद से भारत में हुए बदलावों का भी जिक्र किया और हजारों नौकरियां पैदा करने का श्रेय आईटी उद्योग को दिया। केंद्रीय मंत्री ने याद दिलाया कि कैसे देश ने कोविड-19 संकट को एक अवसर में बदल दिया। उन्होंने कहा, "चुनौतीपूर्ण समय में भारत हमेशा विजयी होकर उभरेगा।"

गोयल ने कहा कि भारत आने वाले वर्षों में संयुक्त अरब अमीरात, मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, ईएफटीए ब्लॉक, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, चिली, पेरू, न्यूजीलैंड, अमेरिका और अन्य देशों के साथ व्यापार समझौतों को सक्रियता से आगे बढ़ा रहा है या उन्हें अंतिम रूप दे रहा है।

उन्होंने कहा, "भारत आज अधिक मजबूत है, अधिक सम्मानित है, जिसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसे कद्दावर नेता कर रहे हैं।" उन्होंने उभरते वैश्विक व्यापार क्रम में भारत के स्थान के प्रति अपनी आशा व्यक्त की।

15 को अलास्का में ट्रंप-पुतिन करेंगे मुलाकात रुस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने होगी बात

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दिए संकेत, दोनों देशों में कुछ क्षेत्रों की होगी अदला-बदली

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह रुस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने बातचीत करने के लिए 15 अगस्त को अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट में कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में मेरे और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बहुप्रतीक्षित मुलाकात 15 अगस्त को ग्रेट स्टेट अलास्का में होगी।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक क्रेमलिन के सहयोगी यूरी उशाकोव के हवाले से इस मुलाकात की पुष्टि की। ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की भी शांति वार्ता में शामिल थे और दोनों पक्ष तीन साल से चल रहे संघर्ष को सुलझाने के लिए युद्धविराम समझौते के करीब थे। ट्रंप ने किसी भी समझौते में ज़ेलेंस्की की भूमिका पर ज़ोर दिया। ज़ेलेंस्की को अपनी सारी ज़रूरतें पूरी करनी होंगी, क्योंकि उन्हें किसी समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार होना होगा और मुझे लगता है कि वह इसे पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया है कि इस समझौते में ज़मीन का कुछ आदान-प्रदान शामिल होगा। दोनों देशों के हित में कुछ क्षेत्रों की अदला-बदली होगी। ट्रंप की यह घोषणा व्हाइट हाउस में आर्मेनिया और अज़रबैजान के बीच शांति समझौते के कुछ ही घंटों बाद आई, जिसे उन्होंने कई वैश्विक संघर्षों को सुलझाने के लिए एक आक्रामक प्रयास बताया है। राष्ट्रपति पद पर वापसी के बाद यह मुलाकात ट्रंप की पुतिन से पहली आमने-सामने मुलाक़ात होगी।अलास्का का चुनाव जो रणनीतिक रूप से अमेरिका और रूस के बीच स्थित है। इस वार्ता के प्रतीकात्मक महत्व को रेखांकित करता है। पुतिन की अलास्का यात्रा एक दशक में उनकी पहली अमेरिका यात्रा होगी। उन्होंने पिछली बार सितंबर 2015 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान राष्ट्रपति बराक ओबामा से मुलाकात करते हुए अमेरिका का दौरा किया था।रिपोर्ट में विदेश विभाग के मुताबिक रूस के नेता के रूप में पुतिन की पहली अमेरिका यात्रा 2000 में हुई थी जब उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मिलेनियम शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति बिल क्लिंटन से मुलाकात की थी। 2015 की यात्रा राष्ट्रपति के रूप में उनकी सातवीं यात्रा थी, जिससे अलास्का में ट्रंप के साथ उनकी आगामी बैठक आठवीं होगी। इस बीच, क्रेमलिन ने कहा है कि पुतिन ने चीनी नेता शी जिनपिंग को अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ के साथ अपनी बैठक के बारे में जानकारी देने के लिए फोन किया था।क्रेमलिन ने कहा कि शी जिनपिंग ने संघर्ष के दीर्घकालिक समाधान के लिए समर्थन व्यक्त किया। पुतिन अगले महीने चीन की यात्रा पर जाने वाले हैं। इस बीच अमेरिका चीन, उत्तर कोरिया और ईरान पर रूस के युद्ध प्रयासों का समर्थन करने का आरोप लगाता है। पीएम मोदी ने भी पुतिन से फोन पर बात की और यूक्रेन के हालिया घटनाक्रम पर चर्चा की। यह बातचीत ट्रंप द्वारा रूसी तेल के आयात पर भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने के कुछ ही दिनों बाद हुई है, जिसका उद्देश्य रूस के युद्ध वित्तपोषण को कम करना है। शी जिनपिंग और पीएम मोदी के अलावा पुतिन ने दक्षिण अफ्रीका, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और बेलारूस के नेताओं से भी संपर्क किया।

अमेरिका ने वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी के लिए रखा 437 करोड़ का इनाम

सोशल मीडिया पर लोग ले रहे मजे, लिख रहे- मादुरो तो वेनज़ुएला में ही हैं

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका की अटॉर्नी जनरल ने वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी में मदद करने वालों के लिए इनाम को दोगुना कर दिया है। अब यह इनाम 50 मिलियन डॉलर यानी करीब 437 करोड़ रुपए हो गया है, जो पहले बाइडेन प्रशासन के समय 25 मिलियन डॉलर था। इस ऐलान के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं और मजाकिया कमेंट्स किए जा रहे हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 7 अगस्त 2025 को बॉन्डी ने मादुरो को दुनिया के सबसे बड़े नार्को-तस्कर बताते हुए आरोप लगाया कि वह ट्रेन डे अरागुआ और मैक्सिको के सिनालोआ कार्टेल जैसे गिरोहों के साथ काम करते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी न्याय विभाग ने मादुरो से जुड़ी 700 मिलियन डॉलर से ज्यादा की संपत्तियां जब्त की हैं, जिनमें प्राइवेट जेट, गाड़ियां शामिल हैं। इसके अलावा करीब सात टन फेंटेनिल-मिश्रित कोकीन उनके नेटवर्क से जुड़ी पाई गई है।रिपोर्ट के मुताबिक गंभीर आरोपों के बीच सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा चर्चा वो वेनेज़ुएला में ही हैं शब्त को लेकर हो रही है। लोग मजाक में कह रहे हैं कि इतनी बड़ी रकम खर्च करने की जरूरत नहीं, क्योंकि सभी जानते हैं कि मादुरो कहां हैं। किसी ने लिखा- वो वेनेज़ुएला में हैं। वेनेज़ुएला के विदेश मंत्री इवान गिल ने टेलीग्राम पर इस इनाम को बेकार और राजनीतिक प्रचार का घटिया तरीका बताया है। उन्होंने कहा कि यह घोषणा केवल ध्यान भटकाने के लिए है, खासकर उस विवाद से जिसमें पाम बॉन्डी ने कथित जेफ्री एपस्टीन "सीक्रेट क्लाइंट लिस्ट" जारी करने का वादा किया था, लेकिन अब तक नहीं किया। गिल ने जोर देकर कहा कि वेनेज़ुएला की गरिमा बिकाऊ नहीं है और इस कदम को उन्होंने "बेतुका धुआं-परदा" करार दिया है।अमेरिका और वेनेज़ुएला के बीच टकराव नया नहीं है। मादुरो पर 2020 से नार्को-टेररिज्म और कोकीन तस्करी के आरोप लगे हैं। अमेरिका ने उन पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं और कूटनीतिक दबाव भी डाला है। इसके बावजूद 2024 में मादुरो फिर से राष्ट्रपति बने। हालांकि अमेरिका, यूरोपीय संघ और कई लैटिन अमेरिकी देशों ने इस चुनाव को धांधली वाला बताया था।

संक्षिप्त ख़बरें

भारत-पाकिस्तान के बीच चले सैन्य संघर्ष के बाद मैंने स्थिति को संभाला था

वाशिंगटन,(ईएमस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच चले सैन्य संघर्ष के बाद ''स्थिति को संभाल था'', जो एक ''परमाणु युद्ध'' में बदल सकता था। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में शुक्रवार को दावा किया कि इस संघर्ष में पांच या छह विमान ''मार गिराए गए'' थे। हालांकि उन्होंने यह साफ नहीं किया कि ये विमान किस देश के थे- भारत या पाकिस्तान ! या फिर वह दोनों देशों के कुल नुकसान की बात कर रहे थे।बता दें भारत शुरु से कहता रहा है कि भारत-पाकिस्तान ने अपनी सैन्य कार्रवाई आपसी बातचीत के जरिए रोकी थी और इसमें अमेरिका की कोई मध्यस्थता नहीं थी। ट्रंप ने यह बयान अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव और आर्मेनिया के पीएम निकोल पाशिनयान की मौजूदगी में दिया था। ये तीनों नेता एक त्रिपक्षीय हस्ताक्षर समारोह में शामिल हुए थे, जहां अमेरिका की मध्यस्थता में एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति के तौर पर मेरी सबसे बड़ी आकांक्षा दुनिया में शांति और स्थिरता लाना है। आज का यह समझौता भारत और पाकिस्तान के साथ हमारी सफलता के बाद हुआ है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि वे एक-दूसरे के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ रहे थे, हालात काफी गंभीर थे, लेकिन जैसा कि आप जानते हैं, एक बड़ा टकराव-शायद परमाणु युद्ध हो सकता था, लेकिन ठीक पहले दोनों देश एकसाथ आए और हालात को संभाला। ट्रंप ने कहा कि वह व्यापार के जरिए संघर्ष सुलझा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच मामला सुलझाया। मुझे लगता है कि इसका बड़ा कारण व्यापार था, बाकी किसी वजह से नहीं।

अजीत डोभाल ने की रुस के प्रथम उपप्रधानमंत्री से मुलाकात, द्विपक्षीय सैन्य-तकनीकी संबंधों पर की बात

मास्को,(ईएमएस)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ द्विपक्षीय सैन्य-तकनीकी संबंधों और रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर बात की। डोभाल द्विपक्षीय ऊर्जा और रक्षा संबंधों पर महत्वपूर्ण चर्चा करने और इस साल के आखिर में राष्ट्रपति पुतिन के भारत आने की तैयारी के लिए रूस में हैं।मीडिया रिपोर्ट में रुसी दूतावास ने पोस्ट में कहा कि बैठक में भारत-रूस के बीच सैन्य-तकनीकी सहयोग से जुड़े मुद्दों पर बातचीत हुई। साथ ही असैन्य विमान निर्माण, धातु उद्योग और रासायनिक उद्योग जैसे अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं को लागू करने पर भी चर्चा हुई। बता दें डोभाल ने गुरुवार को क्रेमलिन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने बाहरी दबाव के बावजूद रूस के साथ सभी मोर्चों पर सहयोग जारी रखने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।बता दें अजीत डोभाल की यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी कर रूस से तेल खरीदने पर भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। इसके बाद कुल टैरिफ 50 फीसदी हो गया है। सूत्रों के मुताबिक डोभाल ने पीएम मोदी की ओर से राष्ट्रपति पुतिन को इस साल के आखिर में भारत आने का निमंत्रण दिया। पुतिन ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

बीएनपी का आरोपः मुक्ति संग्राम की यादों को मिटा रहा जमात-ए-इस्लामी

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने शुक्रवार को कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी पर देश की 1971 की मुक्ति संग्राम की यादों को जनता के मन से मिटाने की कोशिश करने का गंभीर आरोप लगाया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बीएनपी ने यह भी कहा कि जमात आनुपातिक प्रतिनिधित्व (पीआर) प्रणाली का उपयोग आगामी आम चुनावों में देरी करने के लिए कर रही है।ढाका स्थित नेशनल प्रेस क्लब में आयोजित चर्चा में बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य मेजर (सेवानिवृत्त) हाफिज उद्दीन अहमद ने कहा, देश की जनता पीआर प्रणाली को समझती ही नहीं है। इसलिए आवश्यक है कि राष्ट्रीय चुनाव मौजूदा प्रणाली के तहत ही कराए जाएं।" उन्होंने यह भी कहा कि जमात द्वारा दिए जा रहे बयानों को सुनकर लोग हैरान हैं। आगामी राष्ट्रीय चुनावों को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए हाफिज उद्दीन ने कहा, इस पुलिस व्यवस्था के साथ शांतिपूर्ण चुनाव कराना मुश्किल है, जिसमें पिछले एक साल में कोई सुधार नहीं हुआ है। पिछले सप्ताह भी उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा था कि एक राजनीतिक पार्टी, जिसने बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम का विरोध किया था, अब यह दावा करने की कोशिश कर रही है कि देश ने 1971 में गलती की थी। उन्होंने तीखे लहजे में कहा, दुनिया के किसी भी देश में गैर-निर्वाचित लोग संविधान नहीं बदलते।इस साल की शुरुआत में भी हाफिज उद्दीन ने जमात के रवैये पर निराशा जताई थी। उन्होंने कहा था कि जमात ने 1971 में की गई अपनी भूमिका के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की बजाय उसे सही ठहराने की कोशिश की। पिछले साल सत्ता में आने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने एक राजपत्र के जरिए जमात और उसकी छात्र इकाई इस्लामी छात्र शिबिर पर से प्रतिबंध हटा दिया था। साथ ही, जून में बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने जमात का पंजीकरण बहाल कर दिया, जिससे उसे आगामी आम चुनावों में भाग लेने का रास्ता मिल गया।

चैलेंज पूरा करने महिला ने पहनी हाई हिल्स चप्पल, गिरी तो रीढ़ की हड्डी हुई फ्रैक्चर

मास्को,(ईएमएस)। रूस की रहने वाली मारियाना बारुतकिना महिला को एक चैलेंज पूरा करने के लिए वीडियो बनाया, लेकिन एक गलती की वजह से महिला की चोट लग गई। अब महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दिख रहा है कि वह किस तरह से इस चैलेंज को पूरा करते वक्त घायल हो गई।सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में देखा जा सकता है कि पहले महिला किचन काउंटर पर रखे एक डिब्बे पर चढ़ती है और डिब्बे पर सिर्फ एक पांव ही रखती है। इसके बाद डिब्बे पर रखे पांव के सहारे ही उठने की कोशिश करती है। इतना ही नहीं, इस महिला के एक हाथ में एक और डिब्बा होता है और महिला हाई हील्स पहने है। संतुलन बिगड़ने से महिला पीठ के बल नीचे गिर जाती है।

एलईडी की चकाचौंध से बढ़ा आंखों पर तनाव और हादसों का खतरा

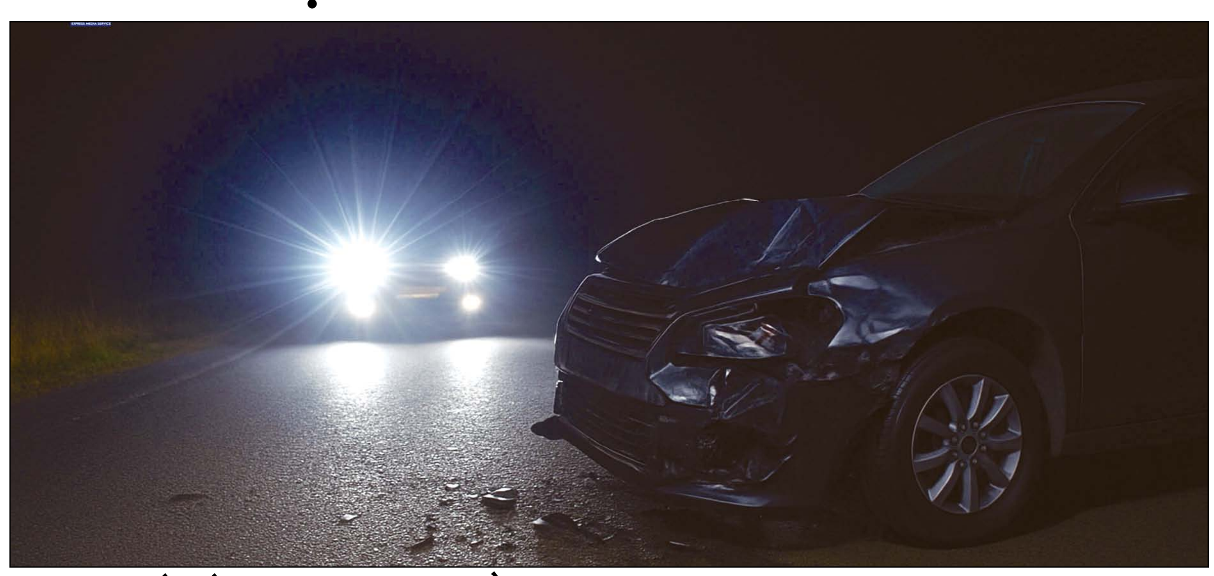

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अगर आपने हाल के दिनों में रात के समय गाड़ियों की हेडलाइट से आंखें चौंधिया जाने की शिकायत की है, तो आप अकेले नहीं हैं। अमेरिका से आई एक स्टडी में बताया गया है कि एलईडी हेडलाइट्स, स्ट्रीट लाइट्स, मोबाइल स्क्रीन और डिजिटल बिलबोर्ड्स की तेज रोशनी न सिर्फ आंखों पर दबाव डाल रही है, बल्कि सड़क हादसों का बड़ा कारण भी बन रही है।बकनेल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर एरिक कैनेडी कहते हैं, कि रात में एलईडी हेडलाइट्स से निकलने वाली चकाचौंध (ग्लेयर) कॉन्ट्रास्ट सेंसिटिविटी को घटा देती है। इससे सामने की चीजें साफ नजर नहीं आतीं और हादसे की आशंका बढ़ जाती है। एलईडी लाइट्स पुराने बल्बों के मुकाबले ज्यादा केंद्रित और तीव्र नीली रोशनी छोड़ती हैं। अमेरिका में 75 फीसद कारों में एलईडी हेडलाइट्स हैं। ऑटोमोटिव लाइटिंग एक्सपर्ट डेनियल स्टर्न के अनुसार, भले ही एलईडी सूरज जितनी तेज नहीं होतीं, पर लगातार एक्सपोजर से आंखों को नुकसान होता है। तेज रोशनी से रेटिना के न्यूरॉन्स ओवरलोड हो जाते हैं, जिससे कुछ सेकंड के लिए दिखना बंद हो सकता है।

स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव

स्क्रीन का ज्यादा उपयोग करने से ब्लिंक रिफ्लेक्स घटता है, जिससे आंसू ग्रंथियां कमजोर होती हैं। इससे ड्राइ आइज, थकान, तनाव और मैक्युलर डिजनरेशन (दृष्टि हानि) जैसी समस्याएं हो सकती हैं। नीली या हरी आंखों वाले लोगों को जोखिम अधिक होता है, क्योंकि उनकी आंखों में पिगमेंट कम होता है।

कैसे बचें इस रोशनी के नुकसान से?

विशेषज्ञों ने कुछ उपाय सुझाए हैं जो इस तेज रोशनी से आंखों को बचा सकते हैं। इनके अनुसार नाइट ड्राइविंग ग्लासेस का उपयोग करें। ये नीली रोशनी और चकाचौंध को कम करते हैं। गंदे लेंस या विंडशील्ड ग्लेयर को बढ़ा सकते हैं, इसलिए सफाई जरूरी है। एलईडी लाइट्स की नियमित जांच और मेंटेनेंस कराएं। एडप्टिव ड्राइविंग बीम हेडलाइट्स जैसी नई तकनीक अपनाएं, जो सामने वाले को चकाचौंध नहीं करती। ड्राइविंग के दौरान सामने की लेन पर ध्यान दें, सीधी हेडलाइट्स में ना देखें। डिवाइस स्क्रीन पर ब्लू लाइट फिल्टर लगाएं और समय-समय पर पलकों को झपकाते रहें ताकि ड्राईनेस न हो।

कानूनी पहल और जागरूकता की जरूरत

अमेरिका में इस बढ़ती समस्या को देखते हुए हेडलाइट्स की ब्राइटनेस को नियंत्रित करने के लिए कानून प्रस्तावित किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और अन्य देशों में भी इस दिशा में कदम उठाए जाने चाहिए। एलईडी लाइट्स ने जहां रोशनी और ऊर्जा की दुनिया में क्रांति ला दी है, वहीं इनकी चकाचौंध से आंखों को गंभीर नुकसान भी हो रहा है। रात में गाड़ी चलाते समय, या देर रात मोबाइल स्क्रीन देखने की आदतें हमारी दृष्टि को प्रभावित कर सकती हैं। सजग रहें, सुरक्षित रहें।

वात और कफ को शांत करता है वंशलोचन, पित्त को बढ़ाता है

बीजिंग (ईएमएस)। वंशलोचन एक प्राकृतिक औषधीय पदार्थ है जो बांस के तने के अंदर से प्राप्त होता है। इसे 'बैंबू मैनना' या 'बैंबू सिलाइसेस' के नाम से भी जाना जाता है। यह सफेद रंग का होता है और पाउडर या छोटे टुकड़ों के रूप में मिलता है। इसका वैज्ञानिक नाम बैम्बुसा अरुंडिनेशिया है, और यह चीन, भारत, फिलीपींस जैसे एशियाई देशों में पाया जाता है। प्राचीन आयुर्वेद ग्रंथों जैसे चरक संहिता और भैषज्य रत्नावली में वंशलोचन को कई औषधीय योगों में शामिल किया गया है, जैसे – सितोपलादि चूर्ण, तालिसादि चूर्ण आदि।आयुर्वेद के अनुसार वंशलोचन वात और कफ को शांत करता है, पित्त को बढ़ाता है और शरीर की शक्ति बढ़ाने वाला होता है। इसमें प्रचुर मात्रा में सिलिका पाई जाती है, जो हड्डियों को मजबूत करने, जोड़ों के दर्द को कम करने और बालों को घना बनाने में सहायक होती है। इसका उपयोग खांसी, जुकाम, बुखार, अपच, दांतों और हड्डियों की कमजोरी, यहां तक कि त्वचा रोगों के उपचार में भी किया जाता है। वंशलोचन की तासीर ठंडी मानी जाती है।

ट्रंप ने कराई आर्मेनिया-अज़रबैजान में ऐतिहासिक सुलह नोबेल शांति पुरस्कार की दौड़ में बढ़ाया एक और कदम

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में दशकों पुराने दुश्मन आर्मेनिया और अज़रबैजान ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। व्हाइट हाउस में आयोजित इस समारोह में अज़रबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव और आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिनयान ने हाथ मिलाकर युद्ध खत्म करने और कूटनीतिक व आर्थिक सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई।राष्ट्रपति ट्रंप ने इस मौके पर कहा, 35 साल तक लड़ते रहे, अब दोस्त हैं... और लंबे समय तक दोस्त बने रहेंगे। समझौते का उद्देश्य नागोर्नो-काराबाख विवाद को हमेशा के लिए समाप्त करना और दक्षिण काकेशस में स्थायी शांति स्थापित करना है। इसमें दोनों देशों ने एक-दूसरे की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने और राजनयिक संबंध बहाल करने पर सहमति दी है। समझौते के तहत अमेरिका को एक रणनीतिक पारगमन गलियारे के विकास का विशेष अधिकार भी मिला है, जिससे ऊर्जा और अन्य संसाधनों के निर्यात में वृद्धि होगी।विश्लेषकों का मानना है कि इस पहल से रूस के प्रभाव क्षेत्र में खलबली मच सकती है। दोनों नेताओं ने ट्रंप की सराहना करते हुए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करने की घोषणा की। अलीयेव ने कहा, अगर राष्ट्रपति ट्रंप को नहीं, तो नोबेल शांति पुरस्कार किसे मिलना चाहिए? व्हाइट हाउस के अनुसार, ट्रंप प्रशासन इससे पहले कंबोडिया-थाईलैंड, रवांडा-कांगो और पाकिस्तान-भारत के बीच भी शांति वार्ता करवा चुका है, हालांकि भारत ने उनके दावों को खारिज किया है। ट्रंप अब अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत एक वैश्विक शांतिदूत की छवि के साथ करना चाहते हैं, हालांकि वे अभी तक रूस-यूक्रेन और इज़रायल-हमास संघर्ष को समाप्त नहीं करा पाए हैं।

बलूचिस्तान में जुल्म ढा रहा पाकिस्तान! मानवाधिकार आयोग को देना पड़ा दखल

इस्लामाबाद(ईएमएस)। पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग ने बयान में कहा गया, बलूचिस्तान सरकार द्वारा 6 अगस्त से पूरे प्रांत में 3जी और 4जी मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं को निलंबित करना एक क्रूर और असंगत कदम है, जिससे लाखों निर्दोष नागरिक प्रभावित हो रहे हैं। यह निर्णय संचार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मूल अधिकारों को रौंदता है। आयोग ने सवाल किया कि क्या पूरे प्रांत की आवाज़ दबा देना और शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और संचार व्यवस्था को काट देना कोई वैध रणनीति है? बयान में कहा गया, "इंटरनेट बंद करने से आतंकवादियों को नहीं बल्कि आम नागरिकों को नुकसान होता है। यह सामूहिक दंड की खतरनाक प्रवृत्ति है जो आतंकवाद से लड़ने के बजाय आम जनता के भरोसे को कमजोर करती है।साथ ही आयोग ने पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट और बलूचिस्तान हाईकोर्ट से आग्रह किया है कि वे इस मामले का तुरंत संज्ञान लें और बलूचिस्तान के लोगों को वही नागरिक और संवैधानिक अधिकार दिलाएं जो देश के अन्य हिस्सों में नागरिकों को प्राप्त हैं। गौरतलब है कि बलूचिस्तान में लंबे समय से आज़ादी की मांग को लेकर आंदोलन जारी है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने समय-समय पर बलूच नेताओं और आम नागरिकों पर पाकिस्तानी बलों द्वारा की जा रही ज्यादतियों पर चिंता जताई है।पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग ने बलूचिस्तान में इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद किए जाने को लेकर पाकिस्तान सरकार की तीखी आलोचना की है। आयोग ने इसे "मौलिक मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन" बताया है।

ट्रंप ने 100 साल में सबसे ज्यादा टैरिफ लगाया जाने अमेरिका अर्थव्यवस्था पर क्या पड़ेगा असर

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए नए टैरिफ ने अमेरिका और दुनिया की अर्थव्यवस्था पर काफी असर डाला है। ये टैरिफ 100 साल में सबसे ज्यादा हैं। ट्रंप के टैरिफ लगने से आयातित सामानों की कीमतें बढ़ गई हैं। बजट लैब के अनुमान के मुताबिक, हर अमेरिकी परिवार को सालाना 2 लाख (2400 डॉलर) का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ सकता है। बजट लैब का यह भी मानना है कि इन टैरिफ के कारण अमेरिका की जीडीपी में 0.5 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है, जिससे अर्थव्यवस्था को 140 बिलियन डॉलर (लगभग 11.6 लाख करोड़) का नुकसान हो सकता है। भले ही ट्रम्प का दावा है कि टैरिफ से नौकरियां बढ़ेंगी, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इससे नौकरियां कम हो सकती हैं। हाल ही में, जुलाई में सिर्फ 73,000 नई नौकरियां जोड़ी गईं, जो उम्मीद से काफी कम है।

दुनिया पर मंदी का खतरा

अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जब उसकी अर्थव्यवस्था में गिरावट आती है, तो इसका असर वैश्विक बाज़ार पर भी पड़ता है। टैरिफ से दुनिया के अन्य देशों से अमेरिका को होने वाला निर्यात कम हो जाएगा, जिससे उन देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी प्रभावित होंगी। विशेषज्ञों को डर है कि यह स्थिति वैश्विक मंदी का कारण बन सकती है। टैक्स फाउंडेशन के अनुसार, टैरिफ का असर उन चीजों पर सबसे ज्यादा पड़ेगा जो अमेरिका में पर्याप्त मात्रा में नहीं बनतीं, जैसे कि केला और कॉफी। इसके अलावा, स्टील, एल्युमीनियम, मछली, बीयर और शराब जैसी चीजों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। यह स्थिति दिखाती है कि टैरिफ जैसे व्यापारिक कदम का असर सिर्फ एक देश तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है।हाल ही में जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई में सिर्फ 73,000 नई नौकरियां जुड़ीं। सरकार के अनुमान के मुताबिक 1.09 लाख नई नौकरियां बढ़ने की उम्मीद थीं। मई और जून में भी नौकरियों में गिरावट आई। इससे एक तिमाही में औसतन 35,000 प्रति महीने नौकरियां जुड़ीं। यह 2010 के बाद सबसे कम आंकड़ा है। इस आंकड़े से नाराज होकर ट्रम्प ने 1 अगस्त को ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिस्टिक्स की कमिश्नर एरिका मैकएंटरफर को नौकरी से निकाल दिया। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि रिपोर्ट में 'राजनीतिक मकसद' से हेराफेरी की गई थी।

अंतिम संस्कार से लौट रही थी बस, गहरी खाई में गिरी 25 की मौत, कई घायल

नैरोबी(ईएमएस)। केन्या के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। काकामेगा शहर से किसुमु जा रही एक बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरी। बस में सवार लोग एक अंतिम संस्कार से लौट रहे थे। इस भयानक हादसे में कम से कम 25 लोगों की जान चली गई, जबकि कई अन्य बुरी तरह घायल हो गए। मरने वालों में एक 10 साल की मासूम बच्ची भी शामिल है। हादसे के बाद से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ा दी।यह कोई अकेला हादसा नहीं है। गुरुवार को नकुरु काउंटी के नाइवाशा शहर में एक और बस हादसा हुआ, जिसमें 32 मजदूर सवार थे। यह बस एक रेलवे क्रॉसिंग पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई। इन लगातार हादसों ने केन्या में सड़क सुरक्षा के हालात पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पिछले कुछ सालों में सैकड़ों लोग ऐसे हादसों में अपनी जान गंवा चुके हैं। न्यान्जा प्रांत के क्षेत्रीय ट्रैफिक अधिकारी पीटर माइना ने बताया कि बस तेज रफ्तार में थी और किसुमु में एक राउंडअबाउट के पास ड्राइवर का नियंत्रण खो गया। इसके बाद बस सड़क से फिसलकर गड्ढे में पलट गई। हादसा इतना भयावह था कि बस पूरी तरह चकनाचूर हो गई। केन्या के मेडिकल सर्विसेज के प्रिंसिपल सेक्रेटरी फ्रेड्रिक ओउमा ओलुगा ने बताया कि शुरुआत में 29 लोग घायल हुए थे, जिनमें से चार की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। घायलों को तुरंत पास के विन कम्युनिटी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उनकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है।इस हादसे ने न्यान्जा प्रांत और पूरे केन्या को सदमे में डाल दिया। स्थानीय लोग और सामाजिक संगठन सड़क सुरक्षा को और सख्त करने की मांग कर रहे हैं। केन्या और पूर्वी अफ्रीका में सड़क हादसे आम हैं, क्योंकि ज्यादातर सड़कें संकरी, टूटी-फूटी और गड्ढों से भरी हैं। पुलिस का कहना है कि तेज रफ्तार इस तरह के हादसों की सबसे बड़ी वजह है। विशेषज्ञों का मानना है कि ड्राइवरों के लिए सख्त नियम, बेहतर सड़कें और जागरूकता अभियान ही इन हादसों को रोक सकते हैं।

एशिया कप के लिए सूर्यकुमार नेट्स प्रेक्टिस करते आए नजर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। टी-20 टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में चल रहे रिहैब के दौरान नेट्स पैक्टिस की। अपनी बल्लेबाजी को लेकर आगामी एशिया कप से पहले फिटनेस के संकेत दिए हैं। जुलाई माह में सूर्यकुमार ने जर्मनी के म्यूनिख में हर्निया की सर्जरी करवाई थी और इसके बाद सीओई में रिहैबिलिटेशन के लिए भर्ती हुए थे। उन्होंने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने सीओई में फिर से बल्लेबाजी शुरू कर दी है। सूर्यकुमार ने वीडियो के कैप्शन में लिखा- मैं उस काम को फिर से करने के लिए बेताब हूं जो मुझे पसंद है। वीडियो में वह व्यायाम और दौड़ते हुए भी दिखाई दे रहे हैं, और फिट नजर आ रहे हैं।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूर्यकुमार ने पिछले हफ्ते के आखिर से ही नेट्स पैक्टिस शुरू कर दी थी। बता दें सूर्यकुमार ने आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन किया, जिसकी बदौलत उनकी टीम ने टूर्नामेंट में दूसरा क्वालीफायर खेला। वह मुंबई इंडियंस के लिए 717 रन बनाकर टूर्नामेंट के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी बन गए थे। वह इस सीजन के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे और ऑरेंज कैप विजेता साई सुदर्शन से बस कुछ रन पीछे थे, जिन्होंने गुजरात टाइटन्स के लिए 759 रन बनाए थे।
टीम इंडिया का अगला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 9 से 28 सितंबर तक यूएई में होने वाले एशिया कप में होगा। रोहित शर्मा के टी20 विश्व कप जीत के बाद इस प्रारूप से संन्यास लेने के बाद अब तक सूर्यकुमार का टीम इंडिया के टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान के रूप में एक प्रभावशाली रिकॉर्ड रहा है। सूर्यकुमार ने 22 मैचों में भारत का नेतृत्व किया है, जिनमें से 17 में उन्हें जीत हासिल हुई। 83 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सूर्यकुमार ने 38.2 की औसत और 167.07 के शानदार स्ट्राइक रेट से 2,598 रन बनाए। उन्होंने आखिरी बार जून में मुंबई टी20 लीग में ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट के लिए क्रिकेट के मैदान पर कदम रखा था, जहां उन्होंने चार पारियों में 122 रन बनाए थे।

दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत के चेंगदू में आयोजित विश्व खेल 2025 में एक्रोबैटिक जिम्नास्टिक के महिला युगल फाइनल के दौरान प्रतिस्पर्धा करती संयुक्त राज्य अमेरिका की कैथरीन बोरचर्डिंग (नीचे)।

39 साल बाद न्यूजीलैंड ने हिलाई रिकॉर्ड बुक

भारत के अलावा ऐसा करने वाली बनी तीसरी टीम

नई दिल्ली (ईएमएस)। बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टेस्ट में कीवी बल्लेबाजों ने ऐसा धमाका किया कि रिकॉर्ड बुक हिल गई। पहली पारी में जिम्बाब्वे को मात्र 125 रनों पर ढेर करने के बाद न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 130 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 601 रन ठोक दिए। सबसे खास बात यह रही कि डेवोन कॉन्वे, रचिन रवींद्र और हैनरी निकोल्स तीनों बल्लेबाजों ने 150 रन का आंकड़ा पार किया। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह सिर्फ तीसरी बार हुआ है, जबकि न्यूजीलैंड ने पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। मैच में सलामी बल्लेबाज कॉन्वे ने 153 रन की शानदार पारी खेली और टीम को मजबूत शुरुआत दी। इसके बाद रवींद्र और निकोल्स ने चौथे विकेट के लिए 250 से ज्यादा रनों की नाबाद साझेदारी कर मेजबानों की कमर तोड़ दी। दोनों बल्लेबाज दूसरे दिन के अंत तक क्रीज पर डटे रहे और रन बरसाते रहे। जिम्बाब्वे के गेंदबाजों के पास इन पर कोई जवाब नहीं था।
इससे पहले यह कारनामा भारत ने 1986 में कानपुर टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ किया था। उस मैच में श्रीलंका को पहली पारी में 420 रनों पर रोकने के बाद भारत ने 676 रन बनाए थे। इस दौरान सुनील गावस्कर ने 176, मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 199 और कप्तान कपिल देव ने 163 रन ठोके थे। भारतीय बल्लेबाजों की इस त्रयी ने विपक्षी टीम को मैच से पूरी तरह बाहर कर दिया था। ऐतिहासिक उपलब्धि की शुरुआत 1938 में इंग्लैंड ने की थी, जब ओवल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने यह अनोखा रिकॉर्ड बनाया। उस मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 903 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था और 7 विकेट पर पारी घोषित कर दी थी। लियोनार्ड हटन ने 364, मौरिस लेलैंड ने 187 और जो हार्डस्टाफ ने 169 रन बनाए थे। इसके बाद इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 201 और 123 रनों पर आउट कर मैच 579 रनों से जीता था।
बुलावायो टेस्ट में न्यूजीलैंड की मौजूदा स्थिति देखकर यह साफ है कि वे न केवल मैच पर पूरी पकड़ बना चुके हैं, बल्कि अपने बल्लेबाजों की ऐतिहासिक पारी से क्रिकेट जगत में फिर एक बार खास पहचान बना रहे हैं। यह प्रदर्शन लंबे समय तक याद किया जाएगा, क्योंकि इसने कीवी क्रिकेट के स्वर्णिम पलों में एक और अध्याय जोड़ दिया है।

हसन नवाज का डेब्यू अर्धशतक पाकिस्तान 5 विकेट से जीता

पाकिस्तान-वेस्टइंडीज पहला वनडे

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोहम्मद रिजवान की कप्तानी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए पहले वनडे में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49 ओवर में 280 रन बनाए, जिसके जवाब में पाकिस्तान ने 7 गेंद शेष रहते 281 रनों के लक्ष्य हासिल कर लिया। डेब्यू मैच में अर्धशतक जड़ने वाले हसन नवाज को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सीरीज का दूसरा मुकाबला 10 अगस्त को इसी मैदान पर होगा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी रही, लेकिन कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। एविन लुईस (60), कप्तान शे होप (55) और रोस्टन चेज (53) ने अर्धशतक जड़े, मगर पारी को लंबे समय तक नहीं खींच पाए। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहिन शाह अफरीदी ने 4 विकेट झटके, जबकि नसीम शाह ने 3 विकेट लेकर वेस्टइंडीज को 280 के स्कोर पर समेट दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने सैम अयूब का विकेट जल्दी गंवा दिया, लेकिन बाकी बल्लेबाजों ने जिम्मेदारी से खेलते हुए साझेदारियां बनाईं। बाबर आजम (47) अर्धशतक से चूक गए, जबकि कप्तान मोहम्मद रिजवान (53) ने फिफ्टी पूरी की लेकिन 38वें ओवर में आउट हो गए। उस समय पाकिस्तान को अंतिम 12 ओवरों में करीब 100 रन की दरकार थी।डेब्यूटंट हसन नवाज और 2019 के बाद अपना पहला वनडे खेल रहे हुसैन तलत ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए लक्ष्य तक टीम को पहुंचाया। हसन नवाज ने शुरुआत में धैर्य दिखाया और फिर समय पर बाउंड्री लगाकर रन रेट को नियंत्रण में रखा। वेस्टइंडीज के गेंदबाज बीच-बीच में अच्छे स्पेल डालने में सफल रहे, लेकिन निरंतरता की कमी से उन्हें नुकसान हुआ। मेजबान टीम को भी लग सकता है कि वे स्कोरबोर्ड पर 20-30 रन और जोड़ सकते थे, जिससे मैच का नतीजा बदल सकता था।

दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत के चेंगदू में आयोजित होने वाले विश्व खेल 2025 में पुरुषों की 100 मीटर रेस्क्यू मेडले लाइफ सेविंग स्पर्धा के फाइनल मैच के बाद जश्न मनाते पोलैंड के कैस्पर माजच्रज़क।

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी : पिच रेटिंग में हेडिंगली सबसे बेहतर, बाकी 'संतोषजनक'

रेटिंग जारी कर आईसीसी ने खोल दिया इंग्लैंड का भेद

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली गई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी अब तक की सबसे रोमांचक टेस्ट सीरीज में से एक रही। सभी पांच मैच पूरे पांच दिन तक चले और अंत में सीरीज 2-2 से ड्रॉ पर समाप्त हुई। भारत ने आखिरी टेस्ट में 6 रन से जीत दर्ज कर इंग्लैंड की सीरीज जीतने की उम्मीदों को तोड़ दिया। इस सीरीज में बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला शुरुआत में जहां रन बरसे, वहीं आगे बढ़ते हुए गेंदबाज हावी होते गए। आईसीसी ने सीरीज की पिच रेटिंग जारी की है, जिसमें पांच में से चार मैचों का मूल्यांकन हो चुका है। केवल हेडिंगली की पिच (पहला टेस्ट) को 'बहुत अच्छी' रेटिंग मिली, जबकि बाकी सभी को 'संतोषजनक' बताया गया। हेडिंगली में पहला टेस्ट इंग्लैंड ने जीता था, एजबेस्टन में भारत ने जीत हासिल की, लॉर्ड्स में मेजबान टीम ने बाजी मारी, चौथा टेस्ट मैनचेस्टर में ड्रॉ रहा और आखिरी ओवल टेस्ट भारत के नाम गया। ओवल की पिच रेटिंग अभी घोषित नहीं हुई है।

आईसीसी द्वारा जारी एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी की पिच रेटिंग

पहला टेस्ट - हेडिंगली, लीड्स - पिच रेटिंगः बहुत अच्छी तथा आउटफील्ड रेटिंग : बहुत अच्छी, दूसरा टेस्ट - एजबेस्टन, बर्मिंघम - पिच रेटिंगः संतोषजनक तथा आउटफील्ड रेटिंगः बहुत अच्छी, तीसरा टेस्ट - लॉर्ड्स, लंदन - पिच रेटिंगः संतोषजनक तथा आउटफील्ड रेटिंगः बहुत अच्छी
चौथा टेस्ट - ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर - पिच रेटिंगः संतोषजनक तथा आउटफील्ड रेटिंगः बहुत अच्छी
केनिंगटन ओवल में पांचवें और अंतिम टेस्ट की रेटिंग अभी तक पुष्टि नहीं हुई है.पूर्व भारतीय विकेटकीपर दीप दासगुप्ता ने कहा कि यह सीरीज इतनी तीव्र और प्रतिस्पर्धी रही कि हर मैच का नतीजा आखिरी दिन निकला, जिससे साबित होता है कि दोनों टीमों ने बेहतरीन क्रिकेट खेली।

टीम इंडिया के धुंरधर बल्लेबाज विराट अमीन के साथ फिर पिच पर आए नजर

ऑस्ट्रेलिया दौरे में एक दिवसीय मैचों के लिए कर सकते हैं वापसी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम इंडिया के धुंरधर बल्लेबाज विराट कोहली पिच पर लौट आए हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के सहायक कोच नईम अमीन की मौजूदगी में अभ्यास किया। कोहली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा- हिट में मदद के लिए शुक्रिया, भाई। आपको देखकर हमेशा अच्छा लगता है। उन्होंने सेशन के दौरान नईम अमीन के साथ अपनी एक तस्वीर भी शेयर की। अमीन ने अपने अकाउंट पर दोबारा स्टोरी शेयर करते हुए कहा कि भाई, आपको देखकर अच्छा लगा! जल्द ही मिलते हैं। अमीन बर्कशायर, बकिंघमशायर और लंदन में माइटी विलो अकादमी चलाते हैं और इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद के कोचिंग स्टाफ में रहे। इससे पहले भारत के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी अच्छे अभ्यास सत्रों के लिए अमीन की अकादमी में आ चुके हैं। विराट कोहली टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं।

कोहली का ध्यान अब भारत के लिए वनडे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ आईपीएल की प्रतिबद्धताओं पर केंद्रित है। कोहली ने 302 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 14,181 रन बनाए हैं। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2025 के फाइनल में शानदार पारी खेली थी। विराट कोहली ने 43 रनों की पारी खेली थी, जिससे आरसीबी ने अहमदाबाद में हुए खिताबी मुकाबले में पंजाब किंग्स को छह रनों से हराकर पहली ट्रॉफी जीती थी।
कोहली को फिर से मैदान पर देखने के लिए उनके फैंस बेताब हैं। हालांकि फैंस को अभी अक्टूबर तक इंतजार करना पड़ेगा। भारत को यूं तो अगस्त में बांग्लादेश में तीन एकदिवसीय मैच खेलने थे, लेकिन यह श्रृंखला सितंबर 2026 तक के लिए स्थगित कर दी गई। कोहली और रोहित शर्मा, जो टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास ले चुके हैं, दोनों के भारत के ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे के एकदिवसीय चरण के लिए वापसी करने की उम्मीद है। 19 अक्टूबर से पर्थ में यह टूर्नामेंट शुरू होगा। इसके बाद 23 और 25 अक्टूबर टूर्नामेंट के अन्य मैच खेले जाएंगे।

रोमांचक मैच में आयरलैंड ने पाकिस्तान हराया

आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर सीरीज अपने नाम

नई दिल्ली (ईएमएस)। बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए दूसरे वुमेंस टी20 में आयरलैंड ने रोमांचक अंदाज में पाकिस्तान को मात देकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। पहले मुकाबले की तरह इस बार भी मेजबान टीम ने पाकिस्तानी चुनौति का डटकर सामना किया और आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर जीत दर्ज की। इस जीत के साथ आयरलैंड ने लगातार दूसरी टी20 सीरीज में पाकिस्तान को हराया है और दोनों टीमों के बीच अब तक खेली गई 5 सीरीज में तीसरी बार बाजी मारी है।मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 168 रन बनाए। टीम की तरफ से शवाल जुल्फिकार ने सर्वाधिक 33 रन बनाए, जबकि बाकी बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की शुरुआत खराब रही और मात्र 35 रन पर तीन विकेट गिर गए। इसी समय ओरला प्रेंडरगैस्ट (51) और कप्तान लौरा डेलानी (42) ने चौथे विकेट के लिए 76 रनों की अहम साझेदारी कर पारी को संभाला।
रेबेका स्टोकेल ने 16 गेंदों पर नाबाद 34 रन बनाकर टीम को जीत की ओर बढ़ाया, लेकिन मैच का असली रोमांच आखिरी ओवर में आया। अंतिम गेंद पर आयरलैंड को जीत के लिए 4 रनों की दरकार थी और जेन मैगुइरे ने साहसिक अंदाज में छक्का लगाकर टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी। यह आयरलैंड वुमेंस टीम के टी20 क्रिकेट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा सफल रनचेज भी रहा।
दोनों देशों की टी20 सीरीज के इतिहास पर नजर डालें तो 2009 में आयरलैंड ने 1-0 से जीत दर्ज की थी, 2013 में पाकिस्तान ने 2-0 और 1-0 से दो बार जीत हासिल की, 2022 में आयरलैंड ने 2-1 से सीरीज जीती, और अब 2025 में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। आखिरी मैच अभी बाकी है, लेकिन सीरीज पहले ही मेजबान टीम के नाम हो चुकी है। आयरलैंड के इस प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित किया कि वह मजबूत टीमों के खिलाफ भी दबाव की परिस्थितियों में जीत दर्ज करने की क्षमता रखती है, खासकर तब जब मुकाबला आखिरी गेंद तक खिंच जाए।

ओवल टेस्ट में भारत पर था स्लो ओवर रेट से बचाने के दबाव

गौतम गंभीर ने लिया था बड़ा फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट में भारत ने 6 रनों से रोमांचक जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रन और भारत को 4 विकेट चाहिए थे। मोहम्मद सिराज की धारदार गेंदबाजी के सामने इंग्लैंड टिक नहीं पाया और टीम इंडिया ने मैच जीतकर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में कीमती अंक हासिल किए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह जीत भारत को न केवल सीरीज बराबरी दिलाने में अहम रही, बल्कि डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल पर भी दोहरे नुकसान से बचाया। दरअसल, मैच के पांचवें दिन सुबह मैच रेफरी जेफ क्रो ने भारतीय टीम को चेतावनी दी थी कि वे निर्धारित समय से छह ओवर पीछे हैं। यदि यह ओवर रेट सुधरा नहीं, तो चार डब्ल्यूटीसी अंक कट सकते थे। ऐसे में भारत को या तो इंग्लैंड को जल्द आलआउट करना था या ओवर रेट सुधारना था।चेतावनी के बाद ड्रेसिंग रूम में कप्तान शुभमन गिल, मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहायक कोच सितांशु कोटक के बीच अहम रणनीति बैठक हुई। बैठक में एक सुझाव आया कि प्रसिद्ध कृष्णा के ओवर पूरे होने के बाद दोनों छोर से रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को गेंदबाजी दी जाए, ताकि ओवर रेट सुधारा जा सके। हालांकि, इसके साथ यह जोखिम भी था कि इंग्लैंड के जेमी स्मिथ और जेमी ओवरटन स्पिनरों के खिलाफ तेजी से रन बना सकते हैं और मैच पलट सकता है।इस पर कोच गौतम गंभीर ने साफ कहा कि उन्हें ओवर रेट की चिंता नहीं है, चाहे चार अंक कट जाएं, लेकिन टीम को जीत के लिए ही खेलना है। इसके बाद फैसला हुआ कि एक छोर से प्रसिद्ध कृष्णा और दूसरे छोर से मोहम्मद सिराज को लगातार आक्रमण पर रखा जाएगा। कप्तान शुभमन गिल ने भी इस रणनीति को मंजूरी दी। नतीजा यह हुआ कि तेज गेंदबाजों के दम पर भारत ने इंग्लैंड के बाकी विकेट जल्दी गिरा दिए और मैच 6 रनों से अपने नाम कर लिया। यह जीत केवल स्कोरबोर्ड पर नहीं, बल्कि टीम की मानसिक मजबूती और आक्रामक खेल भावना का भी प्रमाण रही।

ऑस्ट्रेलिया दौरे एशिया कप की तैयारी का अहम हिस्सा : हरमनप्रीत

बेंगलुरु (ईएमएस)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलना टीम के लिए बड़ी चुनौती होगी और यह आगामी एशिया कप से पहले सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने का बेहतरीन अवसर देगा। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में 15 से 21 अगस्त तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में मेजबान टीम के खिलाफ चार मैचों की महत्वपूर्ण श्रृंखला खेलेगी।
रवाना होने से पहले हरमनप्रीत ने कहा, "ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलना हमेशा कठिन होता है, और तैयारी के इस चरण में हमें इसी तरह की चुनौती की आवश्यकता है। हम इस श्रृंखला को एशिया कप की तैयारी का अहम हिस्सा मानते हैं। हमारा ध्यान एक इकाई के

रूप में सुधार करने, मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खुद को परखने और टूर्नामेंट से पहले जरूरी लय हासिल करने पर है।"
कप्तान ने स्पष्ट किया कि इस दौरे से टीम को उन खास पहलुओं का अंदाजा लगेगा, जहां और मेहनत की जरूरत है। उन्होंने कहा, "ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का हमें उत्साह है। यह सीरीज हमें एशिया कप के लिए सही संतुलन और रणनीति बनाने में मदद करेगी।" ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चारों मैच 15, 16, 19 और 21 अगस्त को खेले जाएंगे। इस दौरान टीम प्रबंधन खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन कर एशिया कप के लिए अंतिम टीम का चयन करेगा। एशिया कप 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में शुरू होगा। टूर्नामेंट का विजेता सीधे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगा, ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दौरा भारतीय टीम के लिए मानसिक और तकनीकी दोनों स्तर पर अहम परीक्षा साबित होगा।

दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत के चेंगदू में होने वाले विश्व खेल 2025 में कराटे स्पर्धा के महिला कुमाइट -55 किग्रा स्वर्ण पदक मैच के दौरान जर्मनी की मिया बिट्श (बाएं) एवं यूक्रेन की एंजेलिका टेरलियुगा।

दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत के चेंगदू में आयोजित विश्व खेल 2025 में कराटे स्पर्धा के पुरुषों के कुमाइट -67 किग्रा स्वर्ण पदक मैच के दौरान जापान के कोज़ाकी युगो से मुकाबला करते मोरक्को के सईद ओबाया (बाएं)।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धा पूर्वक दी गई श्रद्धांजलि

धनबाद, विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सोनोत संथाल समाज केंद्रीय समिति के नेतृत्व में केंद्रीय कार्यालय प्रांगण, दिशोम जाहेर थान में संथाल समाज के संरक्षक, झारखंड राज्य के निर्माता, आदिवासियों के मसीहा श्रद्धेय भगवान दिशोम गुरु शिबू सोरेन की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया |सभा की अध्यक्षता, अनिल कुमार टुडू ने की | सर्वप्रथम समाज के केंद्रीय सचिव, अनिल कुमार टुडू, दिशोम नायकी मान् नरेश कुमार टुडू, केंद्रीय संयोजक रमेश टुडू ने भगवान दिशोम गुरु शिबू सोरेन की आदम-कद तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किए। इस अवसर वक्ताओं ने कहा कि आज विश्व आदिवासी दिवस हम आदिवासियों का त्योहार का दिन है, लेकिन हम आदिवासियों को रक्षा करने वाले, हमे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए शक्ति देने वाले, हमारी आत्मा हमारी जमीनों को महाजनों के चंगुल से बचाने वाले, हम सीधे, साधे आदिवासियों के जुबान को आवाज देने वाले हमारे भगवान दिशोम गुरु शिबू सोरेन का विगत दिनांक - 04/08/2025 को हमे छोड़कर परलोक सिधार गए | हम आदिवासी दिवस में भी कैसे खुशी मना सकते हैं | हम आदिवासी आज अनाथ हो गए हैं। हमारा अभिभावक हमें छोड़कर चले गए हैं | इसलिए हम आदिवासी आज शोकाकुल हैं | समाज के बुजुर्ग वक्ताओं ने गुरुजी के साथ बिताए समय को साझा किया | इस अवसर सोनोत संथाल समाज केंद्रीय समिति ने निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किए। जिसमें भगवान बिरसा मुंडा की तरह शिबू सोरेन को "भगवान दिशोम गुरु शिबू सोरेन" लिखा जाय। अपना सारा जीवन आदिवासियों, गरीबों, शोषितों, वंचितों के लिए काम करने वाले, उन्हें अपने हक - अधिकार के लिए जगाने वाले भगवान दिशोम गुरु शिबू सोरेन को " भारत रत्न" दिया जाय। समाज के सभी प्रखण्डों के अध्यक्ष, सचिव, मांझी हाड़मों, नायकी हाड़मों से अनुरोध किया कि दस कर्म के दूसरे दिन यानी 16/08/2025 को अपने-अपने ग्राम में कम से कम 5 पायला (5kg) चावल का खिचड़ी बना "गुरुजी" के नाम से बच्चों को खिलाया जाय। इस अवसर पर मुख्य रूप से समाज के केंद्रीय संयोजक रमेश टुडू, अनिल कुमार टुडू, नरेश टुडू, कालीचरण हेम्ब्रम, रूपलाल किस्कू, कालीपद हांसदा,शिबू मुर्मू, अबीलाल मुर्मू, हेमलाल टुडू, अंजय हांसदा,गुरु चरण बास्की, किशोर मुर्मू, बलिया पुर प्रखण्ड अध्यक्ष राजेन्द्र किस्कू, एगारकुंड प्रखण्ड अध्यक्ष गोपीन टुडू, बाघमारा प्रखण्ड अध्यक्ष मनमोहन टुडू, ज्योति लाल मुर्मू, जीवन टुडू, अलसा सोरेन, बिरजू सोरेन, लखन टुडू, सुखलाल सोरेन, छुट्टू लाल सोरेन, मंजुड़ा मरांडी, सोहन टुडू, कलेश्वर किस्कू, वकील मुर्मू, श्यामा पद मरांडी, बुधु सोरेन, राजेश हेम्ब्रम, सुमित टुडू, सुरेन्द्र मुर्मू, अशोक कुमार सोरेन, महाबीर हांसदा, विजय टुडू, बबलू टुडू, मनोज हांसदा, विकास हांसदा, एक्सप्रेस हांसदा, सूरज मुर्मू, बाबुजी हेम्ब्रम, लाल मोहन मुर्मू, सहित बड़ी संख्या में समाज के महिला और पुरुष शामिल हुए |

संपूर्ण कोयलांचल में धूम धाम के साथ मनाया गया रक्षाबंधन का त्यौहार

धनबाद, सम्पूर्ण कोयलांचल में भाई बहन के अटूट विश्वास प्रेम का त्यौहार रक्षाबंधन हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया। बहनो ने अपने भाई के कलाई पर रक्षा का सूत्र बांधकर, माथे पर चंदन, रोड़ी का टीका लगाया। बहनो ने भाई को मुंह मीठा कराकर भाई की लम्बी उम्र की कामना की। ज्ञात हो की आज सावन पूर्णिमा के अवसर पर काफी संख्या में धनबाद के लोगों ने विभिन्न मंदिरों जाकर भगवान की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त की।

कार एवं ऑटो की टक्कर,आधा दर्जन लोग घायल

दुमकाःशनिवार की शाम लगभग 4 बजे रामगढ़-गुहियाजोरी मुख्य मार्ग पर रामगढ़ प्रखंड मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित दुमका मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मकरो के पास कार एवं ऑटो की जबरदस्त टक्कर में लगभग आधे दर्जन लोग घायल हो गए। ऑटो काठीकुंड से गुहियाजोरी होते हुए रामगढ़ की और जा रहा था। इसी क्रम में रामगढ़ की तरफ तेज गति से आ रही कार ने ऑटो को टक्कर मार दी।घटना में ऑटो के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में आधा दर्जन लोगों के घायल होने की सूचना है। जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। गंभीर रूप से घायलों में रामगढ़ थाना क्षेत्र के मयूरनाथ निवासी 35 वर्षीय पावली देवी, उसकी 9 वर्षीय पुत्री जानकी कुमारी तथा सरैयाहाट का प्रशांत कुमार शामिल है।

रक्षा बंधन त्यौहार हिंदुस्तान की संस्कार संस्कृति और भाई बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है : सोहराब

धनबाद, धनबाद शहर के ही नहीं, बल्कि कोयलांचल के जानेमाने समाजसेवी सह सामाजिक कार्यकर्ता,चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाज़ार के अध्यक्ष, सोहराब खान जो मुस्लिम समुदाय से आते हैं और पहला कदम स्कूल की संचालिका श्रीमती अनिता अग्रवाल जो हिंदू धर्म से संबंध रखती है, पिछले 11 वर्षों से रक्षा बंधन के अवसर पर अनिता अग्रवाल अपने भाई सोहराब खान के हाथ की कलाई पर रक्षा सूत्र राखी बांधती आ रही है। जो धनबाद की गंगा जमुनी तहजीब और आपसी सौहार्द की शानदार मिशाल कायम करती है।

ज्ञात हो की सोहराब खान चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाज़ार के अध्यक्ष और सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। पिछले कई वर्षों से पहला कदम स्कूल से जुड़े है और पहला कदम स्कूल की संचालिका श्रीमती अनिता अग्रवाल को अपनी बड़ी बहन मानते हैं और सोहराब पिछले 11 वर्षों से श्रीमती अनिता अग्रवाल के हाथों अपनी कलाई पर रक्षा बंधन के अवसर पर राखी बंधवाते आ रहे हैं।

इस अवसर पर सोहराब खान ने कहा की इंसानियत से बड़ा कोई मज़हब नहीं होता, हिंदुस्तान की संस्कार, संस्कृति और भाई बहन के पवन पवित्र रिश्ते का प्रतीक है रक्षा बंधन।

आगे सोहराब खान ने कहा की अनीता अग्रवाल मेरी बड़ी बहन है,रक्षा के सूत्र हाथों में बंधवा कर मै काफी गर्व महसूस कर रहा हु।दूसरी ओर सोहराब की बहन श्रीमती अनिता अग्रवाल कहती हैं मेरा भाई सोहराब लाखों में एक है, इंसानियत पसंद है और भाई बहन के पावन रिश्ते का प्रतीक रक्षा बंधन के अवसर पर मैं अपने भाई की कलाई पर पिछले 11 वर्षों से राखी बांधती आ रही हु। हमें भी ऐसे भाई के कलाई पर राखी बांधकर काफी गर्व महसूस कर रही हु।

विधायक डॉ लुईस मरांडी ने क्षेत्र भ्रमण कर की पीड़ित परिवारों से मुलाकात, दिया हर संभव मदद का भरोसा

दुमकाःजामा विधायक डॉ लुईस मरांडी के पहल पर शनिवार को जामा प्रखंड के चिकनिया पंचायत अंतर्गत बालाबहियार गांव के 54 वर्षीय मजदूर छोटो मुर्मू का शव गांव लाया गया था।चार माह पहले छोटो मुर्मू जम्मू कश्मीर राज्य के सम्भा जिला के बारी ब्रह्मना थाना क्षेत्र में जय बेवरेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में काम करने के लिए गया था। जहां 30 जुलाई को उसे सीने में दर्द की शिकायत के बाद स्थानीय सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन 7 अगस्त को उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। इसकी सूचना बारी ब्रह्मणा थाना द्वारा उसके परिजनों को दी गई थी।झामुमो प्रखंड अध्यक्ष विभीषण मुर्मू ने इसकी जानकारी विधायक को दी। विधायक डॉ लुईस मरांडी ने मृतक का शव घर लाने की पहल की और सरकार के प्रयास से शव बालाबहियार गांव पहुंचाया गया था। शनिवार को मजदूर के घर जाकर डॉ लुईस मरांडी द्वारा श्रम विभाग से प्राप्त 50 हजार का चेक परिवार वालों को सौंपा गया।इस दौरान विधायक लुईस मरांडी चिकनिया गांव पहुंची और मृतक के परिवार से मिलकर सांत्वना दी। शिवेश्वर मंडल की मृत्यु दिल्ली में करेंट लगने से हो गयी थी। विधायक ने चिकनिया स्थित उसके पैतृक आवास पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया और उसकी पत्नी पिंकी देवी को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। कहा कि मैं इस मामले को जिले के एसपी से बातचीत करके आगे कार्रवाई का प्रयास करूंगी और आपको जो भी मदद चाहिए उस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का ध्यानाकर्षण कराऊंगी और कंपनी के मालिक इंदल कुमार जो दोषी हैं उस पर कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए विभाग से बात किया जाएगा और इस दुख की घड़ी में हम आपके परिवार के साथ खड़े हैं। आपको कोई दिक्कत नहीं होगी बच्चों को भी पढ़ाई को लेकर मदद का भरोसा दिया।वहीं इस दौरान विधायक डॉ लुईस मरांडी ग्राम लोधना स्थित मृतक मनिक टुडू के आवास पहुंचीं। मानिक टुडू का निधन जम्मू कश्मीर में बर्फ में दबने से हो गयी थी। विधायक ने परिजनों को ढांढस बंधाया।झामुमो के जामा प्रखंड अध्यक्ष विभीषण मुर्मू गिरकर चोटिल हो गए थे , आज विधायक ने भुटोकोड़िया गांव पहुंचकर अध्यक्ष से मुलाकात की। मौके पर प्रखंड सचिव गौतम कुमार दर्वे, जिला उपाध्यक्ष कालेश्वर सौरेन, निर्मल बेसरा ,बोदीलाल मरांडी, सत्तार खान, हेमलाल हांसदा, चंद्रकांत मंडल, सुभाष मंडल, अनिल मुर्मू, संतोष हांसदा, गुड्डू यादव, प्रेमलता बास्की,सुभाष सौरेन, पोरेश मंडल, कलाम अंसारी, वर्णवास मुर्मू सहित अन्य सभी कार्यकर्ता मौजूद थे।

हमारा समाज के लोग लोग दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में बासोबास करते हैं

दुमका :विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर दुमका जिला के रामगढ़ प्रखंड के डेलिपाथर गांव में झारखंड राज्य आदिवासी अधिकार मंच एवं झारखंड राज्य आदिम जनजाति अधिकार मंच के संयुक्त तत्वावधान में कामरेड देवी सिंह पहाड़िया की अध्यक्षता में विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम किया गया।

उक्त कार्यक्रम में झारखंड राज्य आदिवासी अधिकार मंच के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष कामरेड सुभाष हेंब्रम उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झारखंड राज्य आदिवासी अधिकार मंच के कार्यकारी अध्यक्ष सुभाष हेमराम ने विश्व आदिवासी दिवस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा की आदिवासी समाज सिर्फ झारखंड राज्य के भौगोलिक क्षेत्र में ही अवस्थित नहीं है। हमारा समाज के लोग लोग दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में बासोबास करते हैं ।आदिवासी समाज के लोग अपनी अस्मिता की रक्षा तथा प्रकृति के पूजन होते हैं साथ ही साथ जल और जंगल जमीन की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षशील है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आदिवासी समाज तथा आदिम जनजाति समाज कि लोगों की स्थिति को जब देखा जाता है ।तो आश्चर्य होता है कि सरकार की गलत नीतियों तथा उपेक्षा पूर्ण व्यवहार के कारण आज तारीख में भी हमारे समाज के लोग मूलभूत सुविधाओं एवं अधिकारों से वंचित हैं। समय की मांग है कि हम तमाम समाज के लोग एकजुट होकर संघर्ष को तेज करना नितांत जरूरी है।उक्त कार्यक्रम मे बाबूलाल देहरी,सुनवाई माझी,सुवना देवी,मुन्नी देवी,सुखिया देवी सहित भारी संख्या मे मंच के सदस्य उपस्थित थे।

सिदो कान्हो मुर्मू आदिवासी एभेन बैसी के कार्यकर्ताओं ने दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

दुमकाःझारखंड राज्य निर्माण आंदोलन के नायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने तथा उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए सामाजिक संगठन सिदो कान्हो मुर्मू आदिवासी एभेन बैसी ने शनिवार को रामगढ़ के जोगिया में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने 2 मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। दिवंगत शिबू सोरेन को संताल समाज के पुनर्जागरण का अग्रदूत, महाजनी शोषण से मुक्ति दिलाने वाला तथा झारखंड राज्य निर्माण का नायक बताते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनके निधन से सम्पूर्ण राज्य मर्माहत है। शिबू सोरेन का निधन मात्र एक व्यक्ति का निधन नहीं है बल्कि आंदोलन एवं संघर्ष के एक युग का समापन है। आदिवासी समाज के लिए उनके योगदान को युगों तक याद रखा जाएगा। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से मंगल सोरेन, बिहारी हांसदा, शनि लाल हांसदा, सुखीलाल मुर्मू, कालीचरण हेम्ब्रम, सुलेमान हांसदा, सोमलाल मरांडी, वकील मुर्मू, मक्कू सोरेन, सुखीलाल हांसदा, जियालाल बास्की, प्रेमलाल हांसदा, माया रानी हेम्ब्रम, छोटका मरांडी, दिनेश मुर्मू, मुंशी मुर्मू, सोम सोरेन, सुरुजमुनि मुर्मू आदि उपस्थित थे।

हर घर तिरंगा–तिरंगा यात्रा 2025 को सफल और भव्य बनाने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन

दुमकाःभारतीय जनता पार्टी दुमका द्वारा "हर घर तिरंगा–तिरंगा यात्रा 2025" को सफल और भव्य बनाने के उद्देश्य से शनिवार को शिव पहाड़ में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में पार्टी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, विभिन्न मोर्चों के कार्यकर्ता एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यशाला में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, प्रचार-प्रसार की रणनीति, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और जनजागरण अभियान के तौर-तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि यह अभियान सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र के गौरव, एकता और अखंडता का प्रतीक है, जिसे घर-घर तक पहुँचाना हम सबका कर्तव्य है। बैठक में निर्णय लिया गया कि दुमका नगर में तिरंगा यात्रा का आयोजन कर जनता को इस अभियान से जोड़ा जाएगा और हर घर पर तिरंगा फहराने के लिए जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा।इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे पूर्ण समर्पण, देशभक्ति और अनुशासन के साथ इस ऐतिहासिक अभियान को जन-जन तक पहुँचाने में अपनी भूमिका निभाएँ।कार्यशाला में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनुज आर्या, जिला महामंत्री डॉ पवन केसरी, पूर्व नगर अध्यक्ष मृणाल मिश्रा, ओम केसरी, जिला मीडिया सह प्रभारी नवल किस्कू, दीप्तांशु कोचगवे, अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीधर दास, संतोष साह, किशोरेंद्र दास, संजीत प्रसाद भगत, ऋषिकेश कुमार, तरुण साह, बम केसरी, सूरज चौधरी, बिक्की पाठक, प्रदीप पाठक, सोनू कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

आदिवासी सेंगेल अभियान ने संकल्प दिवस के रूप में मनाया विश्व आदिवासी दिवस

दुमकाःशनिवार को आदिवासी सेंगेल अभियान की ओर से रानीश्वर प्रखण्ड के सिदो मुर्मू कान्हु मुर्मू चौक सालतोला में विश्व आदिवासी दिवस को संकल्प दिवस के रूप मनाया गया। सर्वप्रथम सिदो मुर्मू, कान्हु मुर्मू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया । दुमका जोनल हेड बार्नाड हांसदा ने कहा कि आज 9 अगस्त को विश्व के 90 देशों में विश्व आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है। जिसमें दुनिया भर के लगभग 37 करोड़ आदिवासियों के अस्तित्व, पहचान और हिस्सेदारी की बात होगी। चूंकि संयुक्त राष्ट संघ ने सर्व प्रथम 1982 में दुनिया भर से आदिवासियों की घटती आबादी पर चिंता व्यक्त की थी और 1994 में संयुक्त राष्ट महासभा द्वारा आदिवासी अधिकारों (जल, जंगल, जमीन, भाषा, संस्कृति आदि बचाने)को केन्द्रित कर प्रति वर्ष 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाने की घोषणा की गई। 13 सितंबर 2007 को विश्व आदिवासी अधिकार घोषणा पत्र 144 राष्ट्रों की सहमति से जारी किया गय। संयुक्त राष्ट्र संघ के 2019 के रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 7000 भाषाओं में से 40% भाषाएं विलुप्ति के कगार पर हैं, जिसमें से अधिकांश आदिवासी भाषाएं ही ख़तरे में है, इसलिए राष्ट्र संघ ने 2022 से 2032 तक को आदिवासी भाषा दशक के रूप में घोषित किया है।आदिवासी सेंगेल अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व संसाद सालखन मुर्मू के नेतृत्व में लगातार इन्हीं आदिवासी अधिकारों को लेकर संघर्ष जारी है। इसलिए आदिवासी सेंगेल अभियान विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर संकल्प लेते हुए मांग करती हैं कि राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सबसे बड़ी आदिवासी भाषा संताली भाषा को झारखंड में प्रथम राजभाषा का दर्जा दिया जाए।भारत के लगभग 15 करोड़ आदिवासी में से अधिकांश आदिवासी प्रकृति पूजक है, उनको सरना धर्म कोड दिया जाए। आदिवासी स्वशासन (मांझी परगना) व्यवस्था में सुधार कर संविधान कानून और जनतंत्र को लागू किया जाए। सीएनटी एसपीटी कानून को सख्ती से लागू किया जाए। असम और अंडमान में लंबे समय से बसे झारखण्डी आदिवासियों को एसटी का दर्जा दिया जाए। संताल हूल के महानायक वीर शहीद सिदो मुर्मू और बिरसा मुंडा के नाम दो ट्रस्ट का निर्माण कर प्रत्येक को एक - एक सौ करोड़ का अनुदान दिया जाए।प्रखण्ड उपाध्यक्ष बहादुर मुर्मू ने कहा कि आदिवासी ही प्रकृति पूजक है, प्रकृति और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए आदिवासियों का संरक्षण जरूरी है। कार्यक्रम में विभूति बास्की, परमेश्वर हेंब्रम, सागर हांसदा,सुनील हेंब्रम, मरियम सोरेन, रामेश्वर टुडू,राजीव हेंब्रम,संदीप हेंब्रम, बाबूधन टुडू,उपस्थित थे।

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

विविध वैद्युतिक कार्य हेतु ई–निविदा सूचना विद्युत (सामान्य) विभाग के लिए खुली निविदायें

मंडल रेल प्रबन्धक (विद्युत), पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :

ई–निविदा संख्या–ईएल/28/खुली/ 2025–26 क्र.सं. (1) कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : (अ) धनबाद – धनबाद में महिला ट्रेन एस्कॉटिंग स्टाफ के लिए 10 बिस्तरों वाली महिला आरपीएफ एस्कॉर्ट बैरक का प्रावधान। (ब) हजारीबाग टाउन – हजारीबाग टाउन में मनोरंजन हॉल, डाइनिंग हॉल, फर्नीचर और अन्य सुविधाओं के साथ 20 बिस्तरों वाली आरपीएफ बैरक का प्रावधान। (स) एडीईएन/चोपन के तहत चोपन , सिंगरौली, ओबरा और शक्तिनगर में शौचालय, टाइल्स, पानी का कनेक्शन और पहुंच मार्ग प्रदान करके विभिन्न सेवा भवनों का नवीनीकरण। (द) सीनियर डीईएन/4/धनबाद के तहत रेणुकूट और सिंगरौली में आरपीएफ आउट पोस्ट ऑफिस का प्रावधान (ई) बरवाडीह–फ्रेट डिपो बरवाडीह में ट्रॉली रिपेयर शेड का विस्तार और अन्य सुधार कार्य से संबंधित वैद्युतिक कार्य **(कार्य समापन अवधि : बारह माह) (2) कार्य के लिए प्राक्कलित राशि :** रू० 77,97,761.95 **(3) बिड सिक्युरिटी :** रू० 1,56,000.00 **(4) बिड मूल्यांकन प्रणाली :** एक पैकेट प्रणाली **(5) ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय : ई–निविदा बंद होने की तिथि :** दिनांक 29.08.2025 को 11:00 बजे। **ई निविदा खुलने की तिथि :** दिनांक 29.08.2025 को 11:30 बजे के बाद। **(6) वेबसाईट का विवरण :** वेबसाईट www.ireps.gov.in. ई–निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

ई–निविदा संख्या–ईएल/29/खुली/2025–26 क्र.सं. (1) कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : (अ) धनबाद यार्ड के जल जमाव वाले क्षेत्र में मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (एमएसडीएसी) का प्रावधान (ब) धनबाद डिवीजन में डीईएमयू (संख्या–02), सीएनएफ (संख्या–01), डीएसएमई (संख्या–01) और एमडब्ल्यूएफ (संख्या–01) के लिए हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर (एचएबीडी) की आपूर्ति स्थापना और कमीशनिंग (स) कोडरमा–पिपराडीह– कोडरमा–पिपराडीह के बीच आईबीपी का प्रावधान (द) हजारीबाग टाउन–कंसार नवादा–हजारीबाग टाउन और कंसार नवादा के बीच आईबीपी का प्रावधान से संबंधित वैद्युतिक कार्य **(कार्य समापन अवधि : बारह माह) (2) कार्य के लिए प्राक्कलित राशि :** रू० 18,23,721.07 **(3) बिड सिक्युरिटी :** रू० 36,500.00 **(4) बिड मूल्यांकन प्रणाली :** एक पैकेट प्रणाली **(5) ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय : ई–निविदा बंद होने की तिथि :** दिनांक 29.08.2025 को 11:00 बजे। **ई निविदा खुलने की तिथि :** दिनांक 29.08.2025 को 11:30 बजे के बाद। **(6) वेबसाईट का विवरण :** वेबसाईट www.ireps.gov.in. ई–निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत), धनबाद

पीआर/0744/डीएचएन/ईएलईसीटी/टी/25-26/76

महिला समिति, बोकारो का इकसठवां स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन

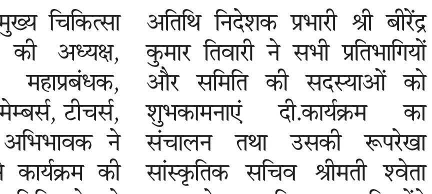

बोकारो । महिला समिति, बोकारो का (61) इकसठवां स्थापना दिवस कार्यक्रम सफलतापूर्वक बीएसएल के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास स्थित मेन ऑडिटोरियम में धूमधाम से मनाया गया. कार्यक्रम की शुरुआत परम्परागत तरीके से दीप प्रज्वलन तथा गणेश वंदना के साथ शुरूकर अतिथियों का स्वागत पौधों तथा पुष्प गुच्छों से किया गया. बी एस एल के निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ अधिशाषी निदेशक,मुख्य चिकित्सा अधिकारी, समिति की अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य महाप्रबंधक, सीनियर ऑफिसर्स, मेम्बर्स, टीचर्स, छात्र छात्राएं तथा अभिभावक ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई. महिला समिति, बोकारो की अध्यक्ष श्रीमती अनीता तिवारी ने अपने स्वागत भाषण में सभी को बधाई दी तथा दर्शकों के साथ समिति द्वारा किए जा रहे नेक कार्यो को साझा किया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी ने सभी प्रतिभागियों और समिति की सदस्याओं को शुभकामनाएं दी.कार्यक्रम का संचालन तथा उसकी रूपरेखा सांस्कृतिक सचिव श्रीमती श्वेता कुमार के द्वारा किया गया जिन्होंने 'समिति गान' से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया. कार्यक्रम के दौरान सचिव श्रीमती ऋचा प्रियदर्शिनी के द्वारा स्वरबद्ध तरीके से वर्तमान अध्यक्ष श्रीमती अनीता तिवारी के कार्यकाल में हुई गतिविधियों की 'झलकियां' दिखाई गईं। समिति द्वारा संचालित दो विद्यालय बालमंदिर तथा सौरभ शिशु मंदिर की छात्राओं ने असमिया तथा महाराष्ट्र के खूबसूरत नृत्य प्रस्तुत किए. सुरभि मसाला केंद्र की वर्कर्स ने सावन के नृत्य व गान तथा स्वावलंबन उद्योग केंद्र की वर्कर्स ने नृत्य नाटिका तथा गीत की प्रस्तुति दी. मुख्य अतिथि द्वारा 'बेस्ट वर्कर्स' अवॉर्ड दिया गया तथा महिला समिति की उपाध्यक्षगण द्वारा समिति के जन्मदिन पर केक काटा गया. कार्यक्रम का समापन सचिव ऋचा जी के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ.समिति की स्थापना दिवस को सफल बनाने में कोषाध्यक्ष अभिरुचि प्रिया,उपाध्यक्ष अंजलि तिवारी, उप सचिव रूपांशी श्रीवास्तव, सुरभि प्रभारी अनिशा झा, सिलाई प्रभारी प्रीति राजेश, विद्यालय प्रभारी नीतू सुनीत व आशा राज, समिति सदस्या कल्पना वर्मा, समिता मोहंती तथा यामिनी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया.

स्पर्श कॉन्क्लेव 2025 के दूसरे दिन

संवाद, सहभागिता टीमवर्क, संस्थानिक उद्देश्य और भविष्य की एचआर रणनीतियों पर विचार-विमर्श और वक्तव्यों के साथ हुआ समापन

धनबाद, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड द्वारा आयोजित दो-दिवसीय स्पर्श एचआर कॉन्क्लेव 2025 का आज कार्यक्रम के दूसरे दिन कोयला, उद्योग जगत और सार्वजनिक क्षेत्र के शीर्ष नेतृत्व, मानव-संसाधन विशेषज्ञों और लीडर्स द्वारा संवाद, सहभागिता, टीम वर्क, और संस्पर्शी कार्यपद्धति की आवश्यकता एवं महत्व को रेखांकित करते हुए प्रेरणास्पद विचार-विमर्श एवं वक्तव्यों के साथ समापन हुआ। कार्यस्थल को और अधिक मानवीय, गतिशील और परिणामोन्मुख बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए, विशेषज्ञों ने 'मेकिंग हैप्पी एम्प्लाइज' पर अपने विचार रखें तथा एक समावेशी एचआर कल्चर की परिकल्पना को आकर दिया। कोल इंडिया और बीसीसीएल के शीर्ष नेतृत्व, मानव-संसाधन निदेशकगण के अतिरिक्त उद्योग जगत से जुड़े मानव संसाधन विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और कॉर्पोरेट नेतृत्व की गरिमामयी उपस्थिति में कॉन्क्लेव के अंतिम दिन आज महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किये गए, जो विचारों, संवादों और नीति-निर्माण की संभावनाओं से परिपूर्ण रहें। कॉन्क्लेव का पहला दिन जहां एचआर के मूल्यों, संवेदनशीलता और कर्मचारी सशक्तिकरण पर केंद्रित था, वहीं आज का दिन नेतृत्व, टीमवर्क और संस्थानिक उद्देश्य आधारित प्रबंधन के विषयों को समर्पित रहा।इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) सीआईएल डॉ. विनय रंजन, सीएमडी, ईसीएल श्री सतीश झा, निदेशक (मानव संसाधन), बीसीसीएल श्री मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (तकनीकी, संचालन) श्री संजय कुमार सिंह सहित कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनियों के निदेशक (मानव संसाधन) श्री केशव राव (एमसीएल), श्री हर्ष नाथ मिश्रा (सीसीएल), डॉ. हेमंत शरद पांडे (डब्ल्यूसीएल), श्री गुंजन कुमार सिन्हा (ईसीएल), डॉ. कमाक्षी रमण (ईडी-आईआईसीएम),श्री शंकर नागाचारी (निदेशक तकनीकी सीएमपीडीआईएल) समेत देशभर के विभिन्न औद्योगिक संस्थानों एवं शैक्षणिक संगठनों के प्रतिनिधि - श्री अखिलेश कुमार (डीवीसी), श्रीमती रेणुका वर्मा (एमएसटीसी), डॉ. शारदा सिंह (एक्सआईएसएस, रांची)), श्री सूरज छेत्री (ईडी-एच आर-एयरबस), श्रीमती रेणु चतुर्वेदी, महाप्रबंधक (सीएसआर) सीआईएल सहित एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहें। कार्यक्रम में बीसीसीएल के सभी महाप्रबंधक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारियों एवं कर्मियों ने भी अपनी सहभागिता की।

स्पर्श मानव संसाधन सम्मेलन 2025 के दूसरे दिन की शुरुआत विशिष्ट तकनीकी सत्रों के साथ हुई, जिनमें टीमवर्क, उद्देश्य की स्पष्टता और कर्मचारी प्रेरणा को केंद्र में रखा गया। दिन की शुरुआत 'टीम वर्क - जुनून पैदा करना' विषयक सत्र से हुई, जिसमें सामूहिक प्रयासों, नेतृत्व के सहयोगी दृष्टिकोण और कार्यस्थल पर सहानुभूति के वातावरण से कर्मचारियों में जुनून और प्रतिबद्धता कैसे उत्पन्न की जा सकती है, इस पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए।

सत्रों की श्रृंखला में 'उद्देश्य बनाना – लक्ष्य प्राप्त करना अंतिम तकनीकी सत्र विशेष रूप से युवाओं और मिलेनियल पीढ़ी को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया था। इस सत्र में एसएमएआरटी और ओकेआर आधारित लक्ष्य निर्धारण, करियर पाथिंग और संगठनात्मक उद्देश्य को व्यक्ति के निजी उद्देश्य से जोड़ने पर व्यापक चर्चा हुई। इसमें "इकिगाई" जैसे जापानी सिद्धांतों को भी संदर्भित किया गया, जिससे कार्यस्थल पर तात्विक संतोष एवं आत्मसिद्धि प्राप्त की जा सके।इसके पश्चात क्विज और छात्र प्रतिनिधियों की ओर से फीडबैक सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें युवा प्रतिभागियों ने इस दो-दिवसीय अनुभव को प्रेरणास्पद, मार्गदर्शक और महत्वपूर्ण बताया।

समापन सत्र में श्री विनय रंजन ने सभी प्रतिभागियों के बीच सहभागिता प्रमाण पत्र का वितरण किया। धन्यवाद ज्ञापन श्री मुरली कृष्ण रमैया ने किया।

पंख एक नई दिशा ने अनाथ बच्चों के बीच हर्षोल्लास के साथ मनाई राखी उत्सव का त्यौहार

धनबाद, हीरापुर हिंदू मिशन में पंख एक नई दिशा जरूरतमंद अनाथ बच्चों के बीच राखी उत्सव मनाई और संस्था की बहनो ने सभी भाइयों की कलाई में बांधी राखी। सभी भाइयों के दीर्घायु, स्वस्थ और सुखी जीवन के लिए प्रार्थना की और भाइयों को मिठाई, चॉकलेट, चिप्स खिला कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की । अध्यक्ष पिंकी गुप्ता ने बताया की संस्था के सभी लोग हमेशा हर पर्व इन बच्चों के बीच मानती हैं । बच्चो की मुस्कुराहट देख कर सबों का दिल गद गद हो गया । संस्था की कोषाध्यक्ष सुषमा प्रसाद, उपाध्यक्ष नम्रतागुप्ता,महासचिव सुधा गुप्ता, सचिव शशि शेखर गुप्ता, शिव शंकर गुप्ता आदि उपस्थित थे।

बरमसिया के शनिदेव महाराज मंदिर में दिलीप सिंह ने जरूरतमंद लोगों के बीच किया भोजन वितरण

धनबाद, शनिवार को रक्षाबंधन पर्व के पावन अवसर पर बरमसिया शनिदेव महाराज मंदिर के परिसर में युवा संघर्ष मोर्चा के संस्थापक दिलीप सिंह के नेतृत्व में जरूरतमंदों को भोजन वितरण किया गया। दिलीप सिंह ने बताया कि हर शनिवार को धनबाद के विभिन्न शनि मंदिरों में गरीबों को भोजन वितरण अभियान कार्यक्रम किया जा रहा है 1 आगे भी मदद का अभियान जारी रहेगा। युवा संघर्ष मोर्चा गरीब कन्याओं के विवाह में, असाहयों की विकट स्थिति में मदद के लिए लगातार प्रतिबद्ध है। आज के भोजन वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाजसेवी बॉबी पांडे एवं युवा नेता आकाश रवानी भी मौजूद थे 1 ज्ञात हो की समाजसेवी,आकाश रवानी, समाजसेवी बॉबी पांडे, पिंटू मोदी शैलेंद्र यादव, मनोज राय ,अंशुमान सिंह, शशि पंडित, अनिल अग्रवाल बबलू सिंह ने स्नेहपूर्वक अपने हाथों से गरीबों को पूड़ी सब्जी वितरण किया।

सचिव ने किया वन स्टॉप सेंटर, वृद्धा आश्रम, चाइल्ड लाइन का निरीक्षण

सबलपुर वृद्धा आश्रम में कैंप लगाकर आधार कार्ड बनाने का दिया निर्देश

धनबाद। महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव, मनोज कुमार का धनबाद में आगमन हुआ। इस दौरान उन्होंने विभिन्न सेंटरों का निरीक्षण किया।

सर्वप्रथम सचिव ने वन स्टॉप सेंटर एवं चाइल्ड लाइन का निरीक्षण किया। वहां के कर्मियों से वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इसके पश्चात दिव्यांगों के लिए संचालित पहला कदम विद्यालय का निरीक्षण किया। वहां के शिक्षकों एवं बच्चों के साथ उनको मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। सचिव ने विभाग द्वारा दिव्यांगों के लिए संचालित योजनाओं का लाभ बच्चों को दिलाने के लिए पदाधिकारी को निर्देश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने सचिव को राखी भी बांधी।

भ्रमण की अगली कड़ी में सचिव,सबलपुर स्थित वृद्धा आश्रम पहुंचे। उन्होंने वृद्धा आश्रम में जिन वृद्धों का आधार कार्ड नहीं बना है, उनका कैंप लगाकर आधार कार्ड बनाने का निर्देश दिया। सचिव ने कहा कि आधार कार्ड बन जाने से उनको पेंशन का लाभ दिलाया जा सकेगा।

इसके बाद सचिव ने बालिका गृह एवं हॉफवे गृह का भी भ्रमण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस मौके पर सहायक निदेशक समाजिक सुरक्षा, नियाज अहमद, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी श्रीमती साधना कुमारी, विशंभर कुमार पोद्दार, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी,संचित भगत, श्रीमती विमला कुमारी, आनंद कुमार व अन्य लोग भी इस मौके पर मौजूद थे।

जिला परिषद मैदान में स्वदेशी हस्तशिल्प मेला का शारदा सिंह ने किया उद्घाटन

धनबाद, हीरापुर जिला परिषद मैदान में स्वदेशी हस्तशिल्प मेला का उद्घाटन शनिवार को जिला परिषद अध्यक्ष, शारदा सिंह ने फीता काटकर, नारियल फोड़कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया । इस मौके पर शारदा सिंह ने कही की भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने, हस्तशिल्प कारीगरों को प्रोत्साहित करने, उनके उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है इसलिए मेले में परिवार के साथ आए,खरीदारी करें और इनका हौसला बढ़ाएं। मेला के संयोजक संतोष कुमार गुप्ता ने कहा रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी पर्व को देखते हुए 24 अगस्त तक आयोजित इस स्वदेशी मेले में उत्तर प्रदेश भदोही का कारपेट, वाराणसी की खूबसूरत साड़ियां, खादी वस्त्र, पंजाबी जूतियां, राजस्थान का स्वास्थ्यवर्धक एवं स्वादिष्ट चूर्ण और अचार, परफ्यूम, सहारनपुर का फर्नीचर एवं बच्चों के लिए लकड़ी का खिलौना,महिलाओं के लिए श्रृंगार के स्टाल्स और भारतीय ऑटोमोबाइल्स में मारुति, टाटा, होंडा, बजाज की नवीनतम प्रोडक्ट्स की प्रदर्शनी और साथ में खाने पीने एवं बच्चों के मनोरंजन के लिए आकर्षक सुरक्षित झूला लगाया गया है। बताया कि मेला का समय सुबह 11 से रात्रि 9 तक है। उद्घाटन के मौके पर मेला प्रबंधन के संतोष कुमार गुप्ता, धर्मजीत चौधरी, अवध बिहारी,विप्लव चक्रवर्ती, संजीत शाहा समेत अन्य अतिथि मौजूद थे।

विकाश रंजन उर्फ पप्पु सिंह दो दिवसीय नॉक आउट फुटबॉल टुर्नामेंट शुरू

धनबाद। झारखण्ड मैदान हिरापुर में धनबाद फुटबॉल क्लब द्वारा आयोजित दो दिवसीय दिवारात्री विकाश रंजन उर्फ पप्पु सिंह नॉक आउट आमंत्रण फुटबॉल टुर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक श्री प्रभात कुमार के हाथो हुआ। उनके साथ पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय-2 श्री डी०एन० बंका, विकास रंजन एवं डी०एफ०सी० के सचिव विकास साव अध्यक्ष अजीत सिन्हा एवं डी०एफ०सी० के सदस्य उपस्थित थे। उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि प्रभात कुमार एवं डी०एन० बंका को डी०एफ०सी० द्वारा मेमोन्टो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि धनबाद में फुटबॉल खेल की लोकप्रियता काफी अधिक है इस खेल को और अधिक गति से बढ़ाने की जरूरत है। यहाँ के खिलाड़ियों में जोश और जुनुन को देखते हुए धनबाद में एक खेल अकादमी की स्थापना अब महत्वपूर्ण हो गई है और जिला में स्कूल स्तर पर फुटबॉल को बढ़ावा देने से जिला से अनेको प्रतिभावान खिलाड़ी निकलेंगे जो राज्य का भी नाम रोशन करेंगे। उन्होंने धनबाद में इस तरह के टुर्नामेन्ट के आयोजन की काफी सराहना की और आयोजकों की प्रशंसा की। पुलिस उपाधीक्षक डी० एन० बंका ने खिलाड़ियों का मनोबल बढाते हुए कहा कि जिला प्रशासन जिला में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए अपने स्तर से काफी प्रयासरत है इस दिशा में जिला के खेल विभाग ने मेगा स्पोर्टस कम्पलेक्स को जिला के खिलाड़ियों के लिए सुपुर्द कर दिया है ताकि जिला के खिलाड़ी बेहतर तैयारी करके राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले सके। इस अवसर पर मुख्य रूप से अजीत सिन्हा, विकास साव, बबलु मिश्रा, भोला साव, विकास साव, विकास रंजन उर्फ पप्पु सिंह, बबलु ठाकुर, तारकनाथ दास, श्रीमती रूपा सिंह, अनिल लाल, सतीश प्रसाद, राजेश केशरी, संतोष यादव, अजय बास्की, छोटू, मोटू रोशन, विमलेश, नितिश, राकेश ठाकुर, रोशन ठाकुर, मुकेश, राजू अक्षय, डिलडिल, प्रमोद यादव, उर्मिला देवी, पी०एन० बनर्जी उपस्थित थे।

दुमका में धूमधाम से मनाया गया भाई बहन के अटूट विश्वास व पवित्र प्रेम का त्योहार रक्षाबंधन

दुमकाःजिला मुख्यालय दुमका समेत जिले के सभी प्रखंडों में शनिवार को पूरे हर्षोल्लास व उत्साह के साथ भाई बहन के अटूट विश्वास व पवित्र प्रेम का त्योहार रक्षाबंधन मनाया गया।जामा प्रखंड क्षेत्र के जामा, बारा पलासी, लकड़ा पहाड़ी, महारो, केरावनी सहित ग्रामीण क्षेत्रों में शनिवार को रक्षाबंधन का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया।

बीजेकेएमएस महामंत्री रणविजय सिंह से एरिया पांच के मजदूर प्रतिनिधि और पदाधिकारी ने की मुलाकात

हिन्द खदान मजदूर फेडरेशन(एच.एम.एस) के केंद्रीय उपाध्यक्ष बनने पर बुके एवं शॉल देकर शुभकामनाएं और बधाई दिये

लोयाबाद। सिजूआ एरिया पांच के बिहार जनता खान मजदूर संघ के केंद्रीय, एवं क्षेत्रीय,तथा कोलियरी के मजदूर प्रतिनिधि पदाधिकारी ने धैया गोकुल बंग्लो में कांग्रेस नेता सह बिहार जनता खान मजदूर संघ के महामंत्री रणविजय सिंह से मुलाकात कर रणविजय सिंह को हिन्द खदान मजदूर फेडरेशन(एच.एम.एस)के केंद्रीय उपाध्यक्ष बनने पर बुके एवं शॉल देकर शुभकामनाएं और बधाई दिये।इस दौरान संघ के पदाधिकारियों ने महामंत्री को बताया कि इस वर्ष 2025 में गांधी जयंती एवम दशहरा का पेड़ हॉलिडे एक ही दिन पड़ रही जिससे मजदूरों का नुकसान होगा मजदूरों का नुकसान ना हो इसलिए क्षेत्रीय स्तर पर संघ के पदाधिकारि सचिव ने महाप्रबंधक महोदय बी सीसीएल प्रबंधन को पत्र लिख कर इस ओर ध्यान आकृष्ट कराया हैं कि दशहरा की एक हॉलिडे जो गांधी जयंती के दिन ही पड़ रही हैं उसे प्रवर्तित कर विश्वकर्मा जयंती पूजा 17 सितंबर को कर दिया जाए इस बात से महामंत्री को अवगत कराया महामंत्री श्री रणविजय सिंह ने संघ के पदाधिकारियों को अस्वस्थ किया कि शीघ्र ही बीसीसीएल के प्रवंधन से इस पर वार्ता करेंगे ताकि मजदूरों का नुकसान ना हो एवं एरिया पांच में मजदूरों के ज्वलंत समस्याओं पर गहन चर्चा हुई शीघ्र ही मजदूरों की समस्याओं के निदान के लिए एरिया पांच के महाप्रबंधक से वार्ता करने की बाते कहि ।

श्री सिंह ने आश्वस्त करते हुए कहा कि जल्दी सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इस मौके पर केन्द्रीय नेता सतेन्द्र सिंह क्षेत्रीय नेता सुदर्शन कुमार चौहान पवन कुमार प्रसाद आनंद सिंह बृजबिहारी सिंह कोलयरी का नेता ललन तिवारी मनजीत जी धर्मेन्द्र सिंह हरिशंकर जी आदि दर्जनाधिक बिहार जनता खान मजदूर संघ के कार्यकर्ताओं मौजूद थे।

बरवाअड्डा थाना के नवनिर्मित भवन का हुआ उद्घाटन

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने आज सिंदरी के विधायक, चंद्रदेव महतो एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, प्रभात कुमार के साथ संयुक्त रूप से पूजा अर्चना करने के बाद फीता काटकर बरवाअड्डा थाना के नए भवन का उद्घाटन किया। दरअसल, कृषि बाजार परिसर में संचालित बरवाअड्डा थाना को उदयपुर के जोड़ापीपल क्षेत्र में स्थान्तरित कर दिया गया है। विश्व आदिवासी दिवस व श्रावण पूर्णिमा के शुभ अवसर पर आज विधिवत पूजा अर्चना कर नए थाना भवन में प्रवेश किया गया।

झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सौजन्य से नवनिर्मित अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस नए मॉडल थाना भवन में आगंतुकों के लिए प्रतीक्षालय, महिला पुलिसकर्मियों के लिए पृथक एवं सुरक्षित आवासीय सुविधा, स्वच्छ पेयजल, बैठने की समुचित व्यवस्था तथा कार्यालय संचालन के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराया गया है।

उदयपुर में नवनिर्मित बरवाअड्डा थाना भवन में थाना प्रभारी का कक्ष, वेटिंग हॉल, सहायता केंद्र, सिरिस्ता, रिकॉर्ड रूम, मालखाना, महिला हेल्प डेस्क, महिला हाजत, पुरुष हाजत, सभागार, जवानों व पदाधिकारी के लिए रेस्ट रूम, किचन, बाथरूम, शौचालय, इंट्रोगेशन रूम, वायरलेस रूम, सीसीटीएनएस समेत अन्य सभी सुविधायों को ध्यान में रखने हुए निर्माण कराया गया है। मौके पर मौजूद विधायक, चंद्रदेव महतो ने कहा कि विभिन्न कठिनाइयों व संसाधन के आभाव के बावजूद पुलिस के जवान जनता की सेवा व सुरक्षा में अपना योगदान देते आ रहे हैं। ऐसे में थाना का नया भवन बनने के बाद यहाँ कार्यरत पुलिसकर्मियों को काफी सुविधा होगी। वहीं उपायुक्त ने कहा कि नया थाना भवन काफी सुविधाजनक है। उन्होंने हाईवे से थाना तक अप्रोच रोड के शीघ्र निर्माण कराने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस पूरे मार्ग व आसपास के इलाकों में जल्द स्ट्रीट लाइट भी लगाई जाएगी।वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नए भवन के माध्यम से पुलिस व्यवस्था और अधिक प्रभावी व जनता के अनुकूल बनेगी। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को आश्वासन देते हुए कहा कि भविष्य में भी किसी तरह की परेशानी न हो इसे ध्यान में रखते हुए थाना को और भी अधिक सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों व जवानों से अपील करते हुए जनता की सेवा व सुरक्षा को अधिक प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। उद्घाटन के अवसर पर वहां मौजूद गणमान्य लोगों ने भी नए भवन को लेकर खुशी व्यक्त करते हुए पुलिस विभाग को धन्यवाद दिया। कहा कि मॉडल भवन में थाना शिफ्ट होने से प्रशासनिक कार्यों की गुणवत्ता और आम नागरिकों को बेहतर सेवा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उद्घाटन के शुभ अवसर पर उपायुक्त, आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक, प्रभात कुमार, सिंदरी के विधायक, चंद्रदेव महतो, डीएसपी, धीरेन्द्र नारायण बंका, डीएसपी, नौशाद आलम, एसडीपीओ निरसा, रजत मणिक बाखला, डीएसपी ट्रैफिक, अरविन्द सिंह, डीएसपी साइबर, संजीव कुमार, बरवाअड्डा थाना प्रभारी, रजनीकान्त समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता व स्थानीय लोग मौजूद थे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▮समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।